www.anantgyaan.in

सूर्योदय 7:02 सूर्यास्त 6:08

आज का तापमान
शिमला 5.6 न्यू 16.02 अधि
धर्मशाला 6.02 न्यू 21.00 अधि

बाजार
सेंसेक्स 71595 .49
निफ्टी 21782 .50
सोना 62,950 चांदी 72,570

अनंत ज्ञान

करे हर सीमा पार

धर्मशाला | सोमवार, 12 फरवरी 2024 | 30 माघ, विक्रमी संवत 2080 वर्ष 1, अंक 55 कुल पृष्ठ 14 मूल्य : 5 रुपए

प्रधानमंत्री बनने की इच्छा के सवाल पर कंगना ने दिया मजेदार जवाब... पेज 7

अवैध निर्माण पर वन टाइम रिलैक्सेशन बिलकुल नहीं: राजेश धर्माणी

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर

हिमाचल प्रदेश में सुक्खू सरकार के सत्ता संभालने के बाद घुमारवीं के विधायक राजेश धर्माणी को तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण, आवास, नगर एवं ग्राम नियोजन मंत्री पद पाने के लिए एक साल तक लंबा इंतजार करना पड़ा। उन्हें मंत्री बनने के बाद यह विभाग भी एक माह बाद मिला। बिलासपुर जिले को 16 साल बाद राजेश धर्माणी के रूप में कैबिनेट रैंक का मंत्री मिला है।

धर्माणी एनआईटी हमीरपुर में बीटेक की पढ़ाई के दौरान ही राजनीति में शुमार हो गए थे। स्टूडेंट्स से जुड़ी समस्याओं को वह प्रभावी तरीके से उठाते रहते थे। रविवार को हमीरपुर में एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए राजेश धर्माणी ने 'अनंत ज्ञान' से कई मुद्दों पर बातचीत की। उनका कहना था कि जो हुआ सो हुआ। लंबा इंतजार बेशक करना पड़ा, लेकिन अब ये पुरानी बातें हो गई हैं। पुरानी बातें छोड़ो। समाज के लिए बेहतर करने का दायित्व मिला है तो उसे पूरी ईमानदारी के साथ निभाऊंगा। अनंत ज्ञान)

तकनीकी शिक्षा को रोजगार से कैसे जोड़ेंगे?

कैबिनेट मंत्री राजेश धर्माणी से विशेष बातचीत

तकनीकी शिक्षा को रोजगार से जोड़ना पड़ेगा। इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि जिसमें 'हुनर' होगा, वही आगे बढ़ेगा। इसलिए नौकरी के गुण हर किसी को सीखने पड़ेंगे। जो लक्ष्य की प्राप्ति के लिए काम करेगा, सफलता तो उसे ही मिलेगी। इसलिए पर्सनैलिटी को सुधारना होगा। नई भाषा की स्क्रिप्ट की तैयारी करनी होगी इन सब चीजों पर सरकार ध्यान देगी।

शहरों-ग्रामीण क्षेत्रों में कुकरमुत्तों की तरह अवैध निर्माण हो रहा है। भविष्य में दिक्कतें ज्यादा होंगी। इस मामले में क्या कहेंगे?

हाल ही में विनाशलीला सभी ने देख ली है। दोधारी तलवार चलाकर फायदा होने वाला नहीं है। नियोजित विकास होना लाजिमी है। शहर छोटा हो या बड़ा, मायने नहीं रखता। पहले पूर्वजों के समय गांव में जिस तरीके से मकान बनाए जाते थे, उनमें ड्रेनेज से लेकर सनलाइट और रास्तों का पूरा ख्याल रखा जाता था, लेकिन आज हालात खराब हैं। इस पर निश्चित रूप से सरकार बेहतर काम करेगी और बहुत जल्दी रिजल्ट्स भी सामने होंगे।

टाउन एंड कंट्री प्लानिंग एक्ट में कितना बदलाव करेंगे? क्या मुकम्मल तौर पर अवैध निर्माण को रेगुलराइज नहीं करेंगे?

हालात यही बोलते हैं, जो पीछे हो गया सो हो गया। अब सख्ती के साथ फैसले लेने की जरूरत है। जनता को भी पता है, देखा-देखी में कोई फायदा होने वाला नहीं है, इसीलिए इस पर काम शुरू कर दिया है। अवैध निर्माण पर वन टाइम रिलैक्सेशन बिलकुल भी नहीं देंगे, जो गलत है सो गलत है। नियोजित विकास पर सबको सहूलियत देने का प्रयास करेंगे।

मंत्रिमंडल में शामिल होने के लिए एक साल का समय लग गया। विभाग भी देरी से मिला। क्या उसकी कोई 'टीस' है?

जो बीत गया सो बीत गया। 'देर आए दुरुस्त आए' डिपार्टमेंट कोई भी बड़ा या छोटा नहीं होता। सारे विभाग एक जैसे रहते हैं। काम करने की मंशा होनी चाहिए। जो दायित्व अब सौंपा गया है, उसे ईमानदारी से शिखर पर ले जाने का काम करेंगे।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से आप मिले हैं। क्या आश्वासन मिला है। किन संस्थानों को खोलने के लिए आपकी केंद्र से गुजारिश हुई है?

हिमाचल जैसे पर्वतीय राज्यों में भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईसर) खोलने की मांग की गई है। कारण यह है कि देश के किसी भी पर्वतीय राज्य में आईसर नहीं है। पूरे देश में पांच ही संस्थान हैं। डिजास्टर की त्रासदी हम पहाड़ी क्षेत्र के लोग देख चुके हैं। पर्वतों से रिलेटेड अध्ययन इसी संस्थान में किया जा सकता है। यदि ऐसे संस्थान खुल गए, तो युवाओं को काफी फायदा होगा। केंद्रीय मंत्री ने संस्थान खोलने का आश्वासन दिया है।

पॉलीटेक्निक संस्थानों और आईटीआइज में स्टाफ और स्ट्रक्चर की खामियां हैं। क्या करेंगे?

इनमें 'एड आन' कोर्स चालू किए जाएंगे। तीन और छह माह के डिप्लोमा भी शुरू होंगे। इंडस्ट्री को जैसी जरूरत है, वैसी ट्रेनिंग देनी पड़ेगी। अप्रेंटिस का काम लॉन्च करेंगे। यह कोर्सेज फ्री नहीं होंगे। गवर्नमेंट स्तर पर पीडब्ल्यूडी में इसकी ट्रेनिंग देंगे। थ्योरी तो संबंधित संस्थानों में पढ़ लेंगे, लेकिन प्रैक्टिकल यहीं पर करवाएंगे और इसके लिए कुछ पैसा भी देना पड़ेगा। तभी युवा रोजगार लायक बनेंगे। पांचों फार्मेसी कॉलेज स्ट्रीम लाइन होंगे। अभी तो कैमिकल बेस पर ही स्टडी हो रही है, न्यू एड टेक्नोलॉजी शुरू करेंगे। बायो फार्मा पर भी काम करेंगे।

दिल्ली के बनखंडी महादेव बन गए छोटी काशी के बाबा भूतनाथ

मंडी। बाबा भूतनाथ मठ मंदिर छोटी काशी मंडी में मक्खन शृंगार के तीसरे दिन स्वयंभू शिवलिंग पर दिल्ली स्थित बनखंडी महादेव के दर्शन हुए। महंत देवानंद सरस्वती ने बताया कि बनखंडी मंदिर शिवभक्तों की आस्था का प्रमुख केंद्र है, जोकि पुरानी दिल्ली के प्रमुख शिव मंदिरों में से एक है। वनवास के दौरान पांडवों ने यहां भगवान शंकर की पूजा की थी। तब यह क्षेत्र जंगल हुआ करता था। वर्तमान में बनारस के पंचदश जूनागढ़ अखाड़ा संस्था की ओर से मंदिर की व्यवस्था देखी जा रही है। मान्यता है कि प्राचीनकाल में बनखंडी महाराज ने यहां पूजा-अर्चना की थी, तभी से इस क्षेत्र का नाम बनखंडी पड़ा था।

न्यूज शॉर्ट्स

मुंबई में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास को उड़ाने की धमकी

मुंबई। मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कांप्लेक्स इलाके में स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद सुरक्षा बढ़ा दी है। ई-मेल में कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को तुरंत सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए, नहीं तो मैं हर अमेरिकी दूतावास को उड़ा दूंगा। ई-मेल भेजने वाले ने खुद को अमेरिकी नागरिक बताया है। पुलिस ई-मेल भेजने वाले व्यक्ति का विवरण जुटा रही है।

बाल शोषण क्षमा मामले में हंगरी की राष्ट्रपति का इस्तीफा

बुडापेस्ट। हंगरी की राष्ट्रपति कातालिन नोवाक ने बाल शोषण क्षमा मामले में पद से इस्तीफा दे दिया है। नोवाक ने एक चैनल में कहा कि मैं आपको आखिरी बार राष्ट्रपति के रूप में संबोधित कर रही हूं, मैं गणतंत्र के राष्ट्रपति के पद से इस्तीफा देती हूं।' उन्होंने कहा कि मैं उन लोगों से माफी मांगती हूं, जिनको मैंने ठेस पहुंचाई है और उन सभी पीड़ितों से, जिन्होंने महसूस किया होगा कि मैं उनके साथ नहीं खड़ी हूं।

टॉप स्टोरीज

परफ्यूम उद्योग अग्निकांडः दसवें दिन मिले दो और शव, शिनाख्त मुश्किल ...पेज 3
छोटी काशी मंडी के पारुल ने अयोध्या में भेंट किया टांकरी लिपि में हस्तलेख ...पेज 3
दिल्ली कूच पर अड़े किसान पंजाब-हरियाणा बॉर्डर सील ...पेज 7

मध्य प्रदेश के झाबुआ में जनजातीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर साधा निशाना

कांग्रेस की 2023 में हुई छुट्टी 2024 में सफाया तय: मोदी

एजेंसी, झाबुआ (मप्र.)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस जब सत्ता में होती है तो लूट करती है, जब सत्ता से बाहर होती है तो लोगों को लड़वाती है। लूट और फूट ही कांग्रेस की ऑक्सीजन है। यह बात पीएम मोदी ने रविवार को मध्य प्रदेश के झाबुआ में जनजातीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही।

370 सीटें ला रही भाजपा

कांग्रेस के अंदरखाने में मची है हलचल

उन्होंने दावा करते हुए कहा कि भाजपा अकेले 370 सीटें ला रही है। 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की छुट्टी हुई थी, 2024 के लोकसभा चुनाव में सफाया तय है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के नतीजों से आप पहले ही बता चुके हैं कि लोकसभा चुनाव के लिए आपका मूड क्या रहने वाला है, इसलिए इस बार विपक्ष के बड़े-बड़े नेता पहले से ही कहने लगे हैं कि 2024 में 400 पार, फिर एक बार मोदी सरकार।

इससे पहले प्रधानमंत्री ने सभास्थल पर रथ पर सवार होकर लोगों का अभिवादन किया। उन्होंने 7550 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी।

मध्यप्रदेश के झाबुआ में लोगों का अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

पाप के दलदल में फंसी कांग्रेस

पीएम मोदी ने कहा कि सुना है कि इन दिनों मध्य प्रदेश कांग्रेस में अंदरखाने खूब भगदड़ मची हुई है। जनता की उपेक्षा करने वालों का यही हश्र होता है। कांग्रेस अब अपने पापों के दलदल में फंस चुकी है, जितनी भी कोशिश करेगी उतना ही और धंसेगी।

जनजातीय समाज वोट बैंक नहीं, देश का गौरव

पीएम मोदी ने कहा कि जनजातीय समाज हमारे लिए वोट बैंक नहीं है। यह देश का गौरव है। आपके बच्चों के सपने मोदी का संकल्प है और आपका सम्मान और विकास मोदी की गारंटी है। मोदी ने कहा कि जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था, तब गांव-गांव में जाकर कहता था कि मुझे भिक्षा में वचन दो कि आप अपनी बेटी को पढ़ाओगे।

चुनाव प्रचार के लिए नहीं, जनता के आभार के लिए आया हूं

पीएम मोदी ने कहा कि यहां आपके बीच आने से पहले मैंने देखा कि मेरी इस यात्रा को लेकर खूब चर्चाएं हो रही हैं। कुछ लोग कह रहे हैं कि मोदी मध्य प्रदेश में झाबुआ से लोकसभा की लड़ाई का आगाज करेगा। उन्होंने कहा कि मैं बताना चाहता हूं कि मोदी लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए नहीं आया है। मोदी तो सेवक के तौर पर ईश्वर रूपी एमपी की जनता-जनार्दन का आभार करने आया है।

बिलासपुर एम्स के छात्र ने हॉस्टल से लगाई छलांग, मौत

पुलिस को युवक के पास से मिला सुसाइड नोट

पहला मामला सामने आने से उठे कई सवाल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर एम्स में रविवार को एमबीबीएस के छात्र ने हॉस्टल की तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। छात्र को तुरंत आपातकाल कक्ष एम्स में लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, रविवार दोपहर को एमबीबीएस द्वितीय वर्ष का छात्र अपने हॉस्टल की तीसरी मंजिल में गया और वहां से छलांग लगा दी। जांच के दौरान युवक के पास से सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि मृतक युवक के परिजनों को सूचना दे दी है।

बिलासपुर एम्स में पहली बार सुसाइड का मामला सामने आया है। एक तरफ एम्स लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देने में लगा हुआ है, तो दूसरी तरफ ऐसी घटना होने से एम्स की कार्यप्रणाली पर कई प्रश्न खड़े हो रहे हैं। इस संदर्भ में एम्स प्रबंधन ने कुछ भी कहने से मना कर दिया।

मध्यप्रदेश का रहने वाला था युवक

मृतक युवक की पहचान परीक्षित (21) निवासी इंदौर मध्य प्रदेश के रूप में हुई है। युवक बिलासपुर एम्स में एमबीबीएस कर रहा था और द्वितीय वर्ष का छात्र था।

बिलासपुर एम्स के एमबीबीएस छात्र की मौत की जानकारी मिली है। पुलिस को सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। पुलिस सारे मामले की जांच कर रही है।
-शिव कुमार चौधरी एएसपी, बिलासपुर।

ऑस्ट्रेलिया बना अंडर-19 वर्ल्ड कप विजेता

भारतीय टीम नहीं बना सकी 254 रन

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप जीत लिया है। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी कर 50 ओवर में सात विकेट खोकर 253 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत सही नहीं हुई और लगातार विकेट गिरते रहे। 43.5 ओवर में भारत 10 विकेट खोकर सिर्फ 174 रन ही बना सका।

बजट सत्र में किसानों के लिए योजनाएं लाएगी सरकार : सुक्खू

पीटरहॉफ में दुग्ध उत्पादकों के साथ किया सीधा संवाद, बोले- दूध उत्पादकों को कर में रियायत देने पर होगा विचार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि आगामी बजट में किसानों की आय को बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार नई योजनाएं लाएगी। किसानों की समस्याओं को देखते हुए उनकी आय बढ़ाने के लिए भरपूर प्रयास किए जाएंगे। यह बात सीएम सुक्खू ने रविवार को पीटरहॉफ में प्रदेश के दुग्ध उत्पादकों के साथ संवाद में कही।

उन्होंने कहा कि सरकार कृषि को उद्योग के रूप में प्रोत्साहित कर रही है, ताकि किसानों को सामर्थ्यवान एवं स्वावलंबी बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि हमारा प्रदेश ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर निर्भर है, जिसमें कृषि व दुग्ध उत्पादन की महत्वपूर्ण भूमिका है। किसानों के हाथ में पैसा पहुंचे, उसके लिए नीतियों व नियमों में मूलभूत परिवर्तन किए जा रहे हैं। राज्य सरकार जनसहयोग से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रही है और कृषि में क्रांतिकारी परिवर्तन के दृष्टिगत पशुपालन को विशेष रूप से बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। सुक्खू ने कहा कि हिमाचल में दूध की गुणवत्ता बेहतर है और इसमें और सुधार करते हुए बेहतर विपणन व्यवस्था से जोड़कर किसानों की आय में आशातीत बढ़ोतरी की जा सकती है।

दुग्ध उत्पादकों को संबोधित करते मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू।

बोले- दूध खरीद के मूल्य में छह रुपए की बढ़ोतरी से आय में होगा इजाफा

सीएम ने कहा कि दूध खरीद के मूल्य में छह रुपए की बढ़ोतरी राज्य सरकार की ओर से पशुपालकों को निश्चित आय का आश्वासन है और इससे वे दुग्ध उत्पादन के लिए प्रोत्साहित होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार दूध उत्पादकों को कर में रियायत देने पर भी विचार करेगी। मुख्यमंत्री ने किसानों के साथ व्यापक चर्चा की। उन्होंने किसानों व अन्य हितधारकों से मिले सुझावों को सरकार की नीति में शामिल करने का आश्वासन दिया। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने मिल्कफेड की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर सचिव कृषि राकेश कंवर, मिल्कफेड के प्रबंधक निदेशक डॉ. विकास सूद, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार राम सुभग सिंह, कांग्रेस नेता चेतराम ठाकुर आदि उपस्थित रहे।

बकरी और पहाड़ी गाय के दूध पर हो रहा अध्ययन

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से प्रदेश की दुग्ध आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए दूध खरीद मूल्य को लागत मूल्य के आधार पर देने के लिए 'हिम गंगा योजना' की शुरुआत इस वित्त वर्ष से कर दी गई है, जिसके लिए 500 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया है। कांगड़ा जिले के ढगवार में एक लाख 50 हजार लीटर प्रतिदिन की क्षमता का दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित किया जाएगा, जिसकी क्षमता तीन लाख लीटर प्रतिदिन तक बढ़ाई जा सकती है। यह संयंत्र पूरी तरह से स्वचालित होगा, जिस पर अनुमानित 226 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बकरी के दूध और पहाड़ी गाय के दूध की खूबियों का भी अध्ययन किया जा रहा है।

गुड न्यूज राज्य परिवहन विभाग ने छह स्थानों से श्रीराम मंदिर को बसें चलाने के लिए दी अनुमति

हिमाचल से अयोध्या को बस चलाने के रूट अप्रूव

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम अयोध्या श्रीराम मंदिर के लिए छह स्थानों से सीधी बस सेवा शुरू करेगा। एचआरटीसी ने राज्य परिवहन विभाग के पास रूट के लिए आवेदन किया था। शिमला, ऊना, नालागढ़, मनाली, हमीरपुर, धर्मशाला से बस चलाने की मंजूरी मांगी थी। राज्य परिवहन विभाग ने ये रूट अप्रूव कर दिए हैं।

अब अंतिम मंजूरी के लिए फाइल यूपी सरकार के परिवहन विभाग को भेजी गई है। मंजूरी आने के बाद बस सेवा शुरू कर दी जाएगी। राज्य परिवहन विभाग से रूट की मंजूरी मिलने के बाद एचआरटीसी ने बस चलाने के लिए अन्य औपचारिकताएं पूरी कर दी हैं। हिमाचल पथ परिवहन निगम में शामिल बीएस-6 सीरीज की नई बसों को अयोध्या के लिए चलाया जाएगा। इसके लिए अनुभवी चालक और परिचालकों को बस में तैनात करने के लिए व्यवस्था शुरू कर दी है। इतने लंबे रूट पर चालक के साथ रिलिवर भी चाहिए, इसलिए अतिरिक्त चालक भेजने को लेकर भी तैयारी की जा रही है।

उपमुख्यमंत्री ने की थी बस चलाने की घोषणा

उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने एचआरटीसी की बसों को अयोध्या भेजने के लिए घोषणा की थी। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों की एक टीम अयोध्या भेजी थी। इस टीम ने अपनी रिपोर्ट निगम प्रबंधन को सौंप दी है। पहाड़ों की राजधानी शिमला से अयोध्या के कुल दूरी 1124 किलोमीटर है। जिस रूट पर बसें चलाई जाएंगी, वह निगम प्रबंधन की ओर से तय किए हैं।

तय दिनों में बसें चलाने की योजना

एचआरटीसी प्रबंधन ने अयोध्या के लिए बसें चलाने को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार को पत्र लिखा है। बसें चलाने के लिए परमिट के लिए आवेदन कर दिया है। बस को रोजाना न चलाकर तय दिनों पर चलाने की योजना है।

लखनऊ-बाराबंकी एक्सप्रेस-वे से अयोध्या जाने की तैयारी

एचआरटीसी प्रबंधन के अनुसार, दिल्ली से अयोध्या तक दो एक्सप्रेस-वे से होकर बस चलाई जा सकती हैं। दिल्ली से अयोध्या तक दो एक्सप्रेस-वे आगरा व लखनऊ एक्सप्रेस-वे हैं और और लखनऊ से बाराबंकी से अयोध्या के लिए बेहतर सड़क सुविधा से होकर बस चल सकती है।

हिमाचल में अभी भी 130 सड़कें और 62 बिजली ट्रांसफार्मर ठप

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश में 10 दिन पहले हुई भारी बर्फबारी से अभी भी 130 सड़कें बहाल नहीं हो पाई हैं। तीन नेशनल हाई-वे भी ठप हैं। वहीं, 62 बिजली ट्रांसफार्मर खराब पड़े हैं। हिमपात से बिजली लाइनों को भारी क्षति पहुंची है।

प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में एक हफ्ते से मौसम खुशगवार बना हुआ है। बंद सड़कों को बहाल करने के लिए नेशनल हाई-वे अथॉरिटी और पीडब्ल्यूडी ने मशीनरी लगाई हैं। बर्फ से ढके दूरदराज के इलाकों में सड़कें खुलने में समय लग सकता है।

लाहौल-स्पीति में सबसे अधिक 68 सड़कें बंद

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र शिमला के मुताबिक, जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति में सबसे अधिक 68 सड़कें बाधित हैं। कुल्लू जिले में 25, मंडी जिले में 14, चंबा में 13 और शिमला में नौ सड़कें बंद हैं। लाहौल-स्पीति और कुल्लू जिले में दो-दो नेशनल हाई-वे पर वाहनों की आवाजाही ठप है। मनाली डिवीजन में 33 और चंबा जिले के पांगी में सात, सलूणी में पांच, तीसा में तीन और भरमौर व चंबा डिवीजन में दो-दो ट्रांसफार्मर खराब हैं।

न्यूनतम तापमान

कुकुमसेरी	-11.3 डिग्री
समदो	-8 डिग्री
कल्पा	- 0.8 डिग्री
मनाली	-0.2 डिग्री
शिमला	5.6 डिग्री
भुंतर	1.4 डिग्री
धर्मशाला	6.2 डिग्री
पालमपुर	3.2 डिग्री
कांगड़ा	4.4 डिग्री
चंबा	3.7 डिग्री
कुफरी	2.3 डिग्री
नारकंडा	1 डिग्री
भरमौर	2.6 डिग्री
देहरा गोपीपुर	8 डिग्री

न्यूज ब्रीफ

315 लोगों की आंखों का किया चेकअप

पालमपुर। पालमपुर रोटरी आई फाऊंडेशन की टीम द्वारा शनिवार को फतेहपुर, सेहल में निशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया। इसमें कुल 315 मरीजों की जांच की गई। पंचायत प्रधान ने इस नेक कार्य के लिए निदेशक रोटरी आई हॉस्पिटल मारंडा केजी बुटेल का धन्यवाद किया और भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित करने का अनुरोध किया। डॉ. सांझी अग्रवाल, प्रमुख ऑप्टोमेट्रिस्ट तथा संदीप जैन ने शिविर में अपनी सेवाएं दी तथा कैम्प में जरूरतमंद मरीजों को निशुल्क दवाएं भी वितरित की।

लोगों को बताई सरकार की योजनाएं

गांव चलो अभियान के तहत कार्यक्रम में मौजूद कार्यकर्ता।

जयसिंहपुर। गांव चलो अभियान के अंतर्गत रविवार को जयसिंहपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बूथ नंबर-69 अंदराना गांव में रविवार को भाजयुमो जयसिंहपुर के युवा अध्यक्ष शिवा कटोच ने गांव चलो अभियान के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन कल्याणकारी योजनाओं को विस्तृत रूप से बूथ कार्यकर्ताओं के मध्य रखा। कार्यक्रम के दौरान लोगों में पीएम मोदी को पुनः प्रधानमंत्री बनाने का उत्साह देखने को मिला। इसके साथ प्रभावशाली व्यक्तियों एवं मतदाताओं के साथ भी आने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर चर्चा की गई। इस अवसर पर भाजपा मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बिहारी लाल शुक्ला, बूथ अध्यक्ष रवि कुमार, बीएलए पृथ्वी राज शर्मा समेत अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हारसी में हुआ 'गांव चलो अभियान कार्यक्रम'

जयसिंहपुर। रविवार को भाजपा मंडल जयसिंहपुर के मंडल उपाध्यक्ष नवीन कटोच की अध्यक्षता में गांव चलो अभियान कार्यक्रम के दौरान हारसी गांव के वार्ड नंबर-दो के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में बूथ 109, 110 से बूथ अध्यक्ष, बूथ पालक, महिला मोर्चा कार्यकर्ता, युवा मोर्चा कार्यकर्ता के साथ परस राम, मोहिंद्र राणा, सुरेश धीमान, विनोद कुमार, देशराज धीमान, मनजीत राणा, मदन राणा, सुरेंद्र कुमार, विनय धीमान व अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मंदिर को दिए चार बेंच और तीन सोलर लाइटें

गगल। गांव इच्छी का एक प्रतिनिधिमंडल रविवार को कांगड़ा के विधायक पवन काजल से मिला और उन्हें अपनी समस्या से अवगत करवाया। इस अवसर पर मंदिर कमेटी के अध्यक्ष विजय कुमार सैनी ने अपनी मांगे बताते हुए कहा कि मंदिर के लिए चार बैंच तीन सोलर लाइटें एक हैंड पंप और गांव में बने रास्ते के लिए चार पुलियों की डिमांड रखी जो विधायक ने तुरंत स्वीकार की और कुछ अधिकारियों को तुरंत ऑर्डर भी कर दिए। इस अवसर पर गांववासी गुरलाल, मदन लाल, विजय कुमार, सन्नी सैनी, रसमा सैनी, मुनिशा सैनी, रमेश कुमार, कश्मीरी लाल, काका, विकास सैनी, मोहित सैनी, विक्की सैनी सहित कई सदस्य विधायक पवन काजल से मिले।

विपिन परमार ने घेरी कांग्रेस सरकार

धर्मशाला। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विपिन सिंह परमार ने कहा कि केंद्र में कांग्रेस पार्टी आज लोकतंत्र में अच्छे विपक्ष की भूमिका में भी खरा नहीं उतर पा रहा है। उन्होंने कहा कि आखिर कांग्रेस राहुल गांधी को लांच करने में अपनी सारी एनर्जी लगा रही है। इसके लिए देश की सभी पार्टियों तक का सहारा लिया जा रहा है। विधायक विपिन सिंह परमार ने कहा कि कांग्रेस देश को जोड़ने की बात कहकर यात्रा कर रही है, जबकि हर तरफ बात देश को तोड़ने की हो रही है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले प्रदेश कांग्रेस ने राज्य की भोली-भाली जनता को दस झूठी गारंटियों में फंसाया और प्रदेश में कपटता, फरेब से सत्ता हासिल कर ली। पूरे देश में कांग्रेस ने हर राज्य में झूठी गारंटियां दी, उसी तर्ज पर विधानसभा चुनावों से पहले हिमाचल प्रदेश में भी झूठी दस गारंटियां दी और सत्ता हासिल की।

लोसर पर आज परोसी जाएगी हिमाचली धाम

मैक्लोडगंज। बौद्ध नगरी मैक्लोडगंज में लोसर का दूसरा दिन निर्वासित तिब्बतियों ने नाच-गाकर मनाया। चुगलाखंग मुख्य बौद्ध मंदिर के साथ लगते मठ में निर्वासित तिब्बतियों ने पूजा में हिस्सा लिया। इस दौरान सुख-समृद्धि और विश्व कल्याण की कामना की गई। निर्वासित तिब्बतियों द्वारा लोसर के दूसरा दिन नाच गाकर नववर्ष का जश्न मनाया गया। इस दौरान मंदिर में तिब्बती समुदाय के लोगों सहित देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों ने भी पूजा में सुख-समृद्धि, विश्व कल्याण की कामना की। इसके साथ ही बौद्ध कैलेंडर के मुताबिक लोसर पर्व यान नए वर्ष पर सोमवार को मुख्य बौद्ध मंदिर मैक्लोडगंज में एक निजी संस्था की ओर से हिमाचली धाम का आयोजन किया गया है।

पालमपुर में आज सजेगा ईट राइट मिलेट्स मेला

धर्मशाला। पौष्टिक आहार विशेषतौर पर मोटे अनाज के उपयोग के लिए लोगों को प्रेरित किया जाएगा इस के लिए जिला स्तरीय ईट राइट मिलेट्स मेले का आयोजन पालमपुर के शहीद कैप्टन विक्रम बतरा पुलिस में 12 फरवरी को किया जाएगा। मेले की तैयारियों की तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। अतिरिक्त उपायुक्त सौरभ जस्सल ने बताया कि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य सुरक्षा एवं विनियम विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित किए जा रहे ईट राइट मिलेट्स मेले में मुख्य संसदीय सचिव आशीष बुटेल मुख्यातिथि होंगे जबकि उपयुक्त हेमराज बैरवा बतोर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहेंगे। वहीं, मेले में विभिन्न स्वयं सहायता समूहों द्वारा मिलेट्स के उत्पादों की प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, मिलेट्स उत्पादों पर आधारित शैफ प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। मिलेट्स या मोटा अनाज को सुपर फूड कह सकते हैं। इसमें खास सेहतमंद गुण होते हैं। पोषक तत्वों से भरपूर मोटे अनाज के अंतर्गत आठ फसलें शामिल हैं। इसमें ज्वार, बाजरा, रागी, सावां, कंगनी, चीना, कोदो, कुटकी और कुट्टू को मोटा अनाज की फसल कहा जाता है।

कूड़ा-कर्कट से मुक्त होगी सबसे बड़ी नगर पंचायत

बैजनाथ-पपरोला के बुरली कोठी में सीपीएस किशोरी लाल ने किया कूड़ा निष्पादन संयंत्र व बाल वाटिका का शिलान्यास, लोगों को जल्द मिलेगी सुविधा

जितेंद्र कौशल, बैजनाथ

प्रदेश की सबसे बड़ी नगर पंचायत बैजनाथ-पपरोला अब कूड़ा-कर्कट से मुक्त होगी। यहां कूड़े के निष्पादन के स्थायी समाधान के लिए डेढ़ करोड़ से संयंत्र स्थापित किया जा रहा है। मुख्य संसदीय सचिव, पशुपालन, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, किशोरी लाल ने रविवार को नगर पंचायत के वार्ड नंबर-नौ बुरली कोठी में ठोस अपशिष्ट संयंत्र केंद्र एवं बाल वाटिका के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।

उन्होंने कहा कि कूड़ा निष्पादन हर क्षेत्र के लिए विकराल समस्या है और प्रदेश सरकार कूड़े के वैज्ञानिक निष्पादन के लिए गंभीरता से प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से बैजनाथ पपरोला क्षेत्र में भी कूड़े के स्थायी निष्पादन के लिए आधुनिक संयंत्र स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि माननीय उच्च न्यायालय के आदेशानुसार और लोगों के सजग सहयोग से प्रदेश सरकार ने बैजनाथ पपरोला क्षेत्र में कूड़ा निष्पादन संयंत्र स्थापित करने के लिए करीब पौने दो करोड़ रुपए जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि आधुनिक कूड़ा निष्पादन संयंत्र के लिए डेढ़ करोड़ और बाल वाटिका के लिये 25 लाख जारी किए गए हैं।

कूड़ा संयंत्र का शिलान्याय करते सीपीएस किशोरी लाल।

उन्होंने कहा कि इसके उपरांत इसी स्थान यहां काम करने वाले कर्मियों के लिए आवास इत्यादि का निर्माण भी किया जाएगा। वहीं, उन्होंने कहा कि बैजनाथ विधान सभा क्षेत्र में जनाकांक्षाओं और क्षेत्र की मांग के अनुरूप विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बैजनाथ हलके के समग्र और संतुलित विकास से मॉडल विधान सभा क्षेत्र बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर एससी सेल उपाध्यक्ष रविंद्र बिट्टू , एसडीएम बैजनाथ देवी चंद ठाकुर, नगर पंचायत अध्यक्ष बैजनाथ पपरोला कांता देवी, उपाध्यक्ष बेदना कुमारी, ब्लॉक अध्यक्ष वीरेंद्र जम्वाल, युवा अध्यक्ष रविंद्र राव, कृष्ण शर्मा, अशोक सुग्गा, सतीश मेहरा, सचिन शर्मा, सुरेंद्र कुमार, कुलदीप सोनी, शांति कोल, पुष्पेंद्र कोल, रमेश चड्ढा, शशी राणा, गुलाब राणा, सचिव नगर पंचायत आदित्य चौहान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। (अनंत ज्ञान)

सीपीएस किशोरी लाल बोले-बैजनाथ की हर समस्या होगी हल

उन्होंने कहा कहा कि ठोस अपशिष्ट संयंत्र केंद्र का कार्य चरणबद्ध तरीके से पूर्ण किया जाएगा। इसमें पहले चरण में गीले कचरे के लिए शेड बनाया जाएगा। इसमें खाद बनाने के लिए मशीन लगाई जाएगी। दूसरे और तीसरे चरण में सूखे कचरे शेड का निर्माण होगा। इसके अतिरिक्त बाल वाटिका का निर्माण किया जाएगा। सीपीएस ने कहा कि बैजनाथ हलके में लोगों की सुविधा के लिए आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करना उनकी प्राथमिकताओं में है।

कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा, लोगों ने समस्या का हल करने की उठाई मांग

इक्कू खड्ड पर बनी पुलिया बीच से टूटी

कपिल पंडित, धर्मशाला

धर्मशाला विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत कंड करडियाणा और टिकरी पंचायत को जोड़ने वाली पुलिया की खस्ता हालत किसी बड़ी दुर्घटना को न्यौता दे रही है। इस पुलिया से गुजरने वाले लोगों के हालात ऐसे होते हैं, जैसे नजर हटी दुर्घटना घटी। इक्कू खड्ड पर बनी यह पुलिया बीच से टूट गई है और इसमें एक बड़ा छेद पड़ गया है। इस पुलिया से रोजाना करीब 150 लोग गुजरते हैं।

इसमें स्कूली बच्चे भी शामिल हैं। पुलिया के छेद को बंद करने के लिए स्थानीय लोगों ने अस्थायी व्यवस्था के तौर पर पत्थरों से बंद किया है, लेकिन फिर भी हादसा होने का अंदेशा बना रहता है। स्कूल बच्चों को इस पुल से गुजरते समय अधिक समस्या का सामना करना पड़ता है। पुलिया से रोजना गुजरने वाले लोगों और स्थानीय लोग सुनील कुमार, अमर सिंह, ओंकार सिंह, प्रेम चंद, मनोहर लाल, स्वरूप कुमार, रवि कुमार, कुसुमा देवी, गिलमो देवी, शिल्पा देवी, मधुवाला, राजेश कुमार, सपना देवी, भजन लाल और शीला देवी आदि ने बताया कि पुलिया को टूटे हुए एक साल से अधिक हो गया है। यहां से रोजाना गुजरने के दौरान दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। लोगों ने बताया कि यह पैदल चलने योग्य पुलिया यहां के लोगों के लिए एक मात्र रास्ता है। लोगों का कहना है कि इस समस्या के विषय में उन्होंने स्थानीय पंचायत एवं संबंधित विभाग के समक्ष रखा है लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। लोगों को आरोप है कि पंचायत प्रतिनिधि और संबंधित विभाग किसी बड़े हादसे के इंतजार में हैं। लोगों का कहना है कि इस पुलिया को रिपेयर कर दिया जाए तो समस्या का समाधान हो जाएगा। (अनंत ज्ञान)

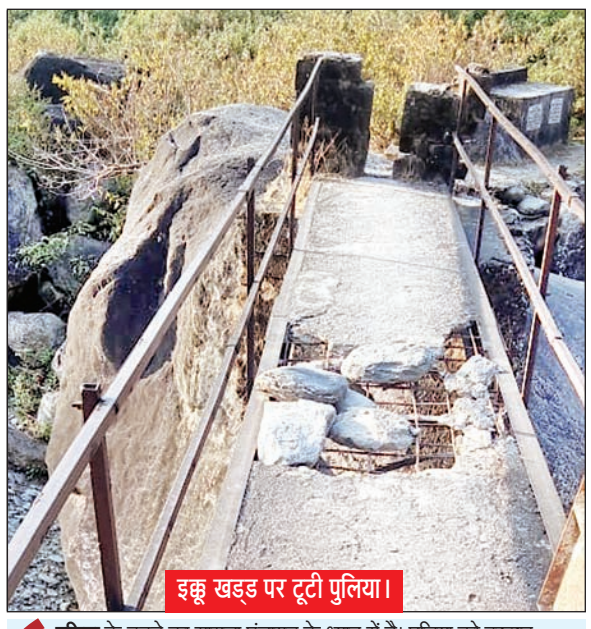

इक्कू खड्ड पर टूटी पुलिया।

पुलिया के टूटने का मामला पंचायत के ध्यान में है। पुलिया को दुरुस्त करने का कार्य मनरेगा के तहत डाल दिया गया है और जिलाधीश कांगड़ा के भी ध्यानार्थ है। इस कार्य को पूरा करने के लिए जैसा ही पैसा मंजूर होता है, इसे पूरा कर दिया जाएगा।

-सरला देवी, पंचायत प्रधान, कंड करडियाणा।

गांव नक्की खड्ड पर पहले पुल बनाओ, फिर मिलेंगे वोट

अनंत ज्ञान, गरली

गरली के निकटवर्ती गांव नक्की खड्ड पर पुल बनाने के लिए क्षेत्र भर के ग्रामीण अब एकजुट हो चुके है यहां लंबे समय से परेशानी का दशं झेल रहे गरली परागपुर मूही व बणी के ग्रामीणों ने सरकार को दो टूक ऐलान करते हुए कहा है कि अगर अगामी लोकसभा चुनावों से पहले उपरोक्त पुल बनाने पर कोई कार्रवाई न हुई तो मजबूरन समस्त ग्रामीण लोकसभा चुनावों में मतदान का बहिष्कार करेंगे। जबकि इस बारे पचायत प्रधान परागपुर मदन गोपाल, प्रधान सुभाष चंद शर्मा मूहीं व अन्य लोगों ने पंचायत ने प्रस्ताव पारित कर माननीय विधायक बिक्रम सिह ठाकुर को प्रतिलिपि भेज कर तुरंत कार्रवाई की मांग उठाई है। वहीं, इस बारे भाजपा प्रवक्ता एवं पूर्व में रहे जसवां परागपुर भाजपा मंडल अध्यक्ष विनोद शर्मा ने कहा कि लोगों की मांग जायज है और इस बारे पूर्व मंत्री बिक्रम सिह ठाकुर से बात करके समस्या हल किया जाएगा।

सफेदे का पेड़ दे रहा हादसे को न्योता

योल। श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम पदर पंचायत बड़ोई में एक असुरक्षित सफेदे का पेड़ घटनाओं को न्योता दे रहा है। यह पेड़ जरा सी आंधी तूफान चलने से इसकी जो टहनियां है वह आए दिन यहां से गुजरने वाले लोगों पर गाड़ियों में गिरती रहती है। इसके कारण कोई भी बड़ा हादसा यहां पर किसी भी समय हो सकता है, हैरानी की बात यह है कि यहां पर इतना व्यस्त चौक होने के कारण और साथ में एक आंगनबाड़ी, सीनियर हायर सेकेंडरी स्कूल, प्राइमरी स्कूल और हॉस्पिटल एक प्राइवेट स्कूल सभी को आने जाने के लिए यही एक रास्ता है। लोगों ने प्रशासन से मांग की जल्द इस समस्या का हल किया जाए। पदर पंचायत के उपप्रधान बॉबी गोस्वामी का कहना है कि अगर भविष्य में कोई भी हादसा या कोई जान माल का नुकसान किसी को होता है तो उसकी जिम्मेदारी स्थानीय प्रशासन और विभाग की होगी।

आटा चक्की के पट्टे की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत

अनंत ज्ञान, डाडासीबा

जसवां परागपुर के अंतर्गत पड़ते घाटी बिलवां में रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसा प्रकाश में आया है। इसमें पंचायत के पूर्व में रहे वार्ड पंच शेर सिंह पुत्र राम दत्ता आटे की चक्की के पट्टे में चपेट में आने से दुखद मृत्यु होने की सूचना प्रकाश में आई है।

बताते चलें 80 वर्षीय शेर सिंह पिछले काफी समय अपनी आटा चक्की चलाते थे। उनके छोटे बेटे रूप लाल के अनुसार उनके पिता रोज की तरह सुबह चक्की पर काम कर रहे थे और इसी बीच वह पटे की चपेट में आ गए। माना जा रहा है कि पहले उनकी टांग पटे में फंसी फिर इसके बाद वह उसमें उलझ गए।

इससे उनके सर पर गहरी चोट आई कुछ देर में उनकी जान चली गई। बरहाल इस बाबत उनके परिवार को इस घटना की कोई सूचना नहीं दी है। रविवार दोपहर स्थानीय श्मशानघाट पर उनका संस्कार कर दिया जाएगा।

जिलाधीश और एसडीएम ने एयरपोर्ट की जद में आने वाले गांवों का किया निरीक्षण

अनंत ज्ञान, गग्गल

एयरपोर्ट विस्तार की रूपरेखा को तैयार करने के बाद रविवार को जिलाधीश हेमराज बैरवा, एसडीएम इशांत जसवाल, तहसीलदार मोहित रतन ने एयरपोर्ट के ऊपर बनाई गई रूपरेखा को लैपटॉप की सहायता से देखा गया।

इस सारे परिक्रमा को गगल के नजदीक होटल नीविया के ऊपर बनी टेरिस पर चढ़कर एयरपोर्ट की पट्टी को देखते हुए उसका निरीक्षण किया। उन्होंने लैपटॉप की मदद से एयरपोर्ट के नक्शे राच्यालु, कियोडिया, कुठमां, सनौरा, जुगेहड़, वेदी, गग्गल, सहोड़ा, इच्छी, मुगरेहड़, बरस्वलकड़ आदि को लैपटॉप पर बने नक्शे से टैली किया। इस अवसर पर डीसी हेमराज व एसडीएम इशांत जसवाल ने इच्छी के गांववासी विजय सैनी, रमेश सैनी, ओंकार सैनी, कश्मीरी लाल, गुरलाल, मदन सैनी, सुरजीत कुमार आदि विस्थापित लोगों के साथ बैठकर बातचीत की और उन्हें भरोसा दिलाया के इस मामले में सरकार हर संभव आपकी सहायता करेगी।

होटल की छत से गांवों का निरीक्षण करते अधिकारी।

इंदु गोस्वामी को दी सांत्वना

नगरोटा बगवां। एंटी टेरेरिस्ट फ्रंट के जिलाध्यक्ष बलविंद्र सिंह बबलू ने रविवार को राज्यसभा सांसद इंदु गोस्वामी को उनके घर जाकर सांत्वना दी। हाल ही में सांसद इंदु गोस्वामी के पिता का निधन हो गया था। एंटी टेरेरिस्ट फ्रंट के अध्यक्ष बलविंद्र सिंह बबलू ने कहा कि घर के किसी सदस्य का बिछड़ना अति पीड़ादायक होता है। एंटी टेरेरिस्ट फ्रंट के जिलाध्यक्ष बलविंद्र सिंह बबलू नगरोटा बगवां की सद्दू पंचायत के रहने वाले हैं। वह क्षेत्र के नंबरदार और सहकारी सभा के प्रधान भी हैं।

करियाड़ा में नौकरी का झांसा देकर लूटे पैसे, पुलिस ने किया मामला दर्ज

अनंत ज्ञान, देहरा

बाहरी राज्यों की तर्ज पर अब देवभूमि हिमाचल में भी लुटेरों की कमी नहीं है। जिला हमीरपुर का एक शातिर अपने आपको आर्मी का बड़ा आफिसर बताकर बिरोजगार युवाओं को नौकरी दिलवाने के नाम पर लुटने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रहा है।

ताजा मामला उपमंडल देहरा के अंतर्गत गांव निचला करियाड़ा में सामने आया है। यहां एक 19 वर्षीय युवक, जिसने आईटीआई से फिटर का डिप्लोमा किया है। उसे यह कह कर अपने झांसे में ले लिया कि हमारे आर्मी में एक आईटीआई होल्डर फिटर इलेक्ट्रीशन वाटर कैरियर की पोस्ट खाली है। इस पर उसने कहा कि इसके लिए कुछ फार्म आदि की भरना पड़ेगा। इसके लिए आपको मेरे बैंक अकाउंट में कुछ नकद राशि भेजना पड़ेगी। लिहाजा उपरोक्त नटवर लाल शातिर ने यहां करियाड़ा के साथ लगते मूहल, देहरिया, सपड़ी कुंदली हार आदि इलाकों में अपनी पहचान बताकर उसे अपने विश्वास में लिया और इस पर उपरोक्त बेरोजगार युवक से पैसे बैंक अकाउंट में जमा करवा दिए। जब यह मामला पुलिस थाना देहरा पहुंचा और पुलिस ने उसके मोबाइल लोकेशन से पता किया तो वहां लोगों से पता चला कि उपरोक्त ठग ऐसे कई युवाओं को अपने झांसे में लेकर पैसे लूट रहा है। डीएसपी देहरा अनिल कुमार ने खबर की पुष्टि की है।

पपरोला अस्पताल में मरीजों को मिलेगी हर सुविधा

अनंत ज्ञान, बैजनाथ

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं चिकित्सालय देश का उत्कृष्ट संस्थानों में शुमार है और इसे शीर्ष पर ले जाने के लिए सरकार हरसंभव सहयोग करेगी। राजीव गांधी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं चिकित्सालय पपरोला के स्पोर्ट्स और कल्चरल मीट के समापन कार्यक्रम में आयुष, युवा सेवाएं तथा खेल एवं कानून मंत्री यादविंद्र गोमा ने मुख्यातिथि के रूप में बोल रहे थे।

मंत्री ने कहा कि राजीव गांधी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं चिकित्सालय प्रदेश में एक मात्र संस्थान है और देश में शीर्ष संस्थान बनाने के लिए सरकार हर संभव सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि 200 बिस्तरों वाले इस संस्थान में मरीजों की सुविधा के लिए तीन वेंटिलेटर बेड उपलब्ध करवा दिए गए हैं और जरूरत के अनुसार इनकी उपलब्धता को बढ़ाया जाएगा। वहीं, उन्होंने पढ़ाई के स्ट्रेस को कम करने के लिए छात्रों की मांग पर संस्थान में इंडोर बैडमिंटन कोर्ट और जिम देने की घोषणा की। उन्होंने संस्थान की ओर आने वाली सड़क की टॉरिंग की भी घोषणा की। इससे पहले मुख्य संसदीय सचिव किशोरी लाल ने मुख्यातिथि का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि अस्पताल में यहां चिकित्सक तैयार होने के साथ-साथ विशेषज्ञ चिकित्सक भी तैयार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान की कायापलट मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और आयुष मंत्री, यादविंद्र गोमा करेंगे। उन्होंने आकर्षक कार्यक्रम के लिए 21 हजार देने की घोषणा की। वहीं, मंत्री गोमा ने कहा कि हर्ष की बात है कि प्रशिक्षु चिकित्सक पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों और खेलकूद प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। उन्होंने सभी छात्रों को मनमोहक संस्कृतिक प्रस्तुत करने की बधाई दी और प्रोत्साहन के रूप में 51 हजार देने की घोषणा की।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री यादविंद्र गोमा का स्वागत करते कार्यकर्ता।

रोज पब्लिक स्कूल में सजे मॉडल्स

नूरपुर। रोज पब्लिक स्कूल सुलयाली में स्टूडेंट्स लेड कान्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व विधायक नूरपुर अजय महाजन ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। इस कार्यक्रम के दौरान स्कूल के नर्सरी कक्षा से लेकर प्लस टू तक के बच्चों ने अलग-अलग विषयों पर मॉडल व एक्टिविटी तैयार करके प्रर्दशनी लगाई। लीड स्कूल और रोज पब्लिक स्कूल के द्वारा आयोजित। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में पढ़ाई के साथ-साथ उनका आत्मविश्वास बढ़ना है। मुख्यातिथि पूर्व नूरपुर विधायक अजय महाजन ने कहा कि आज मुझे रोज पब्लिक स्कूल में आने का मौका मिला मुझे बहुत अच्छा लगा।

सौगात कैबिनेट रैंक मंत्री आरएस बाली बोले-लोगों की डिमांड के अनुरूप विकास कार्यों को अमलीजामा पहनाया जाएगा

सेराथाना में बाली ने बुजुर्गों से करवाया पुल का लोकार्पण

अनंत ज्ञान, नगरोटा बगवां

हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष व पर्यटन विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष (कैबिनेट रैंक) आरएस बाली ने कहा कि सभी गांवों को चरणबद्ध तरीके के साथ सड़कों के साथ जोड़ा जाएगा, ताकि लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

रविवार को पर्यटन निगम के अध्यक्ष आरएस बाली ने सेराथाना में 50 लाख की लागत निर्मित पुल का लोकार्पण तथा 230 लाख की लागत से होने वाले मुमता से भदरेहड 1.800 किलोमीटर रोड का शिलान्यास गांव के बुजुर्गों से करवाया गया। गौरतलब है कि पर्यटन निगम के अध्यक्ष आरएस बाली ने नगरोटा विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों के उद्घाटन तथा शिलान्यास बुजुर्गों से करवाने का पहले ही निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि नगरोटा विस क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित किया जाएगा तथा लोगों की डिमांड के अनुरूप विकास कार्यों को अमलीजामा पहनाया जा रहा है। उन्होंने कह कि नगरोटा के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के साधन उपलब्ध करवाने के लिए भी तत्परता के साथ कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नगरोटा को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए कार्य योजना तैयार की गई है। पर्यटन विकास पर नगरोटा विस क्षेत्र में 300 करोड़ की राशि व्यय की जाएगी। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता बीएम ठाकुर, अधिशाषी अभियंता पीडब्ल्यूडी सुरेश वालिया, एसडीओ विवेक कालिया, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मान सिंह, महासचिव अरुण कटोच, महासचिव अजय सीपहिया, ओंकार, एनडी शर्मा, गगन, निर्मल, विद्यासागर और ग्रामीण कुलदीप, संतोष, सुमित्र मसौदे मौजूद रहे।

शिलान्यास के दौरान कार्यकर्ताओं के साथ आएस बाली।

विजय मेमोरियल स्कूल में 111 फुट तिरंगे का किया ध्वजारोहण

अनंत ज्ञान, इंदौरा

विजय मेमोरियल स्कूल इंदौरा में संपूर्ण समुदाय के सामूहिक एकता और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विद्यालय के परिसर में राष्ट्रीय ध्वजारोहण समारोह का शुभारंभ किया गया। मुख्यातिथि मेजर जनरल एस के खजुरिया (रि) एवं मलेंद्र राजन विधायक के द्वारा हिमाचल प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थानों में सबसे ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज का लोकार्पण किया गया। मुख्यातिथि ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को फहराकर राष्ट्रीय गान के साथ सलामी देकर सम्मान देते हुए विद्यार्थियों को निरंतर आगे बढ़ते रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर स्कूल के डायरेक्टर इंजीनियर सचिन शर्मा ने बताया कि हिमाचल प्रदेश के सभी स्कूलों में सबसे ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज लगाने का सपना उनके पिताजी प्रेसिडेंट अवॉर्ड विनर विजय शर्मा ने देखा था। जो रविवार को 111 फुट तिरंगे के विजय मेमोरियल स्कूल इंदौरा के परिसर में लहराने के साथ पूरा हुआ है। तिरंगे के साथ ही अमर जवान स्थल का भी उद्घाटन किया गया।

न्यूज ब्रीफ

देश का विकास भाजपा की प्राथमिकताः अनुराग

बिलासपुर। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने झंडुता विधानसभा के ग्राम पंचायत बालघाड़ के ठपर और बल्ह सीणा पंचायत के बल्ह सीणा ग्राम में स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लिया। अनुराग ठाकुर घुमारवीं विधानसभा पहुंचे जहां पंचायत के अमरपुर पंचायत के अमरपुर गांव में उन्होंने गांव चलो अभियान में शिरकत की। अनुराग ठाकुर ने बताया कि देश हित में भारतीय जनता पार्टी पिछले दस वर्षों तक चुप रही। हम चाहते तो पहले दिन ही श्वेत पत्र ला सकते थे, परंतु देश का नुकसान न हो और मनोबल न गिरे इसीलिए हमने ऐसा नहीं किया। हमारे लिए पहली प्राथमिकता देश का विकास है। नरेंद्र मोदी की सरकार ने दस वर्षों में देश को एक साफ-सुथरी और ईमानदार सरकार दी है। श्वेतपत्र ने आज देश के लोगों को यह बताया है कि मोदी ने किन परिस्थितियों से निकालकर देश को आगे बढ़ाया है।

श्वेतपत्र ने खोली यूपीए के कुप्रबंधन की पोलः जयराम

मंडी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में ओबीसी समुदाय से जुड़े परिवारों के उत्थान के लिए ऐतिहासिक योजनाओं की शुरुआत हुई है। इन योजनाओं से देश के करोड़ों परिवारों को लाभ प्राप्त हो रहा है। पंडोह में आयोजित सराज भाजपा मंडल ओबीसी मोर्चा की बैठक में नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने दस वर्षों में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का श्वेत पत्र 2004 से लेकर 2014 तक रही यूपीए सरकार की कार्यशैली का एक नमूना है।

प्रदेश सरकार के काम से नाखुश प्रतिभा सिंह

शिमला। हिमाचल कांग्रेस अध्यक्ष एवं मंडी लोकसभा हलके की सांसद प्रतिभा सिंह प्रदेश में अपनी ही सरकार के कामकाज से संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना है कि संगठन के कुछ लोगों को सरकार में अभी तक स्थान नहीं मिला है, हालांकि उन्होंने बटी कि संगठन और सरकार में तालमेल न होने की बात को नकारा है। सरकार के कामकाज को लेकर कई बार मुख्यमंत्री से चर्चा कर चुके हैं। प्रतिभा सिंह शिमला जिले के रामपुर विधानसभा हलके के चार दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं भी सुनी। प्रतिभा ने बताया है कि जब से प्रदेश में सरकार बनी है बहुत से काम ऐसे हैं, जिन्हें सिरे नहीं चढ़ा पाए हैं। कार्यकर्ताओं को मेहनत का फल मिलना चाहिए। प्रतिभा ने कहा कि सरकार और संगठन में कोई मतभेद वाली बात नहीं हैं। लोकसभा चुनाव के लिए जिताऊ प्रत्याशी कौन है, इसे लेकर सर्वेक्षण होना चाहिए, ताकि सही स्थिति सामने आ सके।

मोदी की गारंटी पर जनता लगाएगी मुहरः नंदा

शिमला। भाजपा के गांव चलो अभियान के अंतर्गत प्रदेश मीडिया प्रभारी कर्ण नंदा ने शिमला मंडल के बूथ नंबर 35 क्लेस्टन में एक कार्यक्रम में भाग लिया। उनके साथ बूथ अध्यक्ष प्रकाश शर्मा उपस्थित रहे। नंदा ने बताया कि पूरे प्रदेश भर में यह अभियान तेज गति से चल रहा है और भाजपा के सभी नेतागण किसी न किसी बूथ का प्रवास कर बूथ को सशक्त करने का कार्य कर रहे हैं। इस अभियान का शुभारंभ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने पालमपुर विधानसभा क्षेत्र के योलबूट से किया था। नंदा ने कहा कि पूरे देश और हिमाचल प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्य और गारंटी पर मुहर लग रही है। नंदा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीबी की समस्या का समाधान ढूंढने में उल्लेखनीय प्रगति की है, जो व्यापक सामाजिक-आर्थिक विकास का प्रतीक है।

कांग्रेस राज में लगा नाहन के विकास को ग्रहण

नाहन। भारती जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा है कि नाहन विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद विगत 14 महीने में विकास कार्य बंद हो गए हैं। नाहन का इलाका भाजपा सरकार में तेज गति से विकास की ओर अग्रसर था, परंतु वर्तमान सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार बनने के बाद से केवल और केवल संस्थानों को बंद करने का काम हुआ है। जनता को धोखे में रखकर सत्ता में आई कांग्रेस अब दोबारा से नाहन विधानसभा क्षेत्र की जनता को भ्रमित करने के प्रयासों में लगी है। डॉ. बिंदल ने कहा इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा कि बीडीओ दफ्तर के निर्माण को कांग्रेस पार्टी ने कांग्रेस के विधायकों ने 40 साल लटका कर रखा और हमारे प्रयासों से भूमि का चयन हुआ। धन का प्रावधान किया, शिलान्यास हुआ और 2022 के चुनावों तक बीडीओ दफ्तर का पूरा भवन बनकर तैयार हो चुका था, परंतु आचार संहिता लगने के कारण इसका उद्घाटन नहीं हो सका। विगत 14 महीने तक इस भवन को सिर्फ इसलिए उपयोग में नहीं लाया गया, ताकि इसका उद्घाटन करके श्रेय लिया जा सके, जो निंदनीय है।

लोकगायक अजय चौहान को मिलेगा हिमालयन श्री अवार्ड

पांवटा साहिब। सिरमौर के गिरीपार क्षेत्र के शिल्ला गांव के जाने माने युवा लोकगायक अजय चौहान हिमालयन श्री अवार्ड से सम्मानित होंगे। बिलासपुर स्थित घुमारवीं का आशा किरण संस्थान ने 21 फरवरी को होने वाले सम्मान समारोह में उन्हें हिमालयन श्री अवार्ड देने का ऐलान किया है। इस समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा। लोकगायक अजय चौहान को भी इस सम्मान से नवाजा जाएगा। इस खबर के बाद समूचे गिरीपार क्षेत्र में खुशी की लहर है।

राजा शमशेर सिंह ने अंग्रेजी शासन को दी थी यहां की तहसीलों में डाकघर खोलने की सलाह

सिरमौर में 19वीं सदी में हो गई थी डाक सेवा की शुरुआत

तेजपाल नेगी, सोलन

अनंत ज्ञान स्पैशल

19वीं शताब्दी के अंत में जब ब्रितानिया शासन में महानगरों में डाक व्यवस्था बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही थी। तब इन महानगरों से दूर पहाड़ों पर जन सामान्य को डाक सेवा से जोड़ने के लिए डाक व्यवस्था से जोड़ने का काम शुरू हो गया था। यह तत्कालीन सिरमौर के शासक की दूरदर्शी सोच का ही परिणाम था कि उन्होंने नाहन शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी चिट्ठी पत्री पहुंचाने की कवायद शुरू कर दी थी।

सिरमौर रियासत के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले कई परिवारों के युवा अंग्रेजी सेना में सेवाएं दे रहे थे। ऐसे में ब्रितानिया शासकों को लगा कि उन सैनिकों को डाक सेवाओं का लाभ मिलना चाहिए। इसके अलावा अंग्रेज शासित इलाकों में मेहनत मजदूरी करने वाले यहां के कई ग्रामीण भी अपने घर परिवार से संबंध रखने को लालायित रहते थे। ऐसे में रियासत के राजा शमशेर सिंह ने जब यह प्रस्ताव अंग्रेज अधिकारियों के सामने रखा तो उन्होंने इसे स्वीकार करने में कोई न नुकुर नहीं की। नाहन शहर में अंग्रेजी सरकार की ओर से एक डाकघर पहले ही स्थापित कर दिया गया था, लेकिन दिक्कत यह थी रियासत के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को इन डाक सेवाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। ऐसे में सिरमौर रियासत के तत्कालीन शासक शमशेर सिंह ने 1885 में एक प्रस्ताव अंग्रेज अधिकारियों के सामने रखा। इसके बाद रियासत की चारों तहसीलों में डाकघर खोले गए। इन डाकघरों में आने वाली डाक को ग्रामीणों तक पहुंचाने के लिए हरकारों की व्यवस्था भी की गई, जो हर सप्ताह गांव-गांव जाकर डाक का वितरण करते थे। इन रियासती डाकघरों में अंग्रेजी सरकार के डाकघर से डाक पहुंचती थी, जो प्रत्येक दिन तहसीलों पर स्थित डाकघरों में पहुंचाई जाती थी। अब दिक्कत यह थी कि अत्यावश्यक समाचार इधर से उधर पहुंचाने में भी देरी हो रही थी। रियासत के भीतर से बाहर भेजे जाने वाले वाणिज्यिक संदेशों को ठिकाने में पहुंचाने में भी देरी हो रही थी। रियासत ने इस समस्या का समाधान भी नाहन में टेलीग्राफ मशीन लगाकर निकाला। इससे त्वरित सूचनाएं इधर से उधर पहुंचाई जाने लगीं। इस पर आने वाला खर्च सिरमौरी रियासत के खजाने से अंग्रेजी सरकार को जाता था। भारत में डाक सेवा की व्यवस्था साल 1766 में स्थापित की गई कोलकाता के बाद मद्रास में पहला डाकघर 1786 में स्थापित किया गया। 1877 में पार्सल सेवा, 1879 में पोस्ट कार्ड, 1880 में मनी आर्डर और 1911 में इलाहाबाद से पहली एयरमेल सेवा शुरू की गई। इसी तरह 1935 में पहला इंडियन पोस्टल आर्डर शुरू हुआ, 1972 में पिन कोड की शुरुआत, 1986 में स्पीडपोस्ट का शुभारंभ किया गया। (अनंत ज्ञान)

ऊंटों से पहुंचाई जाती थी डाक

नाहन मुख्य डाकघर से ग्रामीण क्षेत्रों में डाक पहुंचाने के लिए दो ऊंटों की व्यवस्था की गई थी। नाहन में टेलीग्राफ मशीन लग जाने से इस समस्या का काफी हद तक समाधान हो गया था।

सबसे ऊंचा पोस्ट ऑफिस

हिमाचल प्रदेश के स्पीति में हिक्किम नाम के गांव में स्थित है दुनिया का सबसे ऊंचा डाकघर। यह 14567 फुट की ऊंचाई पर है। यह डाकघर 1983 से दूरदराज के दुर्गम गांवों तक चिट्ठियां देने का काम कर रहा है। हिक्किम स्पीति घाटी में पहाड़ों के बीच स्थित है। लोग यहां अपनी चिट्ठियां डालने और पैसे जमा कराते हैं।

परफ्यूम उद्योग अग्निकांड: दसवें दिन मिले दो और शव, शिनाख्त मुश्किल

अग्निकांड में अब तक हो चुकी सात मौतें, सर्च ऑपरेशन चला रही एसडीआरएफ

अनंत ज्ञान, बीबीएन

अनंत ज्ञान फॉलोअप

औद्योगिक क्षेत्र बद्दी के झाड़माजरी में एनआर एरोमा उद्योग में भीषण अग्निकांड के दसवें दिन दो और शव बरामद हुए हैं, जिनकी शिनाख्त फिलहाल नहीं हो पाई है, शवों अधिकतम हिस्सा जल चुका था। शवों को नालागढ़ अस्पताल में भिजवा दिया गया है। अब लापता कामगारों के परिजनों के डीएनए सैंपल लिए जाएंगे, जिनकी रिपोर्ट के आधार पर ही शव की पहचान हो सकेगी।

बीते दो दिन से एसडीआरएफ की टीम अनसेफ एरिया को तोड़ने में जुटी हुई थी, ताकि सर्च आपरेशन को आसानी से चलाया जा सके। रविवार को एसडीआरएफ की टीमों ने सर्च आपरेशन शुरू किया तो करीब साढ़े तीन बजे दूसरी मंजिल के आगे वाले एरिया से दो शव बरामद किए गए। अब तक कुल छह डेड बॉडी कंपनी के अंदर से निकाली जा चुकी हैं, जबकि मरने वालों की संख्या सात हो चुकी है। घटना के दिन ही एक महिला की तीसरी मंजिल से कूदने से मौत हो गई थी। अभी भी प्रशासन के अनुसार तीन कामगार लापता है, जिनके कंपनी के अंदर में ही होने की आशंका जताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार इससे ज्यादा शव भी अंदर हो सकते हैं, जिनकी इस हादसे में दर्दनाक मौत हुई है। एसडीएम नालागढ़ दिव्यांशु सिंगल का कहना है कि रविवार को दो शव बरामद हुए, जिनकी पहचान अभी नहीं हो पाई है। एसडीआरएफ की टीम अनसेफ एरिया को गिराने के बाद धीरे-धीरे रेस्क्यू आपरेशन चला रही है। अभी तक पहली व दूसरी मंजिल में तलाशी अभियान चलाया जा चुका है, जिसमें कुछ जगह पर अभी सर्च आपरेशन चलाना बाकी है। वहीं, तीसरी मंजिल में अभी तक सर्च आपरेशन नहीं चल पाया है, यहां पर बिल्डिंग के कुछ हिस्से के गिरने की संभावना है। ऐसे में अनसेफ स्ट्रक्चर को तोड़ने के बाद सर्च आपरेशन चलाया जाएगा।

कंपनी संचालकों को पकड़ने में पुलिस नाकाम

जिला बद्दी पुलिस की अग्निकांड मामले में संचालकों की गिरफ्तारी न होने के चलते खूब किरकिरी हो रही है। बद्दी पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल भी खड़े हो रहे हैं कि आखिर पुलिस अभी तक क्यों आरोपी संचालकों को नहीं पकड़ पाई है, जबकि इससे पहले कई हाइप्रोफाइल मामलों को पुलिस सुलझा चुकी है।

पैराग्लाइडर से छत पर गिरी महिला पर्यटक, मौत

पतलीकूहल। कुल्लू जिले की डोभी पैराग्लाइडर साइट में पैराग्लाइडर से महिला पर्यटक गिर गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पैराग्लाइडिंग पायलट ने सुरक्षित है। हादसे में हैदराबाद की 26 वर्षीय पर्यटक नव्या की मौत हो गई है। उधर, उपायुक्त कुल्लू तोरूल एस रवीश ने इस मामले में मजिस्ट्रेट जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। लिहाजा मजिस्ट्रेट जांच के बाद इन तमाम पहलू का खुलासा होगा। वहीं, पुलिस ने पैराग्लाइडर पायलट के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर दिया है, जबकि महिला पर्यटक के शव को मौके पर जाकर अपने कब्जे में ले लिया है। शव को पोस्टमार्टम करने के बाद परिजनों को सौंप जाएगा। उधर, जिला पर्यटन अधिकारी सुनयना शर्मा ने बताया कि जिस साइट से पैराग्लाइडर ने उड़ान भरी है। वह साइट अप्रूव्ड है और पैराग्लाइडर भी विभाग से पंजीकृत है। जो पायलट उड़ान भर रहा था, वह लाइसेंस धारक है, ऐसे में हादसा कैसे हुआ है, इसका जांच के बाद ही पता चलेगा। फिलहाल इसमें लापरवाही सामने आ रही है।

चंबा में दुष्कर्म का मामला, आरोपी गिरफ्तार

चंबा। जिला चंबा की पंचायत में एक परिवार के पैरो तले जमीन तब खिसक गई, जब बेटी के स्वास्थ्य खराब होने पर उसे उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र भर्ती करवाया गया। यहां चिकित्सकों दर्द से कहरा रही युवती का उपचार प्रक्रिया आरंभ की तो ज्ञात हुआ कि उसके संग दुष्कर्म हुआ है। परिजनों ने युवती से पूछताछ की तो उसने बताया कि पांच माह पूर्व जब वह घास लेने गई थी तो वहां गांव के एक युवक ने जबरन उसके साथ दुष्कर्म किया। वहीं, यह बात किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी। परिजनों व चिकित्सक ने पीड़ित युवती की बात सुन कर तुरंत मामले की आगामी कार्रवाई के लिए पुलिस से संपर्क किया, जिस पर पुलिस ने युवती के बयान कलमबद्ध करने सहित उसका मेडिकल परीक्षण करवाने के बाद विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया। वहीं, आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। इस संदर्भ में पुष्टि करते हुए पुलिस अधीक्षक जिला चंबा अभिषेक यादव ने बताया कि पीड़ित युवती के बयान पर मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी युवक का भी मेडिकल करवाया जा रहा है, जिसे आगामी कार्रवाई के लिए अदालत में पेश किया जाएगा।

प्रदेशस्तर पर हों प्रयास तो समाज में आएगा बदलाव

नशेड़ी युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ रही नूरपुर पुलिस

पुनीत शर्मा, धर्मशाला

नूरपुर जिला पुलिस के युवा एसपी के प्रयास रंग लाने लगे हैं, वहीं सरकार अगर प्रदेश स्तर पर ऐसी कोई नीति को क्रियान्वित करती है तो प्रदेश के हजारों युवाओं को नशे की गर्त में जाने से रोक सकती है।

बताते चलें कि पुलिस जिला नूरपुर में सूई से नशा करने वाले युवाओं में पनपी बीमारियों को लेकर उनका बाकायदा मेडिकल कॉलेज टांडा में उपचार करवाया, वहीं पुलिस ने उनको मुख्यधारा से जोड़ने के लिए भी अहम कदम उठाए गए हैं। समय से इन युवाओं को सही राह दिखाई जाए तो ये युवा खुद नशे से दूर रहकर दूसरे युवाओं को भी सकारात्मक संदेश दे सकते हैं। एक सच्ची घटना पर गौर करें तो पुलिस जिला नूरपुर के तहत एक युवक को पहली बार पांच, दूसरी बार दस, तीसरी बार 15 तो वहीं चौथी बार 40 ग्राम चिट्टे के साथ पकड़ा गया। पुलिस ने उसे पीआईटी की धारा के तहत गिरफ्तार कर लिया तथा इस एक्ट के चलते एक साल तक उसकी जमानत नहीं हो सकी। ऐसे में नूरपुर जिला पुलिस ने नशे के आदि युवाओं के स्वास्थ्य की जांच करवा कर इनमें हैपेटाइटस सी तथा एचआईवी जैसी बीमारियों को उजागर कर इनका मेडिकल कॉलेज टांडा में उपचार करवाया, वहीं इन युवाओं को नशे के जाल से निकाल कर इनको मुख्यधारा में जोड़ने के लिए कैंप करवाए। प्रदेश के इतिहास में ये पहला मौका था जब पुलिस ने भटके हुए इन युवाओं के लिए आर्ट ऑफ लिविंग जैसे कैंपों का आयोजन किया। इंदौरा क्षेत्र के काठगढ़ में करीब दो दर्जन से ज्यादा युवाओं के लिए आर्ट ऑफ लिविंग का कैंप लगाया गया जहां योग, ध्यान तथा वर्क आउट के अलावा इनको पॉजिटीव लाइफ स्टाइल के लिए व्याख्यान दिए गए। वहीं, पीआईटी एनडीपीएस एक्ट 1988 उन गंभीर नशे के कारोबारियों पर लगाया जाता है, जो लगातार उस अपराध में शामिल पाए जाते हैं। यह उन अपराधियों के खिलाफ लगाया जाता है, जिनका जेल में बंद किया जाना बेहद जरूरी हो जाता है।

वहीं, पुलिस जिला नूरपुर में पहली बार हुई स्टडी में कुल 130 सैंपलों में से 82 में हैपेटाइटिस सी काला पीलिया तथा 34 एचआईवी संक्रमित पाए गए। सूत्रों की मानें तो प्रदेश भर में ऐसी ही स्थिति होने की आशंका है। लिहाजा प्रदेश सरकार पर ऐसी पॉलिसी अगर बनती है तो हजारों युवाओं को नशे के गर्त से निकाला जा सकता है। (अनंत ज्ञान)

क्या कहते हैं एसपी अशोक रत्न

इस बारे में जानकारी देते हुए एसपी नुरपूर अशोक रत्न बताते हैं कि इन युवाओं का उपचार जारी है तथा इनके लिए आर्ट ऑफ लिविंग का कैंप भी लगाया गया तथा सुखद बात ये कि इन युवाओं में सुखद सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है। उन्होंने बताया कि युवाओं को अपराधी बनने से रोकने के लिए ये पूरी मुहिम रंग लाई है।

सुमित सिंगला स्टार अवॉर्ड से सम्मानित

बीबीएन। रोटरी एवं ब्लड बैंक सोसायटी रिसोर्स सेंटर चंडीगढ़ द्वारा महात्मा गांधी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन ऑडिटोरियम में वार्षिक अवार्ड समारोह में क्योरटेक ग्रुप के मालिक सुमित सिंगला को सम्मानित किया गया। पंजाबी अदाकार राज रंधावा ने सिंगला को सम्मानित करते हुए सामाजिक योगदानों की सराहना की। रोटरी व ब्लड बैंक द्वारा वर्ष 2023-24 में 399 यूनिट रक्त उपलब्ध करवाए जाने का इतिहास रचने पर क्यूरटेक ग्रुप व अमित सिंगला सोशल वेलफेयर सोसायटी बद्दी को स्टार अवार्ड का पहला खिताब देकर सम्मानित किया गया। गौरतलब रहे कि अमित सिंगला सोशल वेलफेयर सोसायटी कोविड काल से आज तक विभिन्न मौकों पर करीब 28 रक्तदान शिविर लगा चुकी हैं। उन्होंने समाज के लोगों उद्योगपतियों का आह्वान किया कि ऐसी गतिविधियों में आगे आकर सहयोग करना चाहिए।

छोटी काशी मंडी के पारुल ने अयोध्या में भेंट किया टांकरी लिपि में हस्तलेख

अनिल शर्मा, मंडी

छोटी काशी मंडी निवासी पारुल अरोड़ा ने विश्व की सबसे पहली श्रीराम की नगरी अयोध्या में हिमाचल की टांकरी लिपि में एक लेख भेंट किया। बता दें कि पारुल अरोड़ा इन दिनों अयोध्या में श्रीराम के दर्शनों के लिए गए हैं और इन्होंने टांकरी लिपि में अखरोट और बाण की स्याही, पारंपरिक लेखनी व मोनपा कागज पर हिमाचल के सराज क्षेत्र में दीपावली पर गाई जाने वाली लोकगाथा हणु को लिपियंत्र कर भेंट किया। गौर रहे कि हणु लोकगाथा रामायण के एक प्रसंग पर आधारित है।

विश्व प्रसिद्ध नगरी अयोध्या में इस तरह हिमाचली लिपि टांकरी में पारंपरिक स्याही से लोकगाथा का लेख भेंट करना मंडीवासियों के लिए गौरव की बात है। वहीं, मंडीवासियों ने सरदार पटेल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ललित कुमार से मांग की है कि हिमाचल खास कर मंडी, कुल्लू- लाहौल, कांगड़ा, चंबा और सरकाघाट की बोलियों, लोकगाथाओं, टांकरी लिपि, मंडयाली आदि पर एक विस्तृत विषय बनाकर विश्वविद्यालय में शुरू किया जाना चाहिए, ताकि समय रहते पारंपरिक कलाओं, रीति-रिवाजों व संस्कृति को सहेजा जा सके। मोनपा कागज पर अरुणाचल प्रदेश के तवांग क्षेत्र में पिछले हजार वर्ष से बनाया जा रहा है। इस कागज की आयु लगभग पांच सौ वर्ष से अधिक है। हणु लोकगाथा इसी कागज पर अंकित की गई है। यह कागज खादी भारत की आधिकारिक वेबसाइट से मंगवाया गया था। मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कागज की बात कर चुके हैं। श्रीराम मंदिर अयोध्या धाम के गर्भगृह के दान पत्र के माध्यम से प्रभु श्रीराम के चरणों में यह हस्तलेख भेंट किया गया है। हिमाचल प्रदेश में लिखने के लिए अखरोट और बाण की स्याही का प्रयोग किया जाता रहा है। हणु लोकगाथा को अखरोट और बाण की पारंपरिक स्याही से लिखा गया है, जिसे सहेज कर रखा जाए तो यह कई वर्षों तक वैसी की वैसी ही रहती है। मंडी जिला के गोहर, सिराज, बालीचौकी और करसोग के जंगलों से एकत्र किए गए बाण के अवशेषों को एक पद्धति के तहत स्याही में बदला गया और उसमें अखरोट के छिलकों को विशेष प्रक्रिया के बाद इसमें मिलाया गया है। (अनंत ज्ञान)

हंगामेदार होगा लोस चुनाव से पहले विस का बजट सत्र

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

लोकसभा चुनाव से पहले इस बार हिमाचल प्रदेश विधानसभा का सत्र 14 से 29 फरवरी के बीच आयोजित होगा। चुनाव से पहले होने वाले बजट सत्र के हंगामेदार रहने के आसार हैं।

प्रदेश की लगातार खराब हो रही वित्तिय स्थिती व कांग्रेस द्वारा लोगों को चुनाव से पहले दी गई गारंटियों व अन्य वादों को लेकर भाजपा अपना आक्रामक रुख अपना सकती है। इस बजट सत्र से जहां युवाओं को रोजगार के अवसर मिलने की उम्मीद है, वहीं पद्रेश के लाखों कर्मचारियों को अपने लंबित वित्तिय देय भत्तों के लिए भी बजट में कुछ न कुछ हासिल होने की उम्मीद है। विधानसभा बजट सत्र को लेकर शिमला में तैयारियां पूरी की जा रही हैं। जहां बजट सत्र को लेकर पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से तैयारियां की जा रही हैं वहीं जिला प्रशासन भी सत्र को लेकर पूरी तरह से अलर्ट है। बजट सत्र के दौरान शिमला में चप्पे-चप्पे पर पुलिस के जवान पहरा देंगे। सत्र के दौरान विधानसभा परिसर के आसपास उच्च अधिकारियों सहित करीब 500 जवान तैनात रहेंगे। पुलिस प्रशासन द्वारा शोघी बैरियर, टुटू चैक, मशोबरा बाइफिरकेशन, मैहली-जुन्गा बाईपास, सैंज खड्ड, कुपवी, चैपाल के अंतरराज्यीय बैरियर कुडडू और जमराड़ी चेक पोस्ट पर पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है। वहीं पुलिस की टीमें सीसीटीवी और ड्रोन से भी हर गतिविधि पर निगाह रखेगी।

अमर चंद स्लाट हिमाचल प्रदेश कोली समाज के अध्यक्ष

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश कोली समाज के चुनाव रविवार को जिला कुल्लू मुख्यालय के पास देवसदन में संपन्न हुए, जिसमें सर्वसम्मति से अमर चंद स्लाट को अध्यक्ष चुना गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष की सहमति न बनें से बोटिंग करवाई गई । मुकाबला संजीव पुंडीर सिरमौर व गुरदयाल परमार सिरमौर के बीच हुआ।, जिसमें छह जिलों शिमला, सोलन, मंडी, कुल्लू, कांगड़ा, सिरमौर से आए डेलीगेट्स ने मतदान किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष के चुनाव वोटिंग द्वारा किए गए उसने कुल्लू का माहौल गर्म कर दिया। कुल वोट 119 पड़े, जिसमें संजीव पुंडीर को 100 बोट पड़े और जीत हासिल की। गुरदयाल परमार को 19 पर संतोष रखना पड़ा। बार्किंग प्रेजीडेंड बलजीत सिंह सोलन से, महासचिव गोपाल शिमला, कोषाध्यक्ष नेत्र चौहान सिरमौर से बने उसके उपरांत कार्यकारिणी का विस्तार किया गया, जिसमें उपाध्यक्ष, मीर सुख शिमला, कालिदास कांगड़ा, मंडी जशी देवी, कुल्लू से शेर सिंह को चुना गया। नवनियुक्त अध्यक्ष अमर चंद स्लाट ने कहा कि जो जिम्मेदारी मुझे दी है उसे ईमानदारी से निभाऊंगा। सबके साथ मिल कर समाज उत्थान के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा की संविधान मंडल मंदिर बनाया जाएगा।

केआर वर्मा हिमाचल मंडी जनकल्याण सभा के अध्यक्ष

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

नई दिल्ली हिमाचल मंडी जनकल्याण सभा दिल्ली के चुनाव रविवार को हिमाचल सदन धर्मशाला करमपुरा नई दिल्ली में जेआर मेहरा चुनाव अधिकारी की देखरेख में संपन्न हुए।

चुनाव अधिकारी जेआर मेहरा दिल्ली स्थित शीर्ष संस्था हिमाचल सोशल बॉडीज फेडरेशन के संस्थापक महामंत्री रहे हैं और वर्तमान में फेडरेशन में सलाहकार के पद पर विराजमान हैं। उन्होंने बताया कि सभा के 23 पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया, जिनमें अध्यक्ष केआर वर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष किशोरी लाल शर्मा एवं केके सकलानी, उपाध्यक्ष मनोहर ठाकुर, प्रताप चंद चौहान, गांधी राम राणा, मानसिंह जसवाल एवं कांशी राम शर्मा, महासचिव प्रीतम सिंह, आंतरिक लेखा परीक्षक अमी चंद जसवाल तथा कोषाध्यक्ष गोपाल बिष्ट को अगले कार्यकाल के लिए चुना गया। इसके पश्चात नवनिर्वाचित अध्यक्ष केआर वर्मा की अध्यक्षता में नई एग्जीक्यूटिव बॉडी की बैठक हुई, जिसमें तीन शीर्ष पदाधिकारियों की एक कमेटी गठित कर सभा में 17 सदस्यों को सभा की कार्यकारिणी में सम्मिलित करने के लिए प्रस्ताव पारित किया गया। इसके अतिरिक्त वर्षों से सभा में विभिन्न पदों पर रहे वरिष्ठ सदस्यों एसके भंडारी एवं जेएन जमवाल को सलाहकार के पद पर मनोनीत किया गया। महासचिव प्रीतम सिंह ने बताया कि यह सभा सामाजिक गतिविधियों के जरिए दिल्ली एवं एनसीआर में बसे हिमाचल वासियों को एकजुट करने के साथ-साथ प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को बनाए रखने में अहम भूमिका निभा रही है।

हिमाचलियों के लिए काम करेगी 23 पदाधिकारियों की कमेटी।

सभा की उपलब्धियां

पिछले 30 वर्षों में अब तक एक करोड़ रुपए खर्च कर 45 निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर लगाकर लगभग 40000 रोगियों की जांच की। लगभग 4100 वृद्ध और गरीब रोगियों के मोतियाबिंद लैंस सहित मुफ्त आपरेशन किए गए। सभा एक करोड़ रुपए से अधिक की राशि अब तक खर्च कर चुकी है और पिछले 30 वर्षों से अब तक रामानंद बाल गोपाल आश्रम जिला कांगड़ा में चार बच्चों के लालन-पालन एवं पढ़ाई के लिए भी अब तक लाखों रुपए की राशि का योगदान कर चुकी है। कोविड वैश्विक महामारी में पीएम रिलीफ फंड में आर्थिक मदद आदि शामिल है। वर्ष 2023 में हिमाचल में आई आपदा में 200 प्रभावितों को 12.5 लाख की सहायता देना आदि शामिल है।

तैयारी | समर वेकेशन स्कूलों में राज्य के 45 हजार छात्रों का होगा टेस्ट

स्टेट लेवल अचीवमेंट सर्वे टेस्ट आज से

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश के 2000 स्कूलों में समग्र शिक्षा के तहत 45 हजार छात्रों का स्टेट लेवल अचीवमेंट सर्वे टेस्ट किया जाएगा। विभाग की ओर से इसको लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

पहले समर वेकेशन स्कूलों यानी नौ जिलों के स्कूलों के दूसरी, चौथी, सातवीं और नौवीं कक्षा के चुनिंदा छात्रों का सर्वे टेस्ट होगा। इसके बाद राज्य के तीन जिला शिमला, किन्नौर और सोलन के स्कूलों के छात्रों के टेस्ट लिए जाएंगे। यह टेस्ट 12 फरवरी से नौ मार्च तक लिए जाएंगे। इस दौरान हिंदी, गणित और विज्ञान विषय का मूल्यांकन किया जाएगा और मूल्यांकन टैबलेट पर होगा, जिसमें समग्र शिक्षा के तकनीकी साझेदार कन्वेजीनियस इनसाइट का सहयोग होगा। इस आकलन में लगभग 45,000 छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा, जो देश में सबसे बड़े टैब आधारित मूल्यांकन में से एक है। समग्र शिक्षा के परियोजना निदेशक राजेश शर्मा का कहना है कि इस सर्वेक्षण का उद्देश्य इन कक्षाओं में छात्रों के वर्तमान सीखने के स्तरों का पता लगाना है, जिससे भविष्य में छात्रों की समस्याओं का निदान किया जा सके।

इसके बाद रिजल्ट के आधार पर विशेष रूप से सुधार पर केंद्रित एक सीखने की योजना बनाई जाएगी है। प्राप्त डेटा के आधार पर राज्य स्कूलों को सुधार और अभ्यास प्रश्न बैंकों के लिए अनुकूलित शिक्षण प्रथाओं को प्रदान करेगा और देश भर में सीखने के स्तरों को समझने के लिए एनसीईआरटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण में अपने प्रदर्शन को सुधारने का लक्ष्य बनाएगा।

स्टार कार्यक्रम के तहत किया जा रहा संचालन

सर्वेक्षण का संचालन समग्र शिक्षा हिमाचल प्रदेश और सीखने की प्रथाओं में सुधार के लिए चल रहे स्टार कार्यक्रम के तहत किया जा रहा है। इससे पहले एनसीईआरटी ने भी 6242 स्कूलों में तीसरी, छठीं और नवीं कक्षा के छात्रों का स्टेट लेवल अचीवमेंट सर्वे टेस्ट करवाया था।

26 के बाद विशेष बच्चों का भी होगा सर्वे

समग्र शिक्षा 26 फरवरी के बाद विशेष बच्चों के लिए भी इस तरह का सर्वे टेस्ट करवाने जा रहा है। बताया जा रहा है कि समग्र शिक्षा के पास इस अचीवमेंट सर्वे टेस्ट के लिए टूल उपलब्ध है, जिससे इन बच्चों का टेस्ट लिया जाएगा। यह टेस्ट भी टेबलेट पर ही होगा। ।

20 मार्च, 2020 के बाद नहीं हुए स्वाइन फ्लू के टेस्ट

आईजीएमसी में कोरोना के चक्कर में स्वाइन फ्लू के टेस्ट करना भूला प्रशासन

एक साल में 400 से 500 आते हैं मामले, 50 से 100 के बीच मौतें

रविंद्र जस्टा, शिमला

सर्दियों में स्वाइन फ्लू के मामले काफी ज्यादा बढ़ जाते हैं। यहां तक लोगों की स्वाइन फ्लू से मौतें तक हो जाती है, लेकिन सरकार व प्रशासन की लापरवाही तो देखिए 20 मार्च, 2020 के बाद से स्वाइन फ्लू का आईजीएमसी में कोई भी टेस्ट नहीं हुआ है।

अनंत ज्ञान एक्सक्लूसिव

यह लापरवाही मरीजों पर भारी पड़ रही है। चिकित्सक भी अब स्वाइन फ्लू वाले मरीजों को सीधे दवाइयां ही दे रहे हैं। कोरोना के चक्कर में प्रशासन स्वाइन फ्लू के टेस्ट करना ही भूल गया है। स्वाइन फ्लू के एक साल के अंदर 400 से 500 तक मामले पहुंचते थे। वहीं, 50 से 100 के बीच मौतें भी हो जाती हैं, लेकिन अब टेस्टिंग न होने से अभी तक प्रशासन ने एक भी स्वाइन फ्लू का मामला जारी नहीं किया। यह लापरवाही लोगों पर भारी पड़ रही है। प्रशासन को यह भी देखना अनिवार्य है कि कोरोना के साथ-साथ स्वाइन फ्लू के भी टेस्ट किए जाए, ताकि लोग स्वाइन फ्लू से भी बच सके। इन दिनों तो अब कोरोना के टेस्ट भी बहुत कम हो रहे हैं। ऐसे में अब प्रशासन को स्वाइन फ्लू के टेस्ट शुरू करने चाहिए। बताया जा रहा है कोरोना के चक्कर में स्वाइन फ्लू के टेस्ट बंद किए थे। स्वाइन फलू इतना खतरनाक है कि जब कोई संक्रमित व्यक्ति खांसता या छींकता है, तो उसके साथ निकले वायरस सतह पर आ जाते हैं। ये वायरस 24 घंटे तक खुली हवा में जीवित रहते हैं, इसीलिए इनसे बहुत तेजी से संक्रमण फैलता है, यदि इस दौरान कोई इनके संपर्क में आता है, तो वह इस वायरस से संक्रमित हो सकता है। (अनंत ज्ञान)

टेस्ट न होने से मरीजों पर भारी पड़ सकती है लापरवाही

मरीज को स्वाइन फ्लू है या नहीं बिना टेस्ट के दी जा रही दवाइयां

अधिकारी किट खत्म होने का दे रहे तर्क

आईजीएमसी में जब भी इस बारे में अधिकारियों से बात की जाती है, तो उनका यह तर्क है कि इन दिनों किट खत्म हुई है ऐसे में स्वाइन फ्लू टेस्ट नहीं किए जा रहे हैं, लेकिन सवाल तो यह भी है कि 2020 से टेस्ट नहीं हो रहे है क्या उस समय से अभी तक किट नहीं मंगवाई है। इसको लेकर लोगों के प्रशासन पर सवाल उठा रहे हैं।

सूअर में फ्लू फैलाने वाले इन्फ्लुएंजा वायरस से मिलता-जुलता

स्वाइन फ्लू (इन्फ्लुएंजा) यानी फ्लू वायरस के अपेक्षाकृत नए स्ट्रेन इन्फ्लुएंजा वायरस से होने वाला इनफेक्शन है। इस वायरस को ही एच-1-एन-1 कहा जाता है। इसे फ्लू इसलिए कहा गया है, क्योंकि सूअर में फ्लू फैलाने वाले इन्फ्लुएंजा वायरस से ये मिलता-जुलता है। स्वाइन फ्लू का वायरस तेजी से फैलता है। कई बार मरीज के आसपास रहने वाले लोगों और तीमारदार चपेट में ले लेता है। लिहाजा किसी में फ्लू के लक्षण दिखें, तो उससे कम से कम तीन फीट की दूरी बनाए रखना चाहिए। फ्लू का मरीज जिस चीज का इस्तेमाल करें, उसे भी नहीं छूना चाहिए।

स्वाइन फ्लू के लक्षण

स्वाइन फ्लू के लक्षण बुखार या बढ़ा हुआ तापमान, अत्यधिक थकान, सिरदर्द, गले में खराश, ठंड लगना, नाक बहना, कफ, सांस लेने में तकलीफ, उल्टी या दस्त आना, भूख कम लगना आदि। स्वाइन फलू के कारण यह है कि जब कोई संक्रमित व्यक्ति खांसता या छींकता है, तो उसके साथ निकले वायरस सतह पर आ जाते हैं। ये वायरस 24 घंटे तक खुली हवा में जीवित रहते हैं। इसीलिए इनसे बहुत तेजी से संक्रमण फैलता है। यदि इस दौरान कोई इनके संपर्क में आता है, तो वह इस वायरस से संक्रमित हो सकता है।

हमारे पास आईजीएमसी में स्वाइन फ्लू के टेस्ट होते हैं। कोरोना काल के दौरान टेस्ट इसलिए नहीं किए थे कि कोरोना के ही टेस्ट में स्वाइन फ्लू का टेस्ट हो जाता था। इन दिनों अभी ऐसे फ्लू के लक्षण वाले कोई मरीज नहीं आ रहे हैं, जो फ्लू वाला मरीज आता है उसके टेस्ट होते हैं।

डॉ. अमन, डिप्टी एमएस आईजीएमसी।

मल्टी टास्क वर्कर्स को न्यूनतम वेतन देकर दैनिक वेतन भोगी बनाया जाए

दशमी रावत, रोहडू

लोक निर्माण विभाग मंडल जुब्बल व उपमंडल हाटकोटी में कार्यरत कर्मचारियों व मल्टी टास्क वर्कर्स संघ का विशेष सम्मेलन रविवार को लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह हाटकोटी में हुआ। सम्मेलन में राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष विपिन डोगरा, कर्मचारी महासंघ के प्रदेश सगंठन मंत्री बृज लाल शर्मा, प्रदेश सचिव चमन लाल कलवान मुख्यातिथि के रूप में मौजूद रहे।

कर्मचारी महासंघ के प्रदेश सगंठन मंत्री बृज लाल शर्मा ने बताया कि सरकार कर्मचारी वर्ग की अनदेखी कर रही है। संघ ने मल्टी टास्क वर्कर्स को न्यूनतम वेतन देकर दैनिक भोगी बनाए जाने, नियमित करने हेतू नीति बनाने, हर माह सात तारीख से पूर्व वेतन का भुगतान किए जाने तथा सभी वर्कर्स से एक समान व्यवहार कर एक समान काम लिए जाने सहित सभी सरकारी कर्मचारियों, पेंशनर्स के वकाया एरियर, ग्रेजुअटी व मंहगाई भत्ते की किश्त देने की भी सरकार से पूरजोर मांग की गई है। (अनंत ज्ञान)

हाटकोटी में आयोजित मल्टी टास्क वर्कर्स संघ के सम्मेलन में मौजूद लोग।

विनोद नेस्टा को चुना गया अध्यक्ष

इस दौरान सम्मेलन में प्रदेश लोक निर्माण विभाग मल्टी टास्क वर्कर्स संघ जुब्बल मंडल के चुनाव भी करवाए गए। झड़ग के विनोद नेस्टा को अध्यक्ष चुना गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश कुमार (बौली), उपाध्यक्ष अमृता सखेटा (झालटा), पंकज झील्टा (खड़ापत्थर), सचिव नरेश शुक्ला (नकराड़ी), कार्यालय सचिव प्रदीप पेक्टा (असतांदली), कोषाध्यक्ष मोहित (बौली), संगठन मंत्री कलम सिंह (झगटान), मुख्य सलाहाकार सोहन लाल (झाल्टा) व मादंल गांव के अंकुश को कार्य समिति सदस्य चुना गया।

देवता जुन्गा के भ्रमण के दौरान उमड़ रहा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

अनंत ज्ञान, जुन्गा

जुन्गा रियासत के प्रमुख एवं प्राचीन मंदिर पुजारली के देवता जुन्गा बीते 15 जनवरी से अपने क्षेत्र के भ्रमण पर हैं। इस दौरान करीब 27 स्थानों पर जागरा, होम पजावज व अन्य देव कार्य निपटाने का लक्ष्य रखा गया है।

मंदिर समिति के सदस्य दुर्गा सिंह ठाकुर ने बताया कि देवता जुन्गा पुजारली की ओर से अपनी यात्रा ग्राम भोग, बिलास आन्नदपुर, तारा माता मंदिर से होते हुए गनेड़ी, हनुमान मंदिर खुशाला, रामपुरी, कंडा, घनाहटी, जुब्बड़ हटटी, भारती, दनेहरी, ममलीग, जिला सोलन के कंडा हुडग, धर्मपुर के उपरांत अपने मूल स्थान पुजारली पहुंचेंगे। भ्रमण संपन्न होने के उपरांत देव जुन्गा को अपने मंदिर में प्रवेश करवाया जाएगा, जिसे भढातर कहा जाता है। देव यात्रा के दौरान जगह-जगह गांव में देवता जुन्गा का आशिर्वाद प्राप्त करने के लिए जनसैलाब उमड़ रहा है। दुर्गा सिंह ठाकुर ने बताया कि परंपरा के अनुसार देवता जुन्गा की यात्रा कालांतर से चार साल बाद निकाली जाती है परंतु इस बार मंदिर के जीर्णोद्धार और क्योंथल रियासत के तत्कालीन राजा वीर विक्रम सेन की मृत्यु के शोक के कारणयह देवयात्रा सात वर्ष उपरांत निकाली गई है।

देवता जुन्गा भ्रमण के दौरान।

संजीवनी सहारा समिति ने 11वां वार्षिक सम्मेलन हरसुख रिजॉर्ट सीमा में धूमधाम से मनाया

कई परिवारों को दी आर्थिक मदद

अनंत ज्ञान, रोहडू

संजीवनी सहारा समिति रोहडू ने अपना 11वां वार्षिक सम्मेलन रविवार को हरसुख रिजॉर्ट सीमा में धूमधाम से मनाया। समिति ने अब तक खर्च की गई राशि का ब्यौरा भी सम्मेलन में सदस्यों के सामने रखा।

सम्मेलन का आगाज द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। उसके बाद अध्यक्ष गोपाल चौहान ने समिति के 11 वर्षों के कार्यकाल पर प्रकाश डाला। संजीवनी की स्थापना वर्ष-2013 में छह लोगों ने की थी। आज इसमें 228 सदस्य शामिल हो चुके हैं। इस दौरान समिति ने जरूरतमंद लोगों को सहायता राशि के रुप में 50 लाख रुपए की राशि वितरित की गई है। गोपाल चौहान ने बताया कि संजीवनी सहारा समिति प्रदेश की एक मात्र ऐसी संस्था है, जिसमें विभिन्न विचारधाराओं के लोग एक छत के नीचे अपने मतभेद भुलाकर समाज की भलाई के लिए कार्य कर रहे हैं। वहीं, उन्होंने आगे कहा कि इन ऐतिहासिक 11 वर्षों के दौरान समिति ने उपमंडल रोहडू, प्रदेश व देश के जरुरतमंद एवं असहाय लोगों की आर्थिक मदद की है। समाज सेवा में किए जा रहे कार्यों को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी समिति के सदस्यों से मन की बात कार्यक्रम में जुड़ चुके है व समिति के कार्यों की सराहना कर चुके हैं। सम्मेलन को संबोधित करते हुए समिति के वरिष्ठ सदस्य करतार सिंह ने कहा कि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों को संजीवनी ने अपना नैतिक कर्तव्य समझते हुए घर द्वार पर जाकर राशन सामग्री दी है कई जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक मदद भी दी गई है। सम्मेलन में जिला परिषद उपाध्यक्ष सुरेंद्र रेटका, बलदेव रांटा, रवि किमलाटा, सागर राठौर, प्रेम ठाकुर, जितेंद्र चौहान, रवि रावत, प्रेम नेगी, विपिन नेगी, डिंपल पांजटा, बंटी ठाकुर व संजू सहित समिति के सभी सदस्य मौजूद रहे।

संजीवनी सहारा समिति के 11वें वार्षिक सम्मेलन में मौजूद लोग।

शिमला में आइस स्केटिंग रिंक में हो चुके 68 सेशन

अनंत ज्ञान, शिमला

राजधानी शिमला में बर्फबारी के बाद एक बार फिर से आइस स्केटिंग शुरू हो गई है। बर्फबारी के दौरान इन सेशन को रोकना पड़ता है। अब उस बर्फ को हटा दिया गया है। सेशन शुरू हो गया, लेकिन अब कम लोग ही इसमे हिस्सा ले रहे हैं। अब इसका सीजन भी खत्म हो रहा है। अभी तक आइस स्केटिंग रिंक में 68 सेशन हो चुके हैं, पिछले साल के मुकाबले इस वर्ष ज्यादा सेशन लगे हैं। इसका कारण मौसम का साफ रहना है। अभी रिंक में सुबह का सेशन हो रहा है। शिमला में दिन के समय धूप काफी तेज होती है, जिस कारण शाम के समय तक बर्फ पिघलना शुरू हो जाती है। इस कारण शाम का सेशन नहीं हो रहा है। सुबह के सेशन में स्केटिंग करने के लिए 10 से 15 स्केटर्स ही पहुंच रहें हैं। रात को मौसम साफ रहे और कोहरा पड़े तब तक ही रिंक में स्केटिंग सेशन होगी। अभी तक आइस स्केटिंग रिंक में 68 सेशन हो चुके हैं।

आइस स्केटिंग रिंक में 68 सेशन हो चुके हैं। अभी सुबह के समय ही स्केटिंग हो पा रही है। सुबह के समय 10 से 15 स्केटर्स ही आ रहें हैं।

पंकज प्रभाकर, स्केटिंग रिंक के प्रशिक्षक एवं कोषाध्यक्ष।

1995 से दुग्ध सोसायटी का कर रहे संचालन, 30 वर्ष में दूध खरीद मूल्य केवल 18 रुपए बढ़ा

छह रुपए बढ़ाने पर मुख्यमंत्री का जताया आभार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश के दुग्ध उत्पादकों के साथ संवाद के दौरान विभिन्न दुग्ध सहकारी सभाओं के प्रतिनिधियों ने दूध के खरीद मूल्य एकमुश्त छह रुपए बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का आभार व्यक्त किया।

पालमपुर के अनिल कुमार ने कहा कि वह वर्ष 1995 से दुग्ध सोसायटी का संचालन कर रहे हैं और 30 वर्ष में दूध खरीद मूल्य केवल 18 रुपए बढ़ा, जबकि मुख्यमंत्री ने एक वर्ष में छह रुपए बढ़ाकर प्रदेश के हजारों किसानों को लाभ पहुंचाया है। उन्होंने भेड़ और बकरी की मृत्यु पर मिलने वाले मुआवजे को बढ़ाकर छह हजार रुपए करने तथा गाय-भैंस की मृत्यु पर मिलने वाले मुआवजे को बढ़ाकर 55 हजार करने पर भी मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। वहीं, जिला कांगड़ा के नगरोटा बगवां के विकास सरीन ने कहा कि वह गुड़गांव के एसी ऑफिस में बैठकर काम करते थे और कभी नहीं सोचा था कि दुग्ध सोसायटी बनाकर दूध उत्पादन से जुड़ेंगे।

4500 रुपए प्रतिमाह हो रही अतिरिक्त आय

राज्य सरकार का यह प्रयास सराहनीय

हमीरपुर की नादौन निवासी सुनीता ने कहा कि कभी किसी ने उम्मीद नहीं की थी कि कोई सरकार दूध के खरीद मूल्य को एक साथ छह रुपए बढ़ाएगी, लेकिन मुख्यमंत्री ने दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय देते हुए प्रदेश के हजारों किसानों को लाभ पहुंचाया है, लेकिन वर्तमान राज्य सरकार का यह प्रयास सराहनीय है।

पहले लोग मनमर्जी के मूल्य पर दूध खरीदते थे

कुल्लू निवासी रीना देवी ने भी दूध खरीद मूल्य छह रुपए बढ़ाने पर राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया और कहा कि इससे उनकी आय लगभग 4500 रुपए बढ़ी है। पहले लोग मनमर्जी के मूल्य पर दूध खरीदते थे, लेकिन अब वह मिल्कफैड को दूध बेच कर अच्छा मुनाफा कमा रही है।

मनाली निवासी पन्ना लाल ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से दूध खरीद मूल्य एक साथ छह रुपए बढ़ाने से प्रदेश के हजारों किसानों को लाभ हुआ है और उन्हें अब 4500 रुपए प्रति माह की अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है।

अनाथ व निराश्रित बच्चों का भविष्य संवार रही 'मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना'

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना के तहत इस वित्तीय वर्ष के दौरान बाल संरक्षण संस्थानों के 1084 आश्रितों को दो करोड़ 15 लाख सात हजार रुपए तथा 2718 अनाथ बच्चों को चार हजार रुपए प्रतिमाह जेब खर्च के रूप में चार करोड़ चार लाख 88 हजार रुपए वितरित किए गए हैं। इन संस्थानों के 1084 बच्चों को वस्त्र भत्ते के तहत पांच हजार रुपए प्रति बच्चे की दर से 54 लाख 20 हजार रुपए वितरित किए गए हैं।

इन बच्चों को उत्सव भत्ते के रूप में 59 लाख 81 हजार 500 रुपए तथा पोषक आहार के लिए 2 लाख 52 हजार रुपए वितरित किए गए हैं। संस्थानों के मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप भी प्रदान किए गए हैं। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे 48 लाभार्थियों को 28 लाख 707 रुपए तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 17 लाभार्थियों को 26 लाख 95 हजार 994 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त, स्टार्ट-अप के लिए लाभार्थियों को छह लाख रुपए प्रदान किए गए। वहीं, अनाथ एवं निराश्रित बच्चों को अपनत्व, सुरक्षा एवं संरक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने हाल ही में जिला कांगड़ा के वालामुखी के लुथान में सुख-आश्रय ग्राम परिसर का शिलान्यास किया है।

न्यूज ब्रीफ

किसानों के संगठन 13 को दिल्ली करेंगे कूच

शिमला। संयुक्त किसान मोर्चा सहित विभिन्न राज्यों के किसान संगठनों ने एक बार फिर मोर्चा खोल दिया है। किसानों के संगठन 13 फरवरी को दिल्ली कूच करेंगे। हिमाचल से भी सैकड़ों किसान इस आंदोलन में भाग लेंगे। इसको लेकर एचआरटीसी के दिल्ली जाने वाले रूट में बदलाव किया जा सकता है। चंडीगढ़ से दिल्ली आने-जाने और पंजाब से दिल्ली आने-जाने के लिए रूट डायवर्ट किए गए हैं। दिल्ली आने- जाने के लिए हरियाणा पुलिस ने भी ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की गई है। एचआरटीसी भी हरियाणा पुलिस की एडवाइजरी के अनुसार बस रूट में बदलाव करेगा। हरियाणा पुलिस की ओर से एडवाइजरी की गई है कि हरियाणा से पंजाब की ओर जाने वाले सभी मुख्य मार्गों पर यातायात के बाधित रहने की संभावना है। प्रभावित जिलों खासकर अंबाला, कुरुक्षेत्र, कैथल, जींद, फतेहाबाद, सिरसा में यातायात के रूटों को अस्थायी तौर पर बदलने के लिए पहले से ही तैयारी कर ली गई है। चंडीगढ़ से दिल्ली आने-जाने के लिए रूट तय किए गए हैं।

उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने रविवार को राजभवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से भेंट की। यह एक शिष्टाचार भेंट थी।

128 बूथों पर गांव चलो अभियान के तहत 90 कार्यकर्ताओं की नियुक्ति की

गांव चलो अभियान कार्यशाला की बैठक में मौजूद कार्यकर्ता।

अनंत ज्ञान, रिकांगपिओ

भारतीय जनता पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव में प्रदेश की चारों सीटों को जीतने की रणनीति बनाते हुए गांव चलो अभियान शुरू किया है। इस अभियान की जिला स्तरीय कार्यशाला जिला किन्नौर के मुख्यालय रिकांगपिओ में की गई।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश प्रभारी सूरत नेगी ने उपस्थित जिला व मंडलों के प्रमूख पदाधिकारी के साथ गांव चलो अभियान को लेकर विस्तृत चर्चा की। गांव चलो अभियान के अंतर्गत हर बूथ पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता विस्तारक के रूप में गांव में जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुरू की गई जनकल्याणकारी योजनाओं व उपलब्धियों की जानकारी देंगे तथा लाभार्थियों से वार्ता की जाएगी। एसटी मोर्चा के प्रदेश प्रभारी सूरत नेगी ने बताया कि जिले के 128 बूथों पर गांव चलो अभियान के तहत 90 कार्यकर्ताओं की नियुक्ति की गई है।

सामान सजाने से पीछे नहीं हट रहे तहबाजारी

निगम की टीम पुलिस के साथ लोअर बाजार पहुंची, तहबाजारियों को उठा दिया गया

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

राजधानी शिमला के लोअर बाजार में इस रविवार को भी निगम का डंडा चला। शहर में बाहरी क्षेत्रों से रविवार के दिन दुकानें लगाने के लिए काफी व्यापारी पहुंचते हैं।

इनको उठाने का निगम ने नीति गत फैसला लिया है। इसी के तहत रविवार को निगम की टीम पुलिस के साथ लोअर बाजार पहुंची। सभी तहबाजारियों को उठा दिया गया। शहर में शिमला ही नहीं, बल्कि पड़ोसी राज्यों से भी व्यापारी अपनी दुकानें लगाते हैं। इससे नाराज होकर शिमला व्यापार मंडल ने आयुक्त को ज्ञापन सौंपा था और इनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की थी। इसके बाद से हर रविवार को निगम प्रशासन की ओर से इनके खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाती है। बाजार में कई जगह दुकानदार जरूरत से अधिक बाहर सामान फैला देते हैं और वहीं ओवर हैंगिग भी करते हैं। कई जगह तहबाजारी सामान की पोटली खोलकर दुकान के आगे बैठे रहते हैं। व्यापारियों और दुकानदारों के ऐसा करने से बाजार की सड़क और तंग हो जाती है।

लोअर बाजार में तहबाजारियों की ओर से लगाई गई संडे मार्केट।

शहर के दुकानदारों और तहबाजारियों को निगम के नियमों का उल्लंघन नहीं करना चाहिए। अब निगम प्रशासन चौकन्ना हो गया है। संडे मार्केट लगने के कारण बाजार में चलना मुश्किल होता है। इसके लिए निगम प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा।

भूपेंद्र अत्री, आयुक्त नगर निगम शिमला।

हाई कोर्ट के आदेशों का हो रहा उल्लंघन

लोअर बाजार में अवैध तौर पर दुकानें लगाने से यहां कई बार एंबुलेंस फंस चुकी है। इससे मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में दिक्कत आती है। हाई कोर्ट ने शिमला के लोअर बाजार से अतिक्रमण हटाने के लिए जारी आदेशों में स्पष्ट कहा था कि कोई भी दुकानदार गली के किनारों और नालियों पर सामान प्रदर्शित नहीं कर सकेगा। किसी भी दुकान के आगे तिरपाल लगाने की अनुमति नहीं होगी। निगम शिमला की परिधि में किसी भी तहबाजारी को दुकान के आगे नाली पर बैठकर सामान बेचने की अनुमति नहीं दी जाती है।

तैयारियां 15 फरवरी को बजट होगा पेश, जनता से भी लिए गए सुझाव, निगम प्रशासन के पास आए 225 सुझाव

शहरवासियों की आस पर खरा उतरेगा नगर निगम का बजट

आशिमा वैरागी, शिमला

नगर निगम का बजट 15 फरवरी को पेश किया जाना है। शिमला शहरवासियों को इस बार बजट से बहुत आस है। कांग्रेस शासित निगम अपना पहला बजट पेश करेगा।

इसको लेकर पूर्व मेयर से भी सुझाव लिए गए हैं। बीते वर्ष भारी बरसात के चलते शिमला मे करोड़ों का नुकसान हुआ था, उसकी भरपाई के लिए बजट में प्रावधान हो सकता है। शहर में बारिश के कारण कई सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं, वहीं पेड़ों के गिरने से भी घरों को नुकसान हुआ था अब इसके लिए भी समाधान हो सकता है।

ड्रेनेज सिस्टम में सुधार के लिए भी कोई न कोई रास्ता निकाला जाएगा। शहर के कारोबारियों से लेकर विभिन्न वर्गों से सुझाव लिए जा रहे हैं। सुझावों को देखते हुए ही बजट तैयार किया जाएगा। पहली बार ऐसा देखने को मिला है कि बजट में जनता से सुझाव लिए जा रहा हैं। अभी तक निगम के पास 225 के करीब सुझाव आ चुके हैं। इन्ही सुझावों को शामिल करके बजट तैयार किया जाएगा। इसके साथ ही शहर को कम से कम खर्च में अधिक से अधिक सुविधा कैसे मिल सकती है, इस दिशा में बजट पर काम किया जा रहा है। निगम के अधिकारियों के साथ पूरी योजना बैठक में तैयार की है। अब इसे सोमवार को होने वाली वित्त कमेटी की बैठक में मंजूरी दी जानी है। (अनंत ज्ञान)

टूरिज्म के लिए भी हो बजट में प्रावधान

शिमला को अधिकतर इनकम टूरिज्म से होती है। शहर को यदि सुंदर और अट्रैक्टिव बनाया जाए, तो अधिक पर्यटक यहां पहुंचेंगे। टूरिज्म योजनाओं पर भी निगम बजट में कोई न कोई प्रावधान करेगा।

पानी की समस्या से मिलेगी निजात

राजधानी में गर्मियों में अक्सर पानी की समस्या रहती है। इस समस्या से निजात के लिए निगम के बजट में प्रावधान होगा। शहरवासियों को 24 घंटे पानी मिले इसके लिए बजट तैयार किया जाएगा।

खाली पड़ी जगह पर लोगों के लिए रोजगार खोला जाना चाहिए

शहर में सभी खाली पड़ी जगह पर बेरोजगार लोगों के लिए रोजगार खोला जाना चाहिए। हर वार्ड में एक औषधालय बनाना चाहिए, इससे रोजगार के साथ-साथ लोगों को भी मुनाफा होगा। शहर में लोगों को रिपन और आईजीएमसी जाने की आवधीकता नहीं होगी।

दौलत चौहान, स्थानीय निवासी।

शिमला के ऐतेहासिक रिज मैदान पर बुजुर्गों को बैठने के लिए बेंच नहीं है। इससे बुजुर्ग रिज नहीं आते। पर्यटक और बूढ़े लोगों के लिए बैंच की सुविधा होनी चाहिए।

सुभाष, स्थानीय निवासी।

बजट के दायरे में हो सकती है बढ़ोतरी

इस वर्ष निगम बजट के दायरे में बढ़ोतरी हो सकती है। शहर के वार्डों में जितनी भी सड़कों का काम लोक निर्माण विभाग या अन्य एजेंसियां करेंगी, उन्हें बजट में शामिल किया जा सकता है। सीवरेज और पानी के जुड़े प्रोजेक्ट पर जितना खर्च होगा, वो भी निगम के बजट में दिखाया जाएगा।

निगम को अब टैक्स मे बढ़ोतरी नहीं करनी चाहिए। इससे लोग और ज्यादा परेशान हो रहे हैं। इसके बजाय टूरिज्म की ओर ध्यान देकर शहर को आकर्षित बनाकर, पार्किंग निर्माण कर, पार्क बनाकर इन्कम ग्रहण की जा सकती है।

मोहन ठाकुर, स्थानीय निवासी।

लोगों तक सरकार की योजनाओं को पहुंचा रहे फोक मीडिया के कलाकार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

शिमला के मशोबरा पंचायत और पंचायत बलदेया, स्वर साधना कला मंच के कलाकारों ने रविवार को अनाडेल तथा ऑकलैंड टनल, पंचायत भराड़ी लोटस वेलफेयर सोसायटी के कलाकारों ने प्रदेश सरकार की योजनाओं से आम जनता को अवगत करवाया।

फोक मीडिया कलाकार शिमला के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों को गीत-संगीत और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों एवं कार्यक्रमों तथा विभिन्न विभागों के माध्यम से चलाई जा रही योजनाओं को आम जनमानस तक पहुंचा रहा है। जिला शिमला की विभिन्न पंचायतों में गीत-संगीत व नुक्कड़ नाटक से जागरूक किया जा रहा है। लोगों को बताया गया कि बच्चों का स्टाइपेंड बढ़ाकर 1000 रुपए करने की घोषणा की गई है। इंदिरा गांधी बालिका सुरक्षा योजना के तहत एक बेटी के बाद परिवार नियोजन अपनाने वाले परिवार को मिलने वाली 35 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि बढ़ाकर दो लाख रुपए करने और दो बेटियों के बाद परिवार नियोजन पर मिलने वाली 25 हजार रुपए की राशि एक लाख रुपए करने की घोषणा की गई है।

न्यूज ब्रीफ

मूल पेंशन में समायोजित की जाए वेतन वृद्धि

नाहन। जिला मुख्यालय नाहन के सनातन धर्म मंदिर में रविवार को हिमाचल पथ परिवहन सेवानिवृत्त कर्मचारी कल्याण मंच की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मोहन सिंह ठाकुर ने कहा कि निगम प्रबंधन सेवानिवृत्तों के हितों का ध्यान रखते हुए पहली जनवरी, 2006 व पहली जनवरी, 2016 से संशोधित वेतनमान का लाभ अविलंब प्रदान करें। उन्होंने कहा कि मेडिकल अलाउंस की सीमा एक हजार रुपए मासिक फिक्स की जाए। साथ ही 65-70-75-80 वर्षीय वेतन वृद्धि मूल पेंशन में समायोजित किया जाए। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्तों को फ्री ट्रैवलिंग के पहचान पत्र जारी किए जाए और जिन सेवानिवृत्तों को दो वेतन वृद्धियां नहीं दी गई हैं, वे भी जारी की जाएं। बैठक में मोहन सिंह ठाकुर, हर शरण शर्मा, गुमान सिंह, हरबंस सिंह, लायक राम, सोमदत्त, रोशन लाल और राधा देवी व अन्य लोग उपस्थित रहे।

क्विज प्रतियोगिता में 100 बच्चों ने लिया भाग

नाहन। जिला मुख्यालय नाहन में स्पेशल ओलंपिक के तत्त्वावधान में दिव्यांग बच्चों के लिए जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में जिला सिरमौर के करीब 100 बच्चों ने हिस्सा लिया। स्पेशल ओलंपिक सिरमौर चैप्टर के अध्यक्ष आशुतोष गुप्ता ने बताया कि विशेष बच्चों को मुख्य धारा से जोड़ने के मकसद से स्पेशल ओलंपिक के तत्त्वावधान में ये क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसकी नींव स्पेशल ओलंपिक इंडिया चैप्टर की प्रेसिडेंट मल्लिका नेडा ने रखी थी। आईटीसी द्वारा प्रायोजित इस प्रतियोगिता को पूरे हिमाचल में चेतना संस्थान द्वारा आयोजित किया जा रहा है। यह प्रतियोगिताएं कुछ जिलों में हो चुकी हैं और कुछ जिलों में होनी बाकी हैं। इन प्रतियोगिताओं के विजेता खिलाड़ी राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। इस प्रतियोगिता का अलग-अलग आयु वर्ग के लिए आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न टीमों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता के बाद विशेष बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

आरओ ने बताया वन मित्र भर्ती में अंकों का गणित

अर्की। वनमित्र भर्ती में शारीरिक दक्षता परीक्षा के पश्चात शीघ्र ही व्यक्तिगत परीक्षा होने वाली है। इस बारे में वन उपमंडलाधिकारी, यानी आरओ किशोरी भारद्वाज ने

बताया कि इस परीक्षा में सरकार द्वारा विभिन्न प्रमाणपत्र के अलग-अलग नंबर देने निश्चित किए गए हैं, जैसे कि बीपीएल सर्टिफिकेट के दो नंबर, एसटीएससी सर्टिफिकेट के दो नंबर, एनसीसी-एनएसएस व स्काउट एंड गाइड के सर्टिफिकेट के योग्यतानुसार पांच नंबर, विधवा, तलाकशुदा व एकल नारी सर्टिफिकेट के तीन नंबर, परिवार में एकल बेटी सर्टिफिकेट के तीन नंबर व्यक्तिगत साक्षात्कार के दस नंबर व प्लस टू में नंबरों के आधार पर 75 नंबर देने सुनिश्चित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि साक्षात्कार में सभी प्रतिभागी अपने मूल प्रमाणपत्रों के साथ आधार कार्ड अवश्य लाएं।

अर्की भाजपा ने बनाई लोस चुनाव फतह की रणनीति

ग्राम बठोह के बूथ नंबर 71 पर भाजपा की बैठक में हिस्सा लेते ग्रामीण।

अर्की। भारतीय जनता पार्टी अर्की मंडल द्वारा गांव चलो अभियान को लेकर मटेरनी पंचायत के ग्राम बठोह के बूथ नंबर 71 पर बैठक हुई। बैठक में भाजपा कार्यकर्ताओं और संबंधित क्षेत्रवासियों के बीच आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव बारे विस्तृत रूप से चर्चा हुई । लोकसभा चुनावों में भारी मतों से जीत के लिए रणनीति तैयार की गई। बैठक मे भारतीय जनता पार्टी अर्की मंडल सचिव रमेश ठाकुर, भाजपा जिला सोलन कार्यकारी सदस्य करतार सिंह, बठोह बूथ अध्यक्ष रोशन लाल, बूथ पालक हरि राम, बीएलए मीरा देवी, रक्षा देवी, रमेश नंदा, चेत राम, मनसा राम, नीम चंद, प्रकाश व नंदलाल सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

गोपाल को सौंपी अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी

पांवटा साहिब। रविवार को शिव मंदिर पांवटा साहिब में आउटसोर्स कर्मचारी महासंघ सिरमौर के अध्यक्ष राजेश चौहान की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में तय किया गया था कि आगामी सरकार के बजट सत्र- 2024 में आउटसोर्स कर्मचारी महासंघ अपनी कुछ महत्वपूर्ण मांगों को लेकर सरकार से मिलेंगे। इस मीटिंग में शामिल जिला सिरमौर के सदस्यों ने कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में सुझाव दिया गया कि समस्त आउट सोर्स कर्मचारियों के लिए नौकरी की सुरक्षा का प्रावधान किया जाए। इसके साथ विद्युत मंडल पांवटा साहिब के आउटसोर्स कर्मचारी की नई कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। कार्यकारिणी के अध्यक्ष गोपाल चौहान, कैशियर यशपाल चौहान, जनरल सेक्रेटरी हर्षवर्धन, वाइस प्रेसिडेंट अनुराग भंडारी, चीफ एडवाइजर आई खान तथा सलाहकार के रूप में जयप्रकाश चुना गया।

अर्द्धनारेश्वर और मजदूरों से लोग परेशान

राजगढ़। नगर पंचायत राजगढ़ व ग्राम पंचायत शलाना व साथ लगते क्षेत्र के स्थानीय लोगों ने एसडीएम राजगढ़ को अर्द्धनारेश्वर द्वारा लोगों से विवाह व पुत्र जन्म इत्यादि मामलों में अधिक पैसा वसूलने तथा यहां अस्थायी रूप से कार्य कर रहे नेपाली मजदूरों द्वारा मनमानी मजदूरी लेने के बारे में लिखित शिकायत पत्र स्थानीय प्रशासन को सौंपा है। इस विषय को लेकर स्थानीय लोगों के प्रतिनिधिमंडल में नरेंद्र शर्मा, रतन कश्यप, सुरेश कुमार व रणजीत ठाकुर इत्यादि शामिल थे। प्रतिनिधि मंडल ने एसडीएम राजकुमार ठाकुर से मिलकर उन्हें एक लिखित शिकायत पत्र सौंपा । इन सभी लोगों का कहना था कि राजगढ़ के साथ लगते टिक्कर मार्ग में कुछ अर्द्धनारेश्वर रहते हैं और यह राजगढ़ क्षेत्र में गांवों में जाकर पुत्र के विवाह तथा किसी के घर लड़का होने पर उस परिवार से जबरन पैसा वसूल रहे हैं। पहले यह 51 हजार मांगते हैं और लोगों को श्राप का डर दिखाकर 15-20 हजार तक वसूल कर लेते हैं। इन लोगों ने यह शिकायत भी की कि यहां अस्थायी रूप से रह रहे नेपाली मजदूर राजगढ़ में बहुत अधिक दिहाड़ी व मजदूरी वसूल कर रहे हैं। एसडीएम राजकुमार ठाकुर ने शिकायत मिलने की पुष्टि की है।

जिला स्तरीय क्रिकेट सीनियर टीम का चयन आज

सोलन। ठोडो मैदान सोलन में सोमवार को जिला स्तरीय क्रिकेट सीनियर टीम का चयन किया जाएगा। यहां सुबह दस बजे ट्रायल शुरू होगा और बेहतर खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। पहले कैंप के लिए कुल 22 खिलाड़ी सलेक्ट होंगे। इसके बाद आगे 15 खिलाड़ियों को टीम में खेलने का मौका मिलेगा। इसके लिए खिलाड़ियों को जरूरी दस्तावेजों में आधार कार्ड, बर्थ सर्टिफिकेट, दसवीं की मार्कशीट, पासपोर्ट साइज फोटो, हिमाचली सर्टिफिकेट लाना होगा। सोलन डिस्ट्रिक क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव राजेश पुरी ने कहा कि 12 फरवरी को ठोडो मैदान में अधिक से अधिक खिलाड़ी पहुंच कर अपनी प्रतिभा का प्रर्दशन करें।

एसवीएन स्कूल नाहन ने 50 वर्ष पूरे होने पर मनाई गोल्डन जुबली

अनंत ज्ञान, नाहन

पिछले 50 सालों से शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा एसवीएन स्कूल अपनी गोल्डन जुबली मना रहा है, जिसके मद्देनजर स्कूल में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। स्कूल प्रबंधन द्वारा रविवार को स्कूल की पहली तीन कक्षाओं के छात्रों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान नन्हे-मुन्ने छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर खूब वाहवाही लूटी।

स्कूली बच्चे यहां पहाड़ी फिल्मी, नेपाली और पंजाबी गानों पर थिरकते नजर आए। स्कूल के प्रिंसिपल कुंदन सिंह ठाकुर ने बताया कि 50 साल पहले 1974 को यह स्कूल शुरू हुआ था और आज 50 साल पूरे कर अपनी

गोल्डन जुबली कार्यक्रम के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे।

गोल्डन जुबली मना रहा है। समारोह में स्कूल के हर बच्चे को स्टेज पर परफॉर्म करने का अवसर दिया जा रहा है, ताकि हर बच्चा अपनी प्रतिभा दिखा सके। उच्च कक्षाओं के छात्रों के लिए मई माह में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उनकी परीक्षाओं को देखते हुए अभी उनकी भागीदारी सुनिश्चित नहीं की गई है।

भूमती स्कूल की पूर्णिमा का मॉडल राष्ट्रीय स्तर पर चयनित

अनंत ज्ञान, अर्की

राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भूमती की 11वीं कक्षा की छात्रा पूर्णिमा द्वारा निर्मित मॉडल का राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन होने पर विद्यालय व क्षेत्र में प्रसन्नता का माहौल है।

मीडिया प्रभारी चंद्रमणि महंत ने बताया कि राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा सोलन में आयोजित राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया, जिसमें विद्यालय की छात्रा पूर्णिमा शर्मा द्वारा सोलर सिस्टम के बहु आयामी प्रयोग थीम पर आधारित मॉडल ने प्रदेश भर में प्रथम स्थान अर्जित किया। उन्होंने बताया कि छात्रा के मॉडल का चयन राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। साथ ही अन्य छात्र मयंक ने भी अन्वेषण प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन

पूर्णिमा को सम्मानित करते आयोजक।

किया। छात्रों ने इस उपलब्धि का श्रेय भौतिक शास्त्र के प्रवक्ता अंकित कौंडल, अर्चना शर्मा व ललित ठाकुर को दिया है। इस उपलब्धि पर प्रधान योगेश, प्रधानाचार्य हेमराज, जयनंद शर्मा, कुलदीप शर्मा, प्रकाश चंद, हेमचंद शर्मा, ज्ञान चंद शर्मा सहित अन्य ने बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

ग्राम सुधार समिति बथालग के प्रधान बने मुनीष

अर्की। ग्राम सुधार समिति बथालग की चुनावी बैठक पूर्व प्रधान जगदीश शर्मा की अध्यक्षता में हुई। इस मौके पर सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी गठन किया गया, जिसमें मुनीष भारद्वाज को प्रधान, नरेश शर्मा को सचिव, राजीव शर्मा को कोषाध्यक्ष चुना गया गया। इसके अतिरिक्त दिला राम शर्मा, कपिल शर्मा, कैलाश शर्मा, अशोक शर्मा, जगदीश शर्मा, ललित शर्मा, तारा चंद शर्मा, मदन शर्मा, राजेश शर्मा को सदस्य नियुक्त किया गया। इस मौके पर नवनिर्वाचित प्रधान मनीष भारद्वाज ने कहा कि वह अपने क्षेत्र के उत्थान के लिए सभी ग्रामवासियों के सहयोग से कार्य करेंगे।

केंद्र सरकार के खिलाफ देशव्यापी हड़ताल की तैयारी में ट्रेड यूनियनें

विभिन्न ट्रेड यूनियनों ने बद्दी में राज्यस्तरीय अधिवेशन में बनाई रणनीति

अनंत ज्ञान, बीबीएन

मोदी सरकार की कथित मजदूर, कर्मचारी, ट्रांसपोर्ट व किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ 16 फरवरी की देशव्यापी हड़ताल की तैयारियों के सिलसिले में सीटू, इंटक, एटक सहित केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच ने औद्योगिक मजदूरों का एक राज्य स्तरीय अधिवेशन भुड बैरियर बद्दी में आयोजित किया।

इस अधिवेशन को सीटू राष्ट्रीय सचिव डॉ. कश्मीर ठाकुर, इंटक प्रदेशाध्यक्ष बाबा हरदीप सिंह, एटक प्रदेशाध्यक्ष जगदीश चंद्र भारद्वाज, सीटू प्रदेशाध्यक्ष विजेंद्र मेहरा समेत कई पदाधिकारियों ने रणनीति तैयार की। ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच

बद्दी में आयोजित राज्यस्तरीय अधिवेशन में मंच पर बैठे ट्रेड यूनियनों के पदाधिकारी।

का कहना है कि केंद्र की मोदी सरकार पूरी तरह पूंजीपतियों के साथ खड़ी हो गई है व आर्थिक संसाधनों को आम जनता से छीनकर अमीरों के हवाले करने के रास्ते पर आगे बढ़ रही है। सीटू राष्ट्रीय सचिव डॉ. कश्मीर ठाकुर ने कहा कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के नारे की आड़ में मजदूर विरोधी श्रम कानून को थोपने, 12 घंटे की ड्यूटी, फिक्स टर्म व मल्टी टास्क रोजगार लागू करने, हड़ताल पर अघोषित प्रतिबंध लगाने व सामाजिक सुरक्षा को खत्म करने की नीति पर आगे बढ़कर यह सरकार इंडिया ऑन सेल, बंधुआ मजदूरी व गुलामी की थ्योरी को लागू कर रही है। इससे केवल पूंजीपतियों, उद्योगपतियों व कॉरपोरेट घरानों को फायदा होने वाला है। इससे गरीब और ज्यादा गरीब होगा। सीटू प्रदेशाध्यक्ष विजेंद्र मेहरा ने कहा कि यह सरकार जनता को मूर्ख बनाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि टैक्स चोरी करने वाले पूंजीपतियों को सरकार ने पिछले पांच वर्षों में लगातार संरक्षण दिया है। बैठक में जगत राम, इंटक जिलाध्यक्ष श्याम ठाकुर, एटक जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा व उपाध्यक्ष नरेश घई ने भी संबोधित किया। अधिवेशन में ओमदत्त शर्मा, दलजीत सिंह, अनूप पराशर, राजन गोयल, पीतांबर, गजेंद्र, अभिषेक, रविंद्र, अनिल, विकास व जितेंद्र समेत कई मजदूर नेता मौजूद रहे।

कीकर-नवगांव उठाऊ पेयजल योजना

जिला पुलिस और प्रशासन के लिए अग्नि परीक्षा का दिन आज

अनंत ज्ञान, सोलन

कीकर-नवगांव उठाऊ पेयजल योजना के खिलाफ बिलासपुर जिले के सीमावर्ती गांवों की जनता के आज काम रोकने के ऐलान के साथ ही सोलन क्षेत्र के जनप्रतिनिधि व पुलिस प्रशासन भी अलर्ट मोड पर आ गए हैं।

अनंत ज्ञान फॉलोअप

जनप्रतिनिधि इस योजना को किसी भी सूरत में न रोकने के लिए सरकार पर दवाब बनाने के लिए रणनीति बना रहे हैं, तो सोलन जिला प्रशासन व पुलिस ने भी सोमवार को मोर्चे पर अतिरिक्त पुलिस व अधिकारियों की टीम तैनात करने की योजना बनाई है। रविवार को योजना स्थल पर तनावपूर्ण स्थिति रही। दरअसल बिलासपुर के त्रिवेणीघाट में शनिवार को हुई महापंचायत में निर्णय लिया गया था कि यदि सोमवार से पेयजल योजना का काम बंद न किया तो इसका विरोध कर रहे कई गांवों के लिए जेल भरो आंदोलन शुरू करेंगे। पुलिस के खुफिया तंत्र का कहना है कि इससे पहले योजना को रोकने का प्रयास किया जाएगा, जिससे दोनों ओर के लोग आमने-सामने आ सकते हैं। सोलन के एसपी गौरव सिंह ने बताया कि मौके पर पहले ही दिन से पुलिस बल तैनात किया गया है, लेकिन बिलासुपर जिले के लोगों द्वारा महापंचायत में किए गए ऐलान को देखते हुए सोमवार को अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर भेजा जाएगा। उधर इस परियोजना से लाभान्वित होने वाले अर्की उपमंडल की समस्त आठों पंचायतों से जुड़े जनप्रतिनिधि भी एकजुट होकर बिलासपुर क्षेत्र के लोगों के निर्णय को गलत ठहराते हुए योजना को अपना समर्थन देने के लिए सोमवार को मौके पर पहुंचेंगे।

उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान के पास झूठ बोलने का अतिरिक्त विभाग: बलदेव तोमर

पांवटा साहिब। उद्योग मंत्री के बांदली ढाढस सीनियर सेकेंडरी स्कूल के वार्षिक समारोह में भाषण को भाजपा नेता व शिलाई के पूर्व विधायक बलदेव तोमर ने झूठ

का पुलिंदा बताया है। उन्होंने हर्षवर्धन चौहान पर इस कार्यक्रम में हाटी मुद्दे पर बच्चों को झूठ का पाठ पढ़ाने का आरोप लगाया। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक शिलाई बलदेव तोमर ने कहा कि ऐसा लगता है कि उद्योग मंत्री ने झूठ बोलने का एक अतिरिक्त विभाग अपने पास ले लिया है। दरअसल अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए झूठ बोलने की मजबूरी हो गई है, लेकिन बच्चे को झूठ का पाठ पढ़ाना नहीं चाहिए। बलदेव तोमर ने कहा कि उद्योग मंत्री के पिता और उन्होंने हाटी मुद्दे पर यदि ईमानदारी और गंभीरता से प्रयास किए होते तो आज 56 साल नहीं लगते। दूसरा बड़ा झूठ कि 1998 में हाटी शब्द को उन्होंने जोड़ा है। जिनको हाटियों की संस्कृति, रीति-रिवाज, बोली भाषा तक का पता नहीं, वे कहां हाटी शब्द को समझ और जोड़ सकते हैं।

राजगढ़ शहर में मुद्रिका बस सेवा शुरू करने की मांग

अनंत ज्ञान, राजगढ़

राजगढ़ शहर में लोग पिछले काफी समय से मुद्रिका बस सेवा आंरभ करने की मांग कर रहे हैं, मगर यहां लोगों की यह मांग पूरी नहीं हो पा रही है। मुद्रिका बस सेवा न होने के कारण लोगों को जहां भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं लोगों को भारी आर्थिक हानि भी हो रही है।

यहां काबिले जिक्र है कि राजगढ़ शहर छोटा भले ही है, मगर चारों और फैला हुआ है और सभी सरकारी व निजी संस्थान यहां हैं। राजगढ़ उपमंडल मुख्यालय से चारों और सड़कें जाती हैं, जिसमें एक ओर नाहन, खैरी, टिक्कर सड़क दूसरी और नौहराधार, तीसरी हाब्बन व चौथी सड़क सोलन की ओर जाती है।

ये सभी सड़कें अलग-अलग दिशा में जाती हैं। अब अगर इन सड़कों पर स्थापित सरकारी व निजी संस्थानों की बात करें तो सोलन सड़क पर राजकीय महाविद्यालय, हाब्बन सड़क पर नागरिक अस्पताल, आयुर्वेदिक चिकित्सालय, जल शक्ति विभाग का मंडल कार्यालय, बागवानी विभाग का कार्यालय, वन मंडल कार्यालय व वन परिक्षेत्र कार्यलय, उपमंडल पशु चिकित्सालय, दुग्ध अभिशीतन केंद्र, खैरी व टिक्कर सड़क प्रगति आईटीआई, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, बीएड कॉलेज, इसी तरह नौहराधार सड़क पर एसडीएम कार्यालय, तहसील कार्यालय आदि शामिल हैं।

यहां रिक्शा और थ्री व्हीलर की सुविधा भी नहीं

यहां सबसे बड़ी समस्या यह है कि रिक्शा या थ्री व्हीलर आदि कोई सुविधा नहीं है। केवल टैक्सी ही एकमात्र साधन है और लोगों को टैक्सी सेवा बहुत महंगी पड़ती है क्योंकि यहां सभी सड़कों पर कार्यालय दो से पांच किमी की दूरी पर हैं। लोगों को टैक्सी सेवा लेनी पड़ती है, जो काफी महंगी पड़ती है। यहां बस चलने से लोगों को महंगे परिवहन से छुटकारा मिल सकता है।

खाई में गिरी जेसीबी, हेल्पर की मौत

अनंत ज्ञान, अर्की

चडयांड गांव के पास सड़क किनारे खड़ी एक जेसीबी मशीन हेल्पर के सफाई के दौरान 350 फुट गहरी खाई में गिर गई। मशीन का हेल्पर भी खाई में गिरा हुआ मिला। उसे चिकित्सालय पहुंचाया गया है, जहां उसकी मौत हो गई। अर्की पुलिस ने जेसीबी चालक की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करके छानबीन शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार चंबा के भांदल क्षेत्र के चुटेड़ गांव निवासी सुनील कुमार ने बताया कि वह जेसीबी चालक है व पिछले एक महीने से अर्की धैणा गांव निवासी भूप चंद की मशीन चला रहा है। इसके साथ रामशहर के मनलोग गांव का मुकेश बतौर हेल्पर काम करता है। उसने पुलिस को बताया कि जघुन पंचायत में कटिंग का काम चल रहा था, शाम को काम बंद होने पर जेसीबी मालिक ने उसे लिंक रोड चडयांड में गिरी मिट्टी को हटाने के लिए भेजा था। डीएसपी दाड़लाघाट संदीप शर्मा ने मामले की पुष्टि की है।

पुलिस में मामला दर्ज

सुनील कुमार ने बताया कि वह मशीन व हेल्पर मुकेश को लेकर मौके पर पहुंच गया। यहां सड़क में थोड़ा सा काम था। इसलिए काम से जल्द फारिग हो गए और मशीन सड़क के किनारे खड़ी कर दी। वह

काम समाप्त करने के बाद काम के पैसे लेने को मिट्टी मालिक के पास चला गया। मुकेश उस समय जेसीबी की सफाई कर रहा था। थोड़ी देर बाद कुछ बच्चों ने उसे बताया कि उसकी जेसीबी मशीन ढांक से नीचे गिर गई है, जिस पर वह एकदम मौके पर पहुंचा तो इसने देखा कि मशीन करीब 350 फुट नीचे ढांक में गिरी थी। मुकेश मशीन के साथ गिरा पड़ा था। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

राजकीय सेवानिवृत्त अध्यापक संघ की बैठक में उठी देय भुगतान की मांग

पांवटा साहिब। राजकीय सेवानिवृत्त अध्यापक संघ पांवटा इकाई की त्रैमासिक बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष गुरदयाल सिंह ने की। सभा में प्रस्ताव पारित किया गया कि सम्मानित होने वाले सदस्य को वर्ष में होने वाली बैठकों में एक या दो बार भाग लेना अनिवार्य होगा। प्रति वर्ष प्रत्येक सदस्य को वार्षिक चंदा कुल 600 रुपए देना होगा। संघ ने वरिष्ठ व सक्रिय सदस्य बालक सिंह सेवानिवृत्त बीपीईओ को पांच गोल्ड मैडल जीतने पर सम्मानित किया। बैठक में सेवानिवृत्त अध्यापकों ने रोष प्रकट किया कि सरकार उनके प्रति असंवेदनशील प्रतीत हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार 1 जनवरी 2016 से देनदारियों के बारे में कोई सकारात्मक कदम नहीं उठा रही है। महंगाई भत्ते की तीन किस्तें अभी भी देय हैं। इस दौरान प्रधान गुरदियाल सिंह सैनी, भूषण कुमार, वरिष्ठ उपप्रधान ओम प्रकाश, उपप्रधान तारा चंद, सुरजीत सिंह, शरीफ मोहम्मद, सलाहकार थेबाराम, जुगल किशोर, एमएल ढींगरा, बक्शीराम, तरसेम सिंह सैनी, एसएस बैंस, रविन्द्र कुमार, खेमचंद, अश्मीर मोहम्मद, राजेंद्र गुप्ता, जयगोपाल, बालक सिंह सैनी व एसएन कौशिक ने भाग लिया।

बोहली में 70 महिलाओं की जांची सेहत

सोलन। भारत विकास परिषद सोलन द्वारा बोहली में मातृ शक्ति संवाद सम्मेलन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के मुख्यातिथि बीडीसी चेयरमैन भीम सिंह तथा विशेष अतिथि पंचायत प्रधान राकेश कुमार रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर्नल अरुण कैथला की। मातृ शक्ति संवाद सम्मेलन प्रोजेक्ट की चेयरपर्सन नीलम शर्मा रही। डॉ. सत्यव्रत भारद्वाज ने भी अपने विचार रखे। मंच का संचालन डॉ. रामगोपाल शर्मा और अन्नपूर्णा ममगाई ने तथा धन्यवाद अजय ठाकुर ने किया। इस कार्यक्रम में आत्मनिर्भर भारत तथा एनीमिया मुक्त भारत थीम के अंतर्गत 70 महिलाओं का हीमोग्लोबिन परीक्षण भी किया गया। आईजीएमसी के प्रोफेसर डॉ. विनय सोम्या ने महिलाओं के सामान्य स्वास्थ्य पर जानकारी दी तथा सामान्य चिकित्सीय परामर्श भी किया। कार्यक्रम में प्रांत महासचिव अशोक टंडन, सुभाष ठाकुर, नरेश गुप्ता, अन्नपूर्णा ममगाई, दीपांजली शर्मा, डॉ. सुधा गुप्ता, स्नेह लता, उमा टंडन, शिखा भारद्वाज, अंजना ठाकुर तथा अन्य मौजूद रहे। यह जानकारी डॉ. रामगोपाल शर्मा सचिव भारत विकास परिषद सोलन ने दी।

नाहन की 24 वन बीटों में वन मित्र भर्ती संपन्न

नाहन। वन परिक्षेत्र नाहन के तहत कुल 24 वन बीटों की वन मित्र भर्ती प्रक्रिया संपन्न हो गई है। अब चयनित अभ्यर्थी लिखित परीक्षा में भाग लेंगे। वन परिषद अधिकारी नाहन ने मीडिया को हुए बताया कि 325 अभ्यर्थियों को शारीरिक दक्षता के लिए वन खंड कार्यालय विक्रम बाग में बुलाया गया था, जिसमें से कुल 279 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि यहां उपस्थित प्रतिभागियों में से 192 अभ्यर्थियों ने शारीरिक दक्षता परीक्षा को पास किया है, जबकि 87 अभ्यर्थी शारीरिक परीक्षा में असफल रहे। उन्होंने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों में 150 पुरुष व 42 महिलाएं शामिल हैं।

आयोजन सरस्वती विद्या मंदिर बरोटीवाला में धूमधाम से मनाया वार्षिक समारोह

नाटक से बताए सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव

अनंत ज्ञान, बीबीएन

सरस्वती विद्या मंदिर बरोटीबाला में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में स्टील बर्ड के प्रबंधक विक्रम शर्मा उपस्थित हुए। विशिष्ट अतिथि के रूप में इवेंट्स पैकिजिंग के प्रबंधक मुकेश, हिम कॉप प्रबंधक अजय चौहान, पंचायत समिति सदस्य सुदामा कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई।

विद्यालय की अष्टम कक्षा की छात्राओं ने सरस्वती वंदना का गायन करने के बाद बच्चों ने रंगारग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सर्वप्रथम मुस्कान ने मराठी गीत पर प्रस्तुति देकर उपस्थित अतिथियों का मन मोह लिया। विद्यालय परिवार की ओर से प्रधानाचार्य पवन कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत

सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल के वार्षिक समारोह में मेधावी छात्रों को सम्मानित करते मुख्यातिथि।

किया और विद्यालय द्वारा चलाई जा रही गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन अध्यापिका दामिनी और पूजा ने किया। उसके बाद कक्षा नर्सरी के छात्रों ने देखो वह पेड़ है, उदय ने नानी तेरी मोरनी को मोर ले गए, कक्षा थर्ड के छात्रों ने जय हो और कक्षा पांच ने मेरे घर राम आए हैं प्रस्तुत किए। इसके बाद विद्यालय के छात्रों ने सोशल मीडिया के दुष्परिणाम पर एक नाटक प्रस्तुत किया। छात्राओं के पंजाबी भांगड़े ने सभी अतिथियों को भांगड़ा करने पर मजबूर कर दिया। इस अवसर पर मुख्यातिथि विक्रम शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा विद्यार्थियों का स्कूल में आने का उद्देश्य केवल किताबें पढ़ना नहीं है, बल्कि ज्ञान प्राप्त करना है। विद्यार्थियों के भविष्य को ज्ञान से उज्ज्वल बनाने में शिक्षक की महत्वपूर्ण अहम भूमिका होती है, जबकि बेहतर संस्कार देने में अभिभावकों का अहम योगदान देता है। उन्होंने कहा कि बेहतर ज्ञान व संस्कार के सामंजस्य से ही एक विद्यार्थी अच्छा नागरिक बनकर उभरता है। कार्यक्रम में गणेश दत्त शर्मा, अंजू पटियाल, हेमा देवी, सरला देवी, मोनिका, प्रोमिला देवी, दामिनी, पूजा और निशा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

रग्बी प्रतियोगिता के लिए प्रदेश की टीम रवाना

पांवटा साहिब। गांधीनगर गुजरात में होने वाली अंडर-14 सब-जूनियर नेशनल रग्बी प्रतियोगिता के लिए हिमाचल प्रदेश से 28 सदस्यों का दल दिल्ली से रवाना हो गया। यह प्रतियोगिता 13 और 14 फरवरी को आईआईटी गांधीनगर में होगी। इस प्रतियोगिता में देश भर से 27 राज्यों के लगभग 700 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। हिमाचल प्रदेश के छात्र वर्ग के कोच सुधीर चौहान व टीम मैनेजर अनिल कुमार ने बताया कि हिमाचल के विभिन्न जिलों से 12 प्रतिभागी मन्नत, कपीश, सूर्यांश, अंश, रौनक, कनिष्क, रूद्ध, विनीत, भावेश, आर्यन, शौर्य, परांजय भाग लेंगे। छात्र वर्ग में कोच राकेश व टीम मैनेजर रंजना ने बताया कि ओजस्वी, असमी, मिशिका, सोनम, पावनी, सिमर, श्रिजल, स्मृति, सायरा, इशिता, चेष्टा, राशु भाग लेंगे। इस दौरान हिमाचल रग्बी एसोसिएशन की प्रधान दिव्या कुमारी ने टीम को शुभकामनाएं दीं।

दीपक-सनचित ने जीती बैडमिंटन चैंपियनशिप

सोलन। जिला बैडमिंटन संघ सोलन ने राजा वीरभद्र सिंह इंडोर स्टेडियम कुमारहट्टी के बैडमिंटन हॉल में 35+,40+,45+,50+,65+ आयु वर्ग के लिए जिला स्तरीय चैंपियनशिप का आयोजन किया। संघ के सचिव यादविंद्र ने बताया कि चैंपियनशिप में सोलन जिले के विभिन्न क्षेत्रों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। 35+ सिंगल वर्ग में प्रिंस ने खिताब जीता। 35+ युगल में प्रिंस और धर्मेंद्र ने बाजी मारी। 40+ सिंगल वर्ग में योगेश ने फिर से ट्रॉफी पर कब्जा किया। 40+ युगल में आरुन और शिव विजयी रहे। 45+ सिंगल वर्ग में विनय ने खिताब पर कब्जा किया। 45+ युगल में अजय और महेंद्र ने प्रथम स्थान हासिल किया। 50+ सिंगल वर्ग में रविंद्र ने जीत दर्ज कर खिताब जीता। 50+ युगल में दीपक दत्ता और सनचित ने चैंपियनशिप जीती। 65+ सिंगल वर्ग में मुकेश ने खिताब जीता। 65+ युगल में मुकेश और बीके जोशी ने जीत दर्ज कर ट्रॉफी अपने नाम की। अव्वल रहे खिलाड़ियों का चयन धर्मशाला में होने वाली राज्यस्तरीय मास्टर्स चैंपियनशिप के लिए हुआ है।

खोखे में चल रहा पीएचसी नकरोड़

30 साल से नसीब नहीं हुआ भवन, आज भी राम भरोसे ही चल रहा है स्वास्थ्य केंद्र

आजम डार, तीसा

चुराह विधानसभा क्षेत्र के अधीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नकरोड़ राम भरोसे ही चल रहा है। यह पहला ऐसा स्वास्थ्य केंद्र होगा जो कि किसी भवन की बजाय टीन के खोखे में चलाया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि बीते 30 सालों से खोखे में चलाए जा रहे स्वास्थ्य केंद्र नकरोड़ को अपना भवन दिलवाने में न यहां के राजनेताओं ने दिलचस्पी दिखाई और न ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस ओर गौर फरमाया जा रहा है।

हालांकि तीन वर्ष पूर्व स्वास्थ्य केंद्र निर्माण के लिए धनराशि भी मिली लेकिन स्वास्थ्य केंद्र निर्माण के लिए उपमंडल प्रशासन नकरोड़ में आज दिन तक भूमि ही तलाश नहीं कर पाया। जिसके चलते मिला बजट भी वापस चला गया है। जबकि स्थानीय लोगों से लेकर विभागीय स्टाफ को मजबूरन टीन के खोखे में काम चलाना पड़ रहा है। गौर हो कि 30 वर्ष बीत जाने के बाद आज भी नकरोड़ में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र टीन के खोखे में ही चल रहा है। जबकि इस स्वास्थ्य केंद्र पर क्षेत्र की चिल्ली, थल्ली, गड़फरी, टिकरीगढ़, देहरोग, चांजू, चरड़ा, जसोरगढ़, कलहेल, हिमगिरी, आयल, बनातार, लेस्वी, भराड़ा, भावला व बघेईगढ़ सहित अन्य कई पंचायतों के लोग निर्भर है। नकरोड़ पंचायत व आस पास के स्थानीय लोगों में लतीफ, गुलाम, रसूल, जगदीश, योग राज, दूनी चंद, भूपेश कुमार, भूरी सिंह, हसन दीन, गनी मोहम्मद, अशरफ यासीन, त्रिलोक सिंह, अमर सिंह का कहना है कि स्वास्थ्य जांच के लिए मजबूरी में सिविल अस्पताल तीसा जाना पड़ता है। स्वास्थ्य केंद्र नकरोड़ में कोई भी उचित स्वास्थ्य व्यवस्था नहीं है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नकरोड़ जो आज भी टीन के खोखे में चलाया जा रहा है।

स्वास्थ्य केंद्र की हालत इतनी दयनीय है की मरीजों को अगर आपातकालीन स्थिति में रखना पड़े तो एक बिस्तर तक उपलब्ध नहीं है। वहीं ग्रीष्म ऋतु में हालत और भी दयनीय हो जाती है जब बाहर के तापमान का असर चादर युक्त स्वास्थ्य केंद्र पर बढ़ जाने के कारण कई बार दवाइयां खराब हो जाती है। उन्होंने सरकार, जिला व उपमंडल प्रशासन सहित स्वास्थ्य विभाग से गुहार लगाई है कि स्वास्थ्य केंद्र नकरोड़ के लिए भवन की व्यवस्था करवाने सहित स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार किया जाए। उधर पंचायत प्रधान लाल दीन कहना है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा पैसा दिया गया था लेकिन स्वास्थ्य केंद्र निर्माण के लिए उचित भूमि न मिलने की वजह से केंद्र का निर्माण नहीं हो पाया। जैसे ही भवन निर्माण के लिए स्थल का प्रावधान होगा तो पंचायत द्वारा विभाग को प्रस्ताव दे दिया जाएगा। (अनंत ज्ञान)

क्या कहते हैं बीएमओ

बीएमओ तीसा डॉ. ऋषि पुरी का कहना है कि टीन के खोखे में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नकरोड़ चलने से लोगों सहित स्टाफ को हर मौसम में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग द्वारा उक्त स्वास्थ्य केंद्र भवन के निर्माण के लिए धन की व्यवस्था भी तीन वर्ष पहले करवाई गई, लेकिन भवन निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध न होने के कारण स्वीकृत राशि वापस हो गई। यदि उपमंडल प्रशासन व स्थानीय लोग इस दिशा में संयुक्त रूप से भूमि का प्रावधान करवाएं तो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नकरोड़ के भवन का निर्माण हो सकता है।

छात्रों को दिए करियर के टिप्स

चंबा मिलेनियम पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय कार्यशाला

अनंत ज्ञान ब्यूरो, चंबा

चंबा मिलेनियम पब्लिक स्कूल में करियर गाइडेंस पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य स्रोत व्यक्ति गुरु नानक पब्लिक स्कूल डलहौजी के प्रधानाचार्य नवदीप भंडारी व कैंबरेज इंटरनेशनल स्कूल पठानकोट के प्रधानाचार्य डॉ. शिवानी सिंह रहे।

वहीं चंबा मिलेनियम पब्लिक स्कूल सरू के प्रधानाचार्य आकाश महाजन ने स्टाफ व गणमान्य व्यक्तियों के साथ उपस्थिति दर्ज करवाई। कार्यशाला में मुख्य स्रोत व्यक्ति गुरु नानक पब्लिक स्कूल डलहौजी के प्रधानाचार्य नवदीप भंडारी व कैंबरेज इंटरनेशनल स्कूल पठानकोट प्रधानाचार्य डॉ. शिवानी सिंह ने अध्यापकों को बच्चों के उज्ज्वल भविष्य तथा उन्हें जीवन में आगे बढ़ाने के लिए सही चुनाव के लिए दिशा दिखाने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके अतिरिक्त बच्चों को आने वाले समय में अपने करियर को किस दिशा में लेना चाहिए उसके बारे बताया।

दो दिवसीय कार्यशाला में उपस्थित मुख्य स्रोत व्यक्ति व अन्य।

कार्यशाला के अंत में प्रधानाचार्य आकाश महाजन ने सभी का धन्यवाद किया और आने वाले समय में ऐसी कार्यशाला निकट भविष्य में भी आयोजित की जाएगी उसकी कामना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन स्कूल में करवाने से अध्यापकों और विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ता है। जिसके लिए ऐसी कार्यशालाओं का होनी बहुत अनिवार्य है।

न्यूज ब्रीफ

अतुल इलेवन ने जीता क्रिकेट टूर्नामेंट

क्रिकेट प्रतियोगिता की विजेता टीम को सम्मानित करते मुख्यातिथि।

डलहौजी। उपमंडल डलहौजी के अंतर्गत सपड़ी हट्टी ग्राम पंचायत रुलयानी में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इसमें 32 टीमों ने भाग लिया। इस आयोजन के फाइनल में दो टीमें पुखरी इलेवन और अतुल इलेवन पहुंची। जिसमें विजेता अतुल इलेवन की टीम रही। जिसने पुखरी इलेवन को सात विकेट से हरा दिया। इस दौरान मुख्य अतिथि गुनियाला यूथ क्लब के अध्यक्ष प्रवीण टंडन रहे। उन्होंने टूर्नामेंट के मुख्य आयोजक हैरी टंडन और पंकज टंडन को 21 हजार की राशि प्रदान की।

साच-नागोड़ी मार्ग की खस्ता हालत से परेशानी

चंबा। जिला चंबा के साथ लगते साच-नागोड़ी मार्ग की हालत खस्ता होती जा रही है। जिसके चलते इस मार्ग से आवागमन करने वाले राहगीरों व वाहन धारकों को मुश्किलों के दौर से गुजरना पड़ रहा है। जबकि लोनिवि द्वारा मार्ग की रिपेयर गिने-चुने स्थलों पर करवा मात्र औपचारिकताओं को ही अदा किया जा रहा है। इस मार्ग की खस्ता हालत होने के कारण दोपहिया वाहन और चार पहिया वाहन चलाना भी मुश्किल हो गया है। ग्रामीण सुरेश, राज कुमार, नेक चंद, मोहित,कृष्ण लाल, महेंद्र, पुनीत, अरुण, कुलदीप, लक्की, पंकज, अमित, चुन्नी लाल, सुशीला, चंपा, मीनाक्षी, पूनम, रानी, अर्चना, बाल्कु देवी, सोनिया, निशा आदि का कहना है कि पंचायत का यह मार्ग दुर्घटना की दृष्टि से पहले ही संवेदनशील है। साथ ही क्रैश बैरियर न होने के कारण खतरा ओर भी बढ़ जाता है। यह मार्ग कई स्थलों पर नालों के साथ होकर गुजरता है। जिसके चलते बारिश के दिनों में नालों में तुफान आने के कारण मार्ग पर चलने में और भी मुश्किलें खड़ी हो जाती है। जिसमें क्षेत्र के बुजुर्ग व बच्चों को अन्य ग्रामीणों की तुलना में अधिक समस्या का सामना करना पड़ता है। उन्होंने लोनिवि से गुहार लगाई है कि इस दिशा में जल्द से जल्द व्यापक कदम उठाकर लोगों को मार्ग समस्या से राहत प्रदान करवाई जाए।

चुराह के दिलीप सिंह ने बढ़ाया चंबा का मान

चंबा। चुराह विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत चांजु के निवासी दिलीप सिंह ने इस वर्ष 26 जनवरी की परेड में भाग लेकर चुराह एवं जिला चंबा का मान बढ़ाया है। बताते चलें कि केंद्र सरकार द्वारा पीएम आवास के लाभार्थियों को हर पंचायत से एक को 26 जनवरी 2024 की परेड में भाग लेने का मौका प्रदान किया गया इसी योजना में दिलीप सिंह ठाकुर का नाम भी सूची में था। इस कारण दिलीप सिंह को 26 जनवरी की परेड का आनंद लेने का मौका भारत की राजधानी दिल्ली में मिला। दिलीप सिंह ठाकुर ने बताया कि प्रदेश सरकार के सहयोग से उनके घर से लेकर दिल्ली तक का खर्चा केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा उठाया गया। समस्त जिला में सिर्फ उन्हें ही इस आयोजन को देखने का मौका मिला इसके लिए वह तहे दिल से केंद्र एवं राज्य सरकार का धन्यवाद प्रकट करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि दिल्ली में वह 23 जनवरी को पहुंच गए थे जहां उनका रहने खाने पीने का प्रबंध एक आलीशान होटल में किया गया था जहां और राज्यों से आए हुए लोगों से भी मिलने का मौका मिला।

चुराह में तीन फुट बर्फ में पांच किलोमीटर पैदल चलकर पानी की सप्लाई की शुरू

जल शक्ति विभाग के कर्मचारियों को करनी पड़ी कड़ी मशक्कत

अनंत ज्ञान, तीसा

जिला चंबा के चुराह उपमंडल में जल शक्ति विभाग के कर्मचारियों ने पांच किलोमीटर खड़ी चढ़ाई पैदल पार करने के बाद तीन फुट बर्फ में चलकर जाम पाइपों पर जगह जगह आग जलाकर और टूटी हुई लाइनों को जोड़कर एक सप्ताह से बंद पड़ी पेयजल आपूर्ति को सुचारु रूप से शुरू करवाया है। विभाग के कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद गांव के लोगों तक पानी की सप्लाई पहुंचाई। स्थानीय लोगों में हरिंद्र जगदीश, देस राज, भगत राम, राम सिंह, दिनेश ने जल शक्ति विभाग के कर्मठ कर्मचारियों की तारीफ की और उनका धन्यवाद किया। ग्रामीणों का कहना है की एक सप्ताह से बंद पड़ी पानी की सप्लाई की वजह से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। बर्फ पर फिसलन होने की वजह से लोगों को दो किलोमीटर दूर से पानी भर कर लाना पड़ रहा था। विनय डोगरा अधिशाषी अभियंता जल शक्ति विभाग तीसा का कहना है कि विभागीय कर्मचारियों को निर्देश दिए गए है कि उपभोक्ताओं को हल हाल में पेयजल मुहैया करवाया जाए। जहां भी पेयजल पाइप लाइनें टूटी हैं उन्हें तुरंत रिपेयर कर सप्लाई सुचारु की जाए।

बर्फ में पेयजल पाइन लाइन को ठीक करते जलशक्ति विभाग तीसा के कर्मी।

मैहला में रोजगार गारंटी योजना के तहत नहीं मिल पा रहा रोजगार

ओपी शर्मा, भरमौर

ऑनलाइन ऐप में आई तकनीकी खराबी, नहीं लग रही हाजिरी

विकास खंड मैहला में रोजगार गारंटी योजना के तहत लोगों को रोजगार नहीं मिल पा रहा है। यह समस्या यहां पर ऑनलाइन ऐप के सही तरीके से न चलने के कारण आ रही है। जानकारी के अनुसार विकास खंड मैहला में 42 पंचायतें आती हैं, लेकिन यहां पर मनरेगा के लिए ऑनलाइन हाजिरी न लगने के लिए ऐप बंद होने के कारण पिछले दो हफ्ते से लोगों को रोजगार नहीं मिल पा रहा है। ऑनलाइन ऐप के बंद होने के कारण यहां पर लोग पिछले कई दिनों से हाजिरी न लगने के कारण मजबूरन घर बैठने को मजबूर है।

ऐप में टेक्निकली खराबी आने के कारण यहां पर लोगों को मनरेगा में रोजगार नहीं मिल पा रहा है। विकास खंड मैहला के अंतर्गत आने वाले मनरेगा के मजदूरों का कहना है कि सरकार व ऐप में खराबी आने का खामियाजा कामगारों को क्यों भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि ऐसी व्यवस्था बनाई जाए ताकि ऐप बंद होने के बावजूद कामगारों की दिहाड़ी लग जाए और उन्हें घर द्वार रोजगार मिल जाए। प्रधान यूनियन विकास खंड मैहला के प्रधान देवराज ने कहा कि करीब पिछले दो सप्ताह से ऑनलाइन हाजिरी न लगने के कारण विकास खंड मैहला में कई लोगों को मनरेगा के तहत रोजगार नहीं मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि इस टेक्निकल खराबी व ऐप के बंद हो जाने के कारण लोगों को मजबूरन रोजगार से वंचित रहना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार व प्रशासन से मांग की है कि इस तरह की व्यवस्था की जाए कि ऐप में खराबी होने पर भी मनरेगा के तहत काम करने वाले मजदूरों की दिहाड़ी लग जाए ताकि उन्हें घर द्वार में रोजगार मुहैया हो सके। वही खंड विकास अधिकारी मैहला रमनदीप सिंह चौहान ने कहा है कि ऐप के बंद हो जाने के कारण इस तरह की समस्या आ रही है। जिसके बारे में प्रशासन व उच्च अधिकारियों को सूचित कर दिया गया है। (अनंत ज्ञान)

गृह विज्ञान शिक्षकों को भी सुध ले प्रदेश सरकार

अनंत ज्ञान, चंबा

जिला बेरोजगार गृह विज्ञान शिक्षक संघ ने लगाई गुहार

जिला बेरोजगार गृह विज्ञान शिक्षक संघ चंबा द्वारा संघ जिलाध्यक्ष आरती कुमारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जिसमें संघ जिला कार्यकारिणी पदाधिकारियों व सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए संघ जिलाध्यक्ष आरती कुमारी ने राज्य सरकार के खिलाफ संघ की ओर से रोष प्रकट करते हुए कहा कि सरकार हर वर्ग के प्रशिक्षित शिक्षकों को किसी न किसी नीति सहित अन्य कई माध्यमों से साक्षात्कार कर नियुक्ति प्रदान कर रही है।

सरकार कभी पीटीए, कभी अनुबंध तो कभी एसएमसी नीति के तहत स्कूलों में शिक्षक नियुक्त कर रही है, लेकिन अफसोस का विषय है कि बेरोजगार गृह विज्ञान शिक्षकों को नियुक्त करने का सरकार की ओर से एक लंबे अर्से से संघ के प्रतिनिधिमंडल को केवल आश्वासन ही दिया जा रहा है। कई बार बेरोजगार गृह विज्ञान शिक्षकों को ठोस नीति से जोड़ नियुक्तियां प्रदान करने का आवश्वासन दे चुके है मगर अब तक इस दिशा में सरकार की ओर से कोई सकारात्मक कदम उठते नजर नहीं आ रहे है।

वहीं दूसरी ओर गृह विज्ञान शिक्षकों के कई स्कूलों में सैकड़ों के हिसाब से पद खाली चल रहे हैं। उन्होंने संघ की ओर से सरकार से इस दिशा में जल्द से जल्द उचित कदम उठा कर इस प्रशिक्षित शिक्षक वर्ग को राहत प्रदान करने की मांग उठाई है। इस मौके पर जिला बेरोजगार गृह विज्ञान शिक्षक संघ कार्यकारिणी पदाधिकारियों व सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

बस में 252 ग्राम चरस सहित एक व्यक्ति गिरफ्तार

चंबा। पुलिस थाना चुवाड़ी की टीम ने होली-चंबा-पालमपुर रूट की निजी बस में सवार एक व्यक्ति से 252 ग्राम चरस बरामद की है। इस संदर्भ में पुष्टि करते हुए पुलिस अधीक्षक जिला चंबा अभिषेक यादव ने बताया कि चुवाड़ी पुलिस टीम चटूनी जोत मार्ग पर रोजमर्रा की तरह वाहनों की जांच कर रही थी। उसी दौरान होली-चंबा-पालमपुर रूट की बस भी वहां पहुंची। जिसके चलते अन्य वाहनों की भांति जब पुलिस बस का निरीक्षण कर रही थी तो बस में सवार एक यात्री पुलिस टीम को देखकर घबरा गया। जिस पर शक होने पर जब पुलिस ने उस व्यक्ति के सामान की तलाशी ली तो उसके बैग से 252 ग्राम चरस की खेप बरामद की गई। पुलिस ने व्यक्ति की पहचान बर्फो राम के रूप में की है। पुलिस मादक पदार्थ अधिनियम के तहत उक्त व्यक्ति पर चुवाड़ी थाना में मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई आरंभ कर दी है।

शिक्षा या प्रशिक्षण नहीं, धन के दम पर बिक रहे हैं डिप्लोमा और डिग्री

मुख्यालय से लेकर समस्त उपमंडलों में फलफूल रहा है धंधा

एमएम डैनियल, चंबा

> शिक्षा विभाग समय-समय पर निजी शिक्षण संस्थानों की जांच करता है। गैर सरकारी शिक्षण संस्थान अगर अवैध रूप से डिग्री-डिप्लोमा का सौदा करते पाए जाते है तो ऐसे संस्थान का पंजीकरण रद्द होने सहित संस्थान प्रबंधन को कानून के तहत सजा का प्रावधान तक शामिल है।
>
> **-प्यार सिंह चाढ़क, उपनिदेशक, उच्च शिक्षा विभाग, चंबा।**

जिले में बेहिसाब निजी शिक्षण संस्थानों की भरमार होने से संस्थानों में आपसी मुकाबला बढ़ गया है। जिसमें संस्थान में विद्यार्थियों का घाटा पूर्ण करवाने की सूरत में कई संस्थानों द्वारा व्यवसायिक शिक्षा के डिग्री-डिप्लोमों को बिना प्रशिक्षण के चंद रुपए के लालच में बेचा जा रहा है।

जिला मुख्यालय से लेकर समस्त उपमंडलों में यह धंधा फलफूल रहा है। हालांकि इस दिशा में सरकार को भनक लगते ही प्रदेश के कुछ जिलों में इस धंधे को उजागर करने में विजलेंस विभाग जुट गया है। गौर हो कि पांचवीं कक्षा से लेकर व्यवसायिक प्रशिक्षण में डिग्री-डिप्लोमा प्रमाण पत्रों के लिए विभिन्न शिक्षण संस्थानों ने मनमर्जी के दाम निर्धारित कर रखे है। जिसमें प्रशिक्षण के आधार पर डिग्री-डिप्लोमा करने की अलग शुल्क व अलग विवि अथवा संस्थान हैडक्वाटर है। वहीं बिना प्रशिक्षण डिग्री-डिप्लोमा करने का अलग शुल्क व अलग संस्थान मुख्य कार्यालय है। वहीं हैरानी की बात है कि जहां पुलिस के समक्ष यह बात सामने आने पर भी विभाग कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर पाया। वहीं शिक्षा विभाग भी इस दिशा में निजी शिक्षण संस्थानों के धंधे को लगाम लगाने के लिए आज दिन तक कुछ नहीं कर पाया है। जिसके परिणामस्वरूप जिला चंबा में बेसिक शिक्षा से लेकर व्यवसायिक प्रशिक्षण शिक्षा का काला कारोबार खुले आम पनप रहा है। जिसका शिकार न जाने जिला के कितने नौजवान हो चुके है। जोकि अपनी शिक्षा के उम्र में किसी न किसी निजी कारणों के चलते शिक्षा या प्रशिक्षण प्राप्त करने से वंचित रह चुके है।

हालांकि इस दिशा में पुलिस व शिक्षा विभाग को सब कुछ ज्ञात होने बावजूद अभी तक दोनों विभाग इस अवैध शिक्षा के धंधे को अंजाम दे रहे गैर सरकारी शिक्षण संस्थानों को दबोच नहीं पाए है। (अनंत ज्ञान)

ईश्वर का अस्तित्व सर्वव्यापी और अनंत

संत निरंकारी सत्संग भवन मुगला में बही अध्यात्म की गंगा

अनंत ज्ञान, चंबा

संत निरंकारी सत्संग भवन मुगला में महात्मा अरुण महाजन की अगुआई में विशाल सत्संग का आयोजन किया गया। सत्संग का शुभारंभ आरती वंदना से किया गया। इस मौके पर दूर दराज के गांवों, कस्बों से आए सैकड़ों श्रद्धालुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। वहीं निरंकारी मिशन ब्रांच चंबा सेवादार एवं मीडिया सचिव विनोद कुमार ने विशेष रूप से उपस्थिति दर्ज करवाई। जबकि साहो, जडेरा, राख, जांगी, मैहला, मंगला आदि क्षेत्रों से आए संतों महात्माओं ने सदगुरु माता सुदीक्षा महाराज की शिक्षाओं को अपने विचारों व भजनों द्वारा व्यक्त किया। सत्संग की अगुआई करते हुए महात्मा अरुण महाजन ने अपने सार गर्भित प्रवचनों से साध संगत को भाव विभौर करते हुए कहा कि वस्तु, व्यक्ति अथवा पदार्थ का अस्तित्व क्षणभंगुर है, नाशवान है अस्थायी है। अब प्रश्न उठता है कि अस्तित्व किसका है। क्या स्थायी है, क्या अविनाशी है, क्या अनंत है आदि इस संबंध में संत महापुरुष, दार्शनिक, वैज्ञानिक अपने अनुभव विचार, सोच अन्वेषण, खोज निष्कर्ष रखते आए हैं। गीता, रामायण, वेद, उपनिषद, बाइबल, कुरान, गुरु ग्रथ साहिब अथवा अन्य ग्रथों में इसका विस्तृत वर्णन होता आया है। सबका सारांश यह ही है कि निराकार, प्रभु, परमात्मा, ईश्वर का ही अस्तित्व सर्वव्यापी और अनंत है। इसके अलावा किसी भी वस्तु, पदार्थ या व्यक्ति का अस्तित्व क्षणभंगुर है। परम पिता परमात्मा के अस्तित्व के बारे में बहुत कुछ कहा जा सकता है लेकिन इसके अस्तित्व के विरुद्ध कुछ नहीं कहा जा सकता। परमात्मा के अस्तित्व को कोई माने या न माने काई प्रभाव पड़ने वाला नहीं।

संत निरंकारी सत्संग भवन मुगला में आयोजित सत्संग में उपस्थित श्रद्धालु।

मस्ती बाहरी राज्यों के पर्यटकों ने खिली धूप में बर्फ से खेलने का लिया आनंद

पर्यटकों से गुलजार हुई पर्यटन नगरी डलहौजी

मुकेश कुमार, डलहौजी

डलहौजी व इसके आसपास के क्षेत्र में 16 फरवरी तक मौसम साफ रहने की संभावना है। यह जानकारी मौसम विभाग शिमला द्वारा दी गई है। बता दें कि बीते दिनों हुई बर्फबारी के कारण इसके आसपास के क्षेत्र में जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया था जो अब धीरे-धीरे पटरी पर आता प्रतीत हो रहा है तो वहीं सैलानी भी बर्फबारी का आनंद लेने डलहौजी का रुख कर रहे हैं। डलहौजी से ऊपर लक्कड़ मंडी, डायन कुंड, कालाटॉप, खजियार एवं जोत में गिरी बर्फ बाहरी सैलानियों को अपनी और आकर्षित कर रही है और डलहौजी एक बार फिर से बाहरी सैलानियों से गुलजार हो उठी है।

शनिवार और रविवार को पड़ोसी राज्य पंजाब से भारी सैलानियों ने डलहौजी का रुख किया और डलहौजी में हुई ताजा बर्फबारी का आनंद उठाया। इससे मायूस होटल कारोबारियों, छोटे बड़े व्यापारियों के चेहरे भी खिले उठे हैं तो वहीं स्थानीय टैक्सी ड्राइवर भी बाहरी सैलानियों के आने से खुश हैं। जिला पर्यटन अधिकारी मिश्रा ने बताया कि जिला चंबा में हुई बर्फबारी से जैसी उम्मीद की जा रही थी उससे कहीं अधिक पर्यटन कारोबार देखने को मिला और अब जैसा मौसम विभाग द्वारा साफ मौसम का अनुमान लगाया जा रहा है, उससे कहीं और अधिक सैलानियों के जिला चंबा की प्रसिद्ध नगरी डलहौजी में आने की उम्मीद लगाई जा रही है। दिल्ली से घूमने आए पर्यटक अनुराधा एवं विशाल ने बताया कि वे पहले भी डलहौजी घूमने आए हैं परंतु डलहौजी इस बार जो उन्हें घूमने का आनंद मिला है वैसा आनंद कभी न भूलने वाला यादगार के रूप में हमारे जिंदगी के हसीन पलों के साथ जुड़ गया है। उन्होंने यह भी कहा कि जो कभी डलहौजी नहीं आए हैं वे एक बार खिली धूप में बर्फबारी का मजा लेने जरूर डलहौजी आएं। (अनंत ज्ञान)

रविवार को खिली धूप में बर्फबारी में अठखेलियां करते पर्यटक।

डलहौजी में लगी पर्यटक वाहनों की लंबी कतारें।

जयंती विशेष : ओरैंगुटैन प्रजाति के बंदर के थे दो बेटे, एक ने पेड़ पर और दूसरे से जमीन पर रहना सीखा

चार्ल्स डार्विन न होते तो कौन बताता हमारे पूर्वज बंदर हैं

एजेंसी, नई दिल्ली

इतिहास में 12 फरवरी की तारीख तमाम अहम वजह से दर्ज है। इस तारीख ने दुनिया को चार्ल्स डार्विन के रूप में ऐसा प्रकृतिविद् दिया, जिसकी खोज से यह सिद्ध हुआ कि मनुष्य के पूर्वज बंदर थे। चार्ल्स डार्विन का जन्म 12 फरवरी 1809 को हुआ था।

चार्ल्स का पढ़ने-लिखने में मन नहीं लगता था। उन्हें कीड़े-मकोड़े और प्रकृति के बारे में जानने का शौक था। चार्ल्स डार्विन के पिता रॉबर्ट डार्विन और मां सुसान डार्विन दोनों ही जाने-माने डॉक्टर थे। इसलिए वो चाहते थे कि चार्ल्स भी डॉक्टर बनें। पिता की लाख कोशिश के बावजूद चार्ल्स नहीं सुधरे तो एक दिन हारकर उन्होंने कहा, तुम्हें शिकार करने और चूहे पकड़ने के अलावा और किसी चीज की परवाह नहीं है। ऐसे तो तुम न केवल अपनी बल्कि अपने पूरे खानदान की बदनामी कर दोगे। यह बात चार्ल्स को चुभ गई। इसके बाद वह यह पता लगाने में जुट गए कि पृथ्वी पर जीवन कैसे आया? दिसंबर 1831 में जब चार्ल्स की उम्र 22 साल थी, तब उन्हें बीगल नाम के जहाज से दुनिया में घूमने का मौका मिला। चार्ल्स ने मौका हाथ से जाने नहीं दिया। रास्ते में जहां-जहां जहाज रुका, वहां चार्ल्स उतरकर जीव-जंतुओं, पेड़-पौधों, पत्थरों-चट्टानों और कीट-पतंगों को देखने लगे और उनके नमूने जमा करने लगे। कई सालों तक काम करने के बाद उन्होंने बताया कि इस पृथ्वी पर जितनी भी प्रजातियां हैं, वो मूल रूप से एक ही जाति की उत्पत्ति हैं।

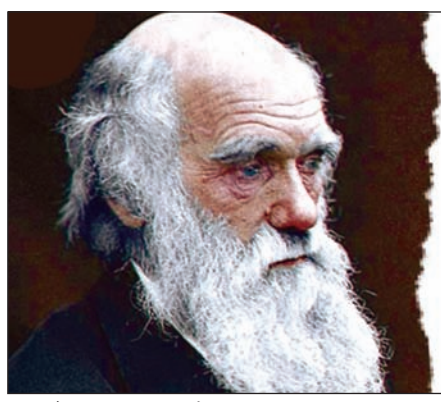

'थ्योरी ऑफ इवोल्यूशन' नामक किताब में किया था खुलासा

24 नवंबर, 1859 को चार्ल्स डार्विन की किताब ऑन द ओरिजन ऑफ स्पेशीज बाय मीन्स ऑफ नेचरल सिलेक्शन' छपी। इस किताब में एक भाग था, 'थ्योरी ऑफ इवोल्यूशन।' इसी में बताया गया था, कैसे हम बंदर से इंसान बने? उनका मानना था कि हम सभी के पूर्वज एक हैं। उनकी थ्योरी थी कि हमारे पूर्वज बंदर थे। लेकिन कुछ बंदर अलग जगह अलग तरह से रहने लगे। इस कारण धीरे-धीरे जरूरतों के अनुसार उनमें बदलाव आने शुरू हो गए। उनमें आए बदलाव उनके आगे की पीढ़ी में दिखने लगे।

कैसे ओरैंगुटैन प्रजाति का बंदर बना इनसान

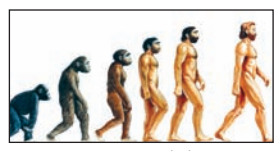

उन्होंने समझाया था कि ओरैंगुटैन (बंदरों की एक प्रजाति) का एक बेटा पेड़ पर, तो दूसरा जमीन पर रहने लगा। जमीन पर रहने वाले बेटे ने खुद को जिंदा रखने के लिए नई कलाएं सीखीं। उसने खड़े होना, दो पैरों पर चलना, दो हाथों का उपयोग करना सीखा। पेट भरने के लिए शिकार करना और खेती करना सीखा। इस तरह ओरैंगुटैन का एक बेटा बंदर से इंसान बन गया। हालांकि, ये बदलाव एक-दो साल में नहीं आया बल्कि इसके लिए करोड़ों साल लग गए।

लैंडिंग के बाद दिल्ली एयरपोर्ट पर रास्ता भूला विमान, रनवे हो गया ब्लॉक

एजेंसी, नई दिल्ली

अमृतसर से इंडिगो का एक विमान रविवार सुबह दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरने के बाद टैक्सीवे से चूक गया जिसकी वजह से एक रनवे लगभग 15 मिनट तक अवरुद्ध रहा। ए320 विमान, इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर निर्धारित टैक्सीवे से चूकने के बाद रनवे 28/10 के डेड एंड पर चला गया।

विमान के टैक्सीवे से चूकने के बाद रनवे के प्रभावित रहने के बाद कई उड़ानों का थोड़ी देर के लिए परिचालन प्रभावित हुआ। विमान के टैक्सीवे तक चले जाने के बाद इंडिगो की एक टोइंग वैन ने विमान को रनवे के डेड एंड से पार्किंग वे तक पहुंचाया। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे देश का सबसे बड़ा

एयरपोर्ट है जहां हर दिन लगभग 1400 से ज्यादा फ्लाइट्स का संचालन होता है। इस हवाईअड्डे पर चार ऑपरेशनल रनवे हैं। बीते कई दिनों से इस हवाई अड्डे से इस तरह के कई मामले सामने आ चुके हैं।

31 जनवरी को इंडिगो द्वारा झारखंड के देवघर के लिए उड़ान रद्द करने के बाद यात्रियों के विरोध प्रदर्शन के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर गुस्साए यात्रियों ने जमकर हंगामा किया था। उन्होंने 'इंडिगो चोर है' के नारे भी लगाए थे। इसके अलावा पिछले महीने, क्रिकेटर मयंक अग्रवाल ने दिल्ली जाने वाली इंडिगो फ्लाइट में 'जहरीला तरल' पीने के बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी जिसके बाद उन्हें अगरतला के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया था।

जनवरी में ही आए एक और मामले में दिल्ली से बाकू जाने वाली इंडिगो की एक उड़ान के पायलटों को ड्यूटी से हटा दिया गया था, क्योंकि एक जांच बैठाई गई थी कि क्या इन पायलटों ने हवाई यातायात नियंत्रण यानी एटीसी से क्लीयरेंस के बिना उड़ान भरी थी। इसी के साथ यात्रियों के टरमैक पर खाना खाने का एक वीडियो भी वायरल हुआ था जिसके बाद नागरिक उड्डयन सुरक्षा मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कई दिशा निर्देश भी जारी किए थे।

वर्ल्ड न्यूज

प्रमोद कृष्णम छह साल के लिए कांग्रेस से निष्कासित

नई दिल्ली। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में पार्टी के बड़े नेता और कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम को छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है।कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने यह जानकारी दी। वेणुगोपाल ने कहा कि अनुशासनहीनता और पार्टी के खिलाफ बार-बार बयान देने की शिकायतों को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रमोद कृष्णम को तत्काल प्रभाव से निष्कासित करने के उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

पंचकूला में 23 फरवरी से होगा तीन दिवसीय नेशनल फिल्म फेस्टिवल

चंडीगढ़। फिल्मों के माध्यम से राष्ट्रीय विचार को प्रोत्साहन देने के लिए 23 से 25 फरवरी तक पंचकूला में आयोजित होने वाले पांचवें चित्र भारती फिल्म फेस्टिवल में इस बार देशभर के 25 राज्यों की कुल 663 फिल्मों की एंट्री हुई है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने रविवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों को बताया कि देश की 25 भाषाओं में बनीं इन 663 फिल्मों में से 133 फिल्मों की स्क्रीनिंग तीन दिवसीय इस फिल्म फेस्टिवल में होगी। फिल्म फेस्टिवल के दौरान 29 फिल्मों को 10 लाख नगद राशि के पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। स्क्रीनिंग की जाने वाली फिल्मों में हरियाणा की 18 और पंजाब एवं हिमाचल प्रदेश की दो-दो फिल्में शामिल हैं।

खतरनाक स्टंट करने के आरोप में अभिनेता विद्युत जामवाल गिरफ्तार

मुंबई। बॉलीवुड के मशहूर एक्टर विद्युत जामवाल इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'क्रैक' को लेकर सुर्खियों में हैं। वह इस फिल्म का जमकर प्रमोशन कर रहे हैं। इसी बीच विद्युत मुसीबत में फंस गए हैं। एक्टर को आरपीएफ ने गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक रेलवे सुरक्षा बल आरपीएफ के बांद्रा ऑफिस से विद्युत जामवाला की एक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। इस फोटो में एक्टर पुलिस स्टेशन में कुर्सी पर बैठे नजर आ रहे हैं। यह बांद्रा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर आरपीएफ कार्यालय है। शुरुआती जानकारी में सामने आया है कि विद्युत को खतरनाक स्टंट करने के आरोप में आरपीएफ अधिकारियों ने हिरासत में लिया है। हालांकि, अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

हल्द्वानी हिंसा का मास्टर माइंड अब्दुल मलिक अरेस्ट

उत्तराखंड। हल्द्वानी हिंसा के मुख्य आरोपी अब्दुल मलिक को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया गया है। दिल्ली पुलिस के सूत्रों से यह खबर आ रही है। जबकि इससे पहले पुलिस ने 5 लोगों को अरेस्ट कर चुकी है। इनमें 2 पूर्व पार्षद और सपा नेता भी शामिल हैं। बनभूलपुरा इलाका अभी भी सील है। इंटरनेट सेवाएं बहाल, और चौथे दिन के बाद दूध-दवाओं की सप्लाई शुरु हो गई है। रविवार को चौथे दिन हिंसा प्रभावित क्षेत्र को छोड़ बाकी शहर में शांति का माहौल रहा।

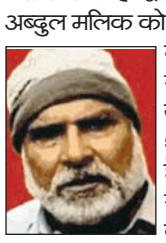

दिल्ली कूच पर अड़े किसान पंजाब-हरियाणा बॉर्डर सील

12 जिलों में धारा 144 लागू, अर्धसैनिक बलों की 64 कंपनियां तैनात

एजेंसी, अंबाला

संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के 13 फरवरी को दिल्ली कूच से पहले शंभू, खनौरी समेत हरियाणा और पंजाब की सभी सीमाएं सील कर दी गई हैं। सिंघु और टिकरी बॉर्डर पर सीमेंट के बैरिकेड लगाए गए हैं।

पंजाब से आने वाले किसानों को रोकने के लिए अंबाला और फतेहाबाद के शंभू बॉर्डर पर बैरिकेड्स और लोहे की कीलें लगाई गई हैं। रविवार सुबह 6 बजे से हरियाणा के 7 जिलों में मोबाइल इंटरनेट, डोंगल और बल्क एसएमएस बंद कर दिए गए हैं। यह प्रतिबंध अंबाला, हिसार, कुरुक्षेत्र, कैथल, जींद, फतेहाबाद और पुलिस जिला डबवाली सहित सिरसा जिले में 13 फरवरी रात 12 बजे तक लागू रहेगा।

हरियाणा के सोनीपत, झज्जर, पंचकूला, अंबाला, कैथल, हिसार, सिरसा, फतेहाबाद और जींद समेत 12 जिलों में धारा 144 लागू कर दी गई है। इसके साथ ही पंजाब और दिल्ली रूट भी डायवर्ट कर दिया गया है। केंद्र सरकार ने अर्धसैनिक बलों की 64 कंपनियां हरियाणा भेजी हैं। इसमें बीएसएफ और सीआरपीएफ के जवान भी शामिल हैं। किसानों की गिरफ्तारी की जिम्मेदारी भी बीएसएफ ने ली है। शंभू बॉर्डर पर लोहे की कीलों के साथ-साथ कंटीले तार भी लगाए गए हैं।

हरियाणा में इंटरनेट बंद करना ठीक नहीं

किसान-मजदूर मोर्चा के संयोजक सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि अमृतसर में पंजाब सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक हुई। जिसमें कहा गया कि 12 फरवरी को चंडीगढ़ में 3 केंद्रीय मंत्रियों के साथ बैठक होगी। हरियाणा में इंटरनेट बंद करना ठीक नहीं है। उन्होंने देशभर के किसानों और मजदूरों से 13 फरवरी को दिल्ली में मार्च करने और आर-पार की लड़ाई लड़ने की अपील की।

हरियाणा में एसकेएम नेता जगजीत डल्लेवाल और किसान-मजदूर मोर्चा के सरवन सिंह पांडे ने नेटबंदी पर सवाल उठाया और कहा कि किसानों को भड़काया जा रहा है। केंद्र सरकार और किसान संगठनों के बीच एक और बैठक 12 फरवरी को शाम 5 बजे चंडीगढ़ में होगी। इसमें केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, पीयूष गोयल और नित्यानंद राय भी शामिल होंगे। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली के गाजीपुर से सटे बॉर्डर इलाके में धारा 144 जारी कर दी है। यहां से यूपी के किसान प्रवेश कर सकते हैं। डीसी ने सोनीपत में पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देश दिया है कि वे किसी भी ट्रैक्टर में 10 लीटर से ज्यादा डीजल न डालें।

पाकिस्तान में नवाज शरीफ को सेना का मिला समर्थन

गठबंधन सरकार के लिए सौदेबाजी शुरू

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान में वीरवार को हुए चुनाव के पूरे परिणाम अभी तक घोषित नहीं हो पाए हैं लेकिन त्रिशंकु संसद के आसार के बीच सेना ने नवाज शरीफ का समर्थन किया है। इसी के साथ गठबंधन सरकार के लिए सौदेबाजी शुरू हो गई है। हालांकि, जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान-तहरीक-ए-इंसाफ समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव में शानदार प्रदर्शन करके संख्याबल में सबसे अधिक हैं।

पीएमएल-एन और पीपीपी ने गठबंधन सरकार के लिए प्रयास तेज करके सौदेबाजी शुरू कर दी है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाजके अध्यक्ष शहबाज शरीफ ने अपनी पार्टी के नेताओं को बताया है कि पूर्व राष्ट्रपति आसिफ जरदारी ने पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी के लिए प्रधानमंत्री पद की मांग की है।

पीपीपी ने अपनी इस शर्त को मानने पर गठबंधन सरकार बनाने पर सहमति व्यक्त की है। शहबाज ने पार्टी नेताओं को बताया कि जरदारी ने पेशकश की कि बदले में पीपीपी पंजाब में अपनी सरकार बनाने के लिए पीएमएल-एन का समर्थन करेगी।

रिपोर्ट के अनुसार पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार रात पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और बिलावल से मुलाकात की और भविष्य के गठबंधन पर चर्चा की। इसके बाद शनिवार को दिन में पीएमएल-एन नेताओं ने केंद्र के साथ-साथ पंजाब में भावी सरकार बनाने के लिए विभिन्न विकल्पों पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री बनने की इच्छा के सवाल पर कंगना ने दिया मजेदार जवाब

एजेंसी, नई दिल्ली

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रणौत हमेशा चर्चा में रहती हैं। कभी अपनी फिल्मों को लेकर तो कभी अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर। उनकी तीनों फिल्में 'धाकड़', तेजस और चंद्रमुखी-2 बॉक्स ऑफिस पर सुपरफ्लॉप रहीं। अब कंगना की फिल्म 'इमरजेंसी' जल्द ही दर्शकों के सामने आने वाली है। इस फिल्म का सभी को बेसब्री से इंतजार है। ऐसे में कंगना का एक बयान चर्चा में है कि वे भारत की प्रधानमंत्री बनने की इच्छा रखती हैं।

कंगना रणौत इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'इमरजेंसी' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में एक कार्यक्रम में प्रश्न पूछा गया कि क्या वह देश की प्रधानमंत्री बनना चाहती थीं। एक्ट्रेस ने जो जवाब दिया उसने सभी का ध्यान खींचा है। उन्होंने कहा कि 'मैं इमरजेंसी नामक एक फिल्म कर रही हूं। इस फिल्म को देखने के बाद कोई भी मुझे प्रधानमंत्री नहीं देखना चाहेगा।'

फिल्म 'इमरजेंसी' काल पर बनी है। इसमें 25 जून 1975 को देश में शुरू हुए आपातकाल के हालात को दिखाया जाएगा। इस फिल्म का निर्देशन खुद कंगना रणौत ने की है। फिल्म में वह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका में नजर आएंगी। श्रेयस तलपड़े भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की भूमिका में नजर आएंगे। अनुपम खेर प्रमुख समाजवादी नेता जय प्रकाश नारायण की भूमिका निभाएंगे। अब संजय गांधी के किरदार में एक्टर विसाक नायर नजर आएंगे।

राजनीति में उतरेंगी कंगना रणौत

देश में 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार आने के बाद से भाजपा के हर रुख का खुलकर समर्थन करने वाली एक्ट्रेस कंगना रणौत अब चुनाव मैदान में उतरने जा रही हैं। 'कंगना के भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ेंगी। कंगना के पिता ने कहा था कि वह किस सीट से चुनाव लड़ेंगी इसका फैसला पार्टी करेगी।

उत्तराखंड में चार आईएएस सहित 11 अधिकारियों का किया तबादला

देहरादून। उत्तराखंड शासन ने चार वरिष्ठ आईएएस, छह पीसीएस और एक सचिवालय सेवा के अधिकारी सहित कुल 11 अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। शनिवार देर रात्रि अपर सचिव कर्मेंद सिंह की ओर से जारी स्थांतारण आदेश में अपर मुख्य सचिव आईएएस आनंद बर्द्धन को वर्तमान दायित्व के साथ अपर मुख्य सचिव, कार्मिक एवं सतर्कता और रमेश कुमार सुधांशु को वर्तमान के साथ प्रमुख सचिव- मुख्यमंत्री, राजस्व का दायित्व सौंपा गया है। शैलेश बगौली से सचिव, कार्मिक एवं सतर्कता बदलकर सचिव, गृह एवं कारागार को जोड़ा गया है। कुर्वे सचिन शरदचंद्रा से सचिव-राजस्व हटा लिया गया है। सचिव-पर्यटन, राजस्व, नागरिक उड्डयन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी-पर्यटन विकास परिषद यथावत है। महावीर सिंह चौहान को अपर सचिव आपदा प्रबंधन बनाया गया है।

पीसीएस अभिषेक त्रिपाठी को अपर जिलाधिकारी चमोली से हटाकर मुख्य विकास अधिकारी टिहरी गढ़वाल बनाया गया। जय भारत सिंह को अपर जिलाधिकारी प्रशासन देहरादून और विवेक प्रकाश को अपर जिलाधिकारी चमोली की जिम्मेदारी मिली है। पंकज कुमार उपाध्याय को अपर जिलाधिकारी प्रशासन/नजूल उधम सिंह नगर और रविंद्र कुमार जुवांठा को डिप्टी कलेक्टर हरिद्वार से बदलकर डिप्टी कलेक्टर उधम सिंह नगर बनाया गया है। चंद्र सिंह इमलाल को अपर आयुक्त गना काशीपुर बनाया गया है।

सीएम योगी के साथ मंत्री और विधायकों ने किए रामलला के दर्शन

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अपने सभी मंत्री और विधायकों के साथ रामलला का दर्शन किया। दर्शन करने वालों में भाजपा के साथ आरएलडी, बसपा, कांग्रेस और जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के भी विधायक शामिल थे जबकि सपा के विधायक नहीं पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी और विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के आग्रह पर यह धार्मिक यात्रा तय की गई थी।

भारत-नेपाल अंतरदेशीय पेट्रोलियम पाइपलाइन का निर्माण मार्च तक होगा

एजेंसी, काठमांडू

भारत में लोकसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री मोदी से उद्घाटन कराने की योजना

भारत सरकार के सहयोग से अंतरदेशीय पेट्रोलियम पाइपलाइन के दूसरे चरण का काम मार्च के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। भारत में लोकसभा चुनाव से पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इसका उद्घाटन कराने की योजना है। बिहार के मोतिहारी से नेपाल के अमलेषगंज के बीच इस पाइपलाइन का निर्माण होने के बाद डीजल की तरह ही पेट्रोल और केरोसिन ऑयल की सीधी आपूर्ति हो सकेगी।

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के वरिष्ठ अधिकारियों का एक दल इन दिनों निर्माणाधीन अंतरदेशीय पाइपलाइन की प्रगति का निरीक्षण करने नेपाल आया है। इस निरीक्षण

दल ने बीरगंज से लेकर अमलेषगंज तक हो रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया है। अमलेषगंज डिपो के प्रमुख विनीत मणि उपाध्याय ने बताया कि अब तक 60 प्रतिशत कार्य संपन्न हो चुका है और अगले दो महीनों में इस काम को पूरा करने का निर्देश ठेकेदार कंपनी को दिया गया है।

राजस्थान में धर्म परिवर्तन पर बवाल जमकर हुआ घमासान

भरतपुर। राजस्थान के भरतपुर जिले में आज धर्म परिवर्तन कराने का बड़ा मामला सामने आया है। यहां एक होटल में करीब 500 लोगों का एक साथ धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था। लेकिन इसकी भनक विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं को लग गई। लिहाजा वे मौके पर पहुंच गए और उसे रोक दिया। इस दौरान वहां जमकर बखेड़ा हो गया।

देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया। इससे वहां भगदड़ मच गई और लोग होटल छोड़कर फरार हो गए। बाद में सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात संभाले।

अनंत ज्ञान

आज का राशिफल

बॉबी गोस्वामी, पुजारी,श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम

आज का पंचांग

(12 फरवरी, 2024)

विक्रमी संवत : 2080, **शक संवत :**1945 (शोभकृत), **मास :** माघ, **तिथि :** तृतीया 05:46 दोपहर तक, **नक्षत्र :** पूर्वाभाद्रपद (02:57 दोपहर तक) , **पक्ष :** शुक्ल, **शुभ मुहूर्त :** अभीजित (12:13 से 12:57 दोपहर तक)
राहुकाल : 08:25-09:49 सुबह तक।

विशेष दिन

12 फरवरी 2024 : गौरी तृतीया व्रत आज। 12 फरवरी 2024 : वरद तिल चतुर्थी व्रत आज।

मेष : कार्यस्थल पर आप शानदार प्रदर्शन करेंगे और उत्साह के साथ काम करेंगे। यदि आप परीक्षा या प्रतियोगिता के माध्यम से नौकरी की तलाश कर रहे हैं, तो आप सफल होंगे।

वृषभ : आज कई कार्यों में व्यस्त रहेंगे। यदि व्यवसाय या नौकरी की तलाश में हैं तो आप सफल रहेंगे। नौकरीपेशा जातकों के लिए पदोन्नति या प्रगति के प्रबल संकेत हैं।

मिथुन : रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अत्यंत शुभ है। लेखन, साहित्य, कला, संगीत, सिनेमा या खेल से जुड़े लोगों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

कर्क : आर्थिक रूप से दिन शुभ है। आप आय का एक अतिरिक्त स्रोत विकसित कर सकते हैं। भाग्य आपका साथ देगा और आप कठिन कार्यों को पूरा कर पाएंगे।

सिंह: बौद्धिक गतिविधियों के लिए यह एक अच्छा दिन है। आप सभी क्षेत्रों में अच्छी प्रगति करेंगे। इच्छित काम भी पूरा हो सकता है। परीक्षा में बैठने वाले छात्रों को वांछित परिणाम मिलेंगे।

कन्या : आज परिणाम आपकी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरेंगे। आप अनावश्यक काम में शामिल होंगे और कठिनाइयों का सामना भी करेंगे। कुछ भावनात्मक विषय आपको तनाव में डाल सकते हैं।

तुला : कार्यस्थल पर किए गए प्रयास सकारात्मक परिणाम देंगे। मेहनती जातकों के लिए नौकरी में पदोन्नति और व्यवसाय में प्रगति संभव है। आर्थिक संदर्भ में सुविचारित निर्णय दीर्घकालिक लाभ देंगे।

वृश्चिक: आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। यदि आप उनमें से अधिकांश का लाभ नहीं उठा पाते हैं, तो आप सदैव के लिए अवसर खो देंगे। आपको बच्चों और भाई-बहनों की शिक्षा, नौकरी से संबंधित समाधान मिलेंगे।

धनु: आज का दिन खुशियां लेकर आएगा। आप अपनी सकारात्मक सोच के साथ स्थितियों को नियंत्रित करने में सक्षम होंगे। आर्थिक रूप से आप अधिक सुरक्षित रहेंगे।

मकर : आर्थिक रूप से यह दिन बहुत अच्छा रहेगा। प्रॉपर्टी, वाहन आदि में निवेश करने के लिए अच्छा समय है। आपके करियर में कुछ बदलाव होंगे और यह फायदेमंद भी साबित होंगे।

कुंभ : आज भाग्य आपका साथ देगा। कठिनाइयां समाप्त होंगी और रुके हुए कार्य गतिशील होंगे। वित्तीय मामलों में आपके लिए व्यवस्थित काम करना फायदेमंद और लाभकारी होगा।

मीन : आज परिणाम आपके पक्ष में होंगे। काम में कुछ उतार-चढ़ाव हो सकता है। अपने छिपे हुए दुश्मनों से सावधान रहें, जो आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं।

फैसला रेल मंत्री ने बताया, जल्द ही भारत दूसरे देशों को वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन निर्यात करने में सक्षम हो जाएगा

विदेशी पटरियों पर दौड़ेगी देसी वंदे भारत एक्सप्रेस

एजेंसी, नई दिल्ली

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को यात्रियों ने खूब पसंद किया है। तेज रफ्तार और शानदार सुविधाओं से लैस इस ट्रेन के दीवाने भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी है। सरकार की योजना इस सेमी हाई स्पीड ट्रेन के निर्यात की भी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस बात का खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि कई देशों ने वंदे भारत एक्सप्रेस को खरीदने के लिए पूछ-परख की है और आने वाले कुछ वर्षों में भारत इस शानदार ट्रेन का निर्यात शुरू कर देगा।

बिजनेस टुडे की एक रिपोर्ट के अनुसार, एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रेल मंत्री ने कहा, रेल मंत्रालय स्वदेशी डिजाइन और दक्षता के साथ सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की इकाइयों के अलावा वंदे भारत ट्रेन के

कंपोनेंट के निर्माण के लिए अपनी कार्यशालाओं को सक्षम बना रहा है। उन्होंने कहा कि वंदे भारत ट्रेन का अपने देश में अपने इंजीनियर्स की सहायता से निर्माण करना एक बड़ी चुनौती थी। इसी चुनौती पर हमने विजय पा ली है। अश्विनी वैष्णव ने दावा किया कि आने वाले कुछ वर्षों में भारत दूसरे देशों को वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन निर्यात करने में सक्षम हो जाएगा।

तेज रफ्तार और शानदार सुविधाओं से लैस इस ट्रेन के दीवाने भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी हैं

चल रही हैं 82 वंदे भारत एक्सप्रेस

भारत में इस समय 82 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें चल रही हैं। रेल मंत्री ने कहा कि वंदे भारत ट्रेनों की स्पीड बढ़ाने पर भी काम चल रहा है। नई दिल्ली-मुंबई और नई दिल्ली-हावड़ा रूट पर वंदे भारत ट्रेनों को 160 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से चलाने के प्रयास किया जा रहे हैं।

व्यस्त जीवन प्रार्थना को कठिन बना देता है परंतु प्रार्थना हमारे व्यस्त जीवन को सरल बना देती है। -अज्ञात

पाकिस्तान में लोकतंत्र है या सेनातंत्र ?

आज पाकिस्तान की स्थिति किसी से छुपी नहीं है। पाकिस्तान में भुखमरी के हालात हैं। इसका एक बड़ा कारण पाकिस्तान में लोकतंत्र का गिरवी होना ही है। स्थिति यह है कि पाकिस्तान में राजनेता मौज कर रहे हैं और जनता दर-दर की ठोकरें खाने के लिए मजबूर है। शासन की जिम्मेदारी होती है कि वह अपने देश की स्थिति को संभाले, परंतु पाकिस्तान में सरकार को संभालने की राजनीति ही की जाती रही है। जिसके कारण पाकिस्तान के ऐसे हालात बने। इतना ही वहां के राजनेता आतंकी आकाओं और सेना की कठपुतली ही बने रहे, जिसके चलते उनको सत्ता का सुख भी प्राप्त हुआ। पाकिस्तान की मौजूदा परिस्थितियां वहां के राजनीतिक नेताओं की देन हैं। अब पाकिस्तान के हालात उससे भी बुरे हो सकते हैं, क्योंकि वहां जोड़तोड़ करके जो सरकार बनेगी, उसके सामने एक मजबूत विपक्ष होगा।

सुरेश हिंदुस्तानी
स्वतंत्र टिप्पणीकार

पाकिस्तान के बनने के पश्चात प्रारंभ से पैदा हुई उसकी राजनीतिक दुश्वारियां अभी तक पीछा नहीं छोड़ रही हैं। सत्ता के संघर्ष के इस खेल में पाकिस्तान ने पाया कुछ नहीं, इसके विपरीत खोया बहुत है।

आम चुनाव में पाकिस्तान के राजनीतिक आसमान में फिर से अस्थिरता के बादल उमड़ते-घुमड़ते दिखाई दिए। पाकिस्तान की सेना और आतंकियों के संकेत पर जबरदस्ती पदच्युत किए गए पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के लिए इस चुनाव में राह को कठिन बनाने की भरपूर राजनीति की गई। इसके बाद भी पाकिस्तान में एक बड़ी ताकत के रूप में अपना स्थान कायम रखा। इसे इमरान खान की लोकप्रियता ही कहा जाएगा कि उनके विरोधी दल ताल ठोककर मैदान में सामने खड़े थे, इसके बाद भी इमरान की पार्टी पाकिस्तान-तहरीक-ए-इंसाफ सबसे बड़े दल के रूप में उभर कर आई।

वहीं नवाज शरीफ की पार्टी मुस्लिम लीग नवाज दूसरे और बिलावल भुट्टो की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी तीसरे स्थान को प्राप्त कर सकी। इसके यह भी निहितार्थ हैं कि इन दोनों से इमरान खान ज्यादा लोकप्रिय हैं। जैसा कि पाकिस्तान का चरित्र रहा है कि वहां प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने वाला व्यक्ति तब तक कुछ नहीं कर सकता, जब तक सेना और आतंकी आकाओं का आदेश नहीं मिल जाए। इसे इस रूप में कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि पाकिस्तान की सत्ता का निर्धारण सेना के हाथ में ही रहता है। पाकिस्तान में कहने को ही लोकतंत्र है, सच मायनों में वहां सेना का तंत्र ही कार्य करता है। सेना के अधिकारी जब चाहें जैसा चाहें, निर्णय कर सकते हैं। वहां सेना के मुख्य अधिकारी सत्ता को गिराने का काम करते आए हैं।

उल्लेखनीय है कि परवेज मुशर्रफ सेना के अधिकारी ही थे, जिन्होंने पाकिस्तान में तख्तापलट करते हुए शासन की बागडोर संभाली थी। इसी प्रकार अन्य भी कई उदाहरण हैं। यह पाकिस्तान की नियति बन चुकी है कि वहां अभी तक कोई भी राजनीतिक दल सत्ता का संचालन पूरे कार्यकाल तक नहीं कर सका है। क्योंकि वहां सरकार के कामों में सेना का हस्तक्षेप बहुत ज्यादा है। ऐसा इसलिए भी हो रहा है क्योंकि पाकिस्तान में सेना ने ज्यादातर शासन किया है। एक प्रकार से पाकिस्तान बनने के बाद से ही सेना की राजनीतिक सक्रियता रही है। जिसके कारण पाकिस्तान में लोकतंत्र होते हुए भी सैनिक शासन जैसा ही रहा है। इस बार के चुनाव में लोकतंत्र के हिसाब से इमरान खान काफी मजबूत दिखाई दे रहे थे, जो चुनाव के परिणामों ने भी स्पष्ट किया, लेकिन इमरान खान की पार्टी बहुमत के आंकड़े से बहुत दूर रही।

इमरान खान की पार्टी के नेताओं ने दावा किया था कि उनकी पार्टी 150 से ज्यादा सीटों पर विजय प्राप्त कर रही है। यह आंकड़े मतों की गिनती होते समय प्रारंभिक रूप से दिखने लगे थे, लेकिन उसके बाद स्थिति अचानक से बदल गई। उसके जो उम्मीदवार आगे चल रहे थे, वे पीछे होते चले गए। इस चुनाव में एक बार फिर राजनीतिक विद्वेष की खाई और ज्यादा चौड़ी होती दिखाई दी। नवाज शरीफ के पार्टी ने अपने रास्ते साफ करने के लिए इमरान को जेल भेजने का कुचक्र रचा। इमरान को चार मामलों में सजा भी मिली है, जिसके कारण चुनाव के दौरान इमरान जेल में ही रहे। इसे चुनाव प्रचार से दूर करने की कवायद के रूप में देखा जा गया।

इतना ही नहीं इमरान की पार्टी के नेताओं के सामने भी कई प्रकार के संकट खड़े किए गए। फिर भी इमरान को नहीं रोक सके। अब इमरान को रोकने के लिए एक बार फिर से पाकिस्तान गठबंधन सरकार बनाने की ओर कदम बढ़ा चुका है। यानी फिर से पाकिस्तान में ऐसा राजनीतिक भंवर बन रहा है, जिसमें पाकिस्तान निकलने की कवायद कर रहा था। पाकिस्तान में कहा यह भी जा रहा कि सेना के हस्तक्षेप के चलते इमरान को सत्ता के मुहाने पर आकर रोक दिया है। चुनाव परिणाम के बाद पाकिस्तान में इमरान के समर्थक सड़कों पर उतर आए और जमकर विरोध किया। इमरान समर्थकों की यह कवायद थम जाएगी, ऐसा फिलहाल तो नहीं लगता।

आज पाकिस्तान की स्थिति किसी से छुपी नहीं है। पाकिस्तान में भुखमरी के हालात हैं। इसका एक बड़ा कारण पाकिस्तान में लोकतंत्र का गिरवी होना ही है। स्थिति यह है कि पाकिस्तान में राजनेता मौज कर रहे हैं और जनता दर-दर की ठोकरें खाने के लिए मजबूर है। शासन की जिम्मेदारी होती है कि वह अपने देश की स्थिति को संभाले, परंतु पाकिस्तान में सरकार को संभालने की राजनीति ही की जाती रही है। जिसके कारण पाकिस्तान के ऐसे हालात बने। इतना ही वहां के राजनेता आतंकी आकाओं और सेना की कठपुतली ही बने रहे, जिसके चलते उनको सत्ता का सुख भी प्राप्त हुआ। पाकिस्तान की मौजूदा परिस्थितियां वहां के राजनीतिक नेताओं की देन हैं। यही कारण है कि पाकिस्तान आज बर्बादी के कगार पर जा चुका है। हम जानते हैं कि इमरान के शासनकाल के दौरान जनता अपना पेट भरने के लिए सड़कों पर उतर आई। लूटपाट भी की, लेकिन राजनेताओं ने इस ओर ध्यान नहीं दिया और पाकिस्तान की दुर्गति होती चली गई। अब पाकिस्तान के हालात उससे भी बुरे हो सकते हैं, क्योंकि वहां जोड़तोड़ करके जो सरकार बनेगी, उसके सामने एक मजबूत विपक्ष होगा, जो सरकार की निरंकुश कार्रवाई पर लगाम लगाने में समर्थ होगी।

अब अगर पाकिस्तान को अपनी स्थिति सुधारनी है तो उसे सत्ता की राजनीति करने की बजाय जनहित की राजनीति पर ध्यान देने पर बल देना होगा। तभी पाकिस्तान का संकट समाप्त हो सकेगा।

फिर गरमाया नागरिकता संशोधन कानून का मुद्दा

नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए का मुद्दा एक बार फिर से गरमा गया है। दरअसल, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि लोकसभा चुनाव से पहले नागरिकता संशोधन कानून लागू कर दिया जाएगा। शाह के बयान से यह साफ है कि सरकार सीएए को जल्द से जल्द लागू करने की कोशिश में है। ऐसे में बड़ा सवाल है, इसके पीछे केंद्र सरकार की चुनौती और मंशा क्या है? सीएए से जुड़ा बिल 2019 में संसद से पास हुआ था। इसके बाद इसका देशव्यापी विरोध हुआ था। हालांकि कानून का एक ही मकसद है कि जो लोग 31 दिसंबर 2014 से पहले अवैध रूप से भारत आए थे, उनमें मुस्लिम को छोड़कर बाकी सबको नागरिकता दी जाए। विरोध भी इसी बात को लेकर था कि धर्म के आधार पर इसे क्यों किया गया? यह सवाल आज भी जस का तस खड़ा है? इसलिए इस कानून को लागू करने में चुनौतियां कम नहीं हुई हैं और न होने वाली हैं।

देश का संविधान इसे सेकुलर कहता है तो फिर धर्म के आधार पर कोई कानून क्यों लागू करने की कोशिश की जा रही है? इसी सवाल का जवाब देने की चुनौती सरकार के सामने रहेगी। पांच साल हो गए, यह कानून नोटिफाई नहीं हो पाया। सरकार का कहना है कि पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से जो लोग 31 दिसंबर, 2014 से पहले भारत आए, वे देश की नागरिकता के लिए अप्लाई कर सकेंगे। इनमें हिंदू, ईसाई, सिख, जैन, बौद्ध और पारसी को शामिल किया गया है। नागरिकता देने के लिए सरकार ने एक पोर्टल भी तैयार कर रखा है, ताकि इसे लागू करने में आसानी से हो सके। बेशक केंद्र सरकार की मंशा अच्छी है, लेकिन लगता है कि इस बारे में उचित रूप से जानकारी लोगों तक नहीं पहुंच पाई। यह कानून तो भारत के नागरिकों के लिए है ही नहीं, तो फिर हंगामा बरपेगा भी क्यों? यानी कानून के बारे में और स्पष्ट तरीके से आम लोगों तक जानकारी पहुंचाना अब भी चुनौती है। छह अल्पसंख्यकों हिंदू, ईसाई, सिख, जैन, बौद्ध और पारसी को भारत की नागरिकता देने का प्रावधान है। पात्र विस्थापितों को सिर्फ पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। गृह मंत्रालय जांच करके नागरिकता जारी कर देगा। 2019 में जब संबंधित विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई थी, तब मंजूरी मिलने के बाद इसके विरोध में कई प्रदर्शन हुए थे। अब जबकि लोकसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, तब इस मसले का एक बार फिर जाग जाना कहीं न कहीं सियासी लग रहा है। इसके पीछे भाजपा की वोट बटोरने की रणनीति लग रही है। विपक्षी दल इस मसले का पुरजोर विरोध करेंगे। यह मसला लोकसभा चुनाव में जरूर गर्माएगा। अब यह देखना दिलचस्प रहेगा कि क्या सरकार नागरिकता संशोधन कानून को लोकसभा चुनाव से पहले लागू कर भी पाएगी या महज एक चुनावी स्टंट तो नहीं है।

नजरिया

किए जाओ अपनी चालाकी का इजहार हंसकर

मुमुक्षु के ठाकुर
स्तंभकार, ओबड़ी, चंबा

ठीक है भई, हर मनुष्य की अपनी व्यक्तिगत समस्याएं, मजबूरियां और प्राथमिकताएं होती हैं। कोई किसी को अपने लिए उपलब्ध होने, साथ देने, अपनी बात सुनने लिए के मजबूर नहीं कर सकते, लेकिन व्यावहारिक, सामान्य जीवन में भी यदि आपस में कोई खास अच्छे मित्र, संबंधी माने जाते हैं। किसी का साथ नहीं दे सकने के लिए कोई बहुत बड़ा बहाना पेश करना अनिवार्य है।

सर्वथा अनजाने में होना माफ किया जा सकता है। आलस में रहने वाले की निंदा की जानी चाहिए, लेकिन जानबूझकर गुप्त मक्कारी का प्रदर्शन करने वाले को कभी माफ नहीं किया जा सकता। यहां विशेष प्रासांगिक विषय सोशल मीडिया की भी चर्चा की जा रही है।

कुछ नजदीकी रिश्तेदार और करीबी मित्र उनकी अपनी विशिष्ट व्यस्तता का हवाला देकर व्हाट्सऐप पर या अन्य समूहों को तुरंत छोड़कर चले जाते हैं या सोशल मीडिया पर संपर्क में ही नहीं रहना चाहते। इसके विपरीत, बहुत व्यस्त रहने वाले कई सारे जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर के व्यक्ति और अधिकारी भी किसी विशिष्ट समूह को कभी नहीं छोड़ते। ऐसा होना इन महान व्यक्तित्व के बड़प्पन को ही दर्शाता है और साथ ही समूह को इन विशेष आदरणीय बड़े लोगों का मार्गदर्शन भी मिलता रहता है।

दुनिया में ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं है जो किसी व्यक्ति विशेष या समूह के लिए समय न दे सके।

कहते जरूर ही हैं, अरे भई, आप के लिए तो हम अपनी जान भी दे सकते हैं (लेकिन, शर्ते लागू) कौन हैं ये लोग? कहां से आते हैं? अपने आप या किसी और को भला समझते क्या हैं?

सामान्य, साधारण, बोझिल जिंदगी को लगभग घसीटते हुए जीने वाले उन अत्यंत व्यस्त लोगों के लिए हमारा यही कहना है कि किए जाओ अपनी चालाकी का इजहार हंसकर, किसी दिन करोगे हमें याद जानकर, कि तुम में थी हिम्मत कहां लूटने की, हम ही ने लुटाया था हर बार हंसकर।

अंदाज-ए-बयां — जिंदगी

जिंदगी रेत सी फिसल रही
वक्त की मुट्ठी से
राह से राह जुड़ आगे बढ़े अब
पगडंडी से।

छह महीने का हो जाता था
अनाज राशन अपना
बैहंदे खेत उजड़े सारे भर गए
अब सरकंडी से।

गाय भैंस छोड़ दिया अब
पालना घर पे अपने
दूध दही छाछ मक्खन खरीद
लाते हैं मंडी से
पाले पोसे पढ़ाए-लिखाए जिन
मां-बाप ने
छोड़ दिया वृद्धाश्रम में लगी
प्रीत पराई जन्मी से ।

पसीना पसीना हुई है गर्मी
थरथर कांप रही सर्दी
बरसात बूंद-बूंद टपके खुशबू
विहीन रंग बसंती ये।

अनिल शर्मा नील
निचली भटेड़, बिलासपुर

बढ़ता वायु प्रदूषण दिनोंदिन मानवता के लिए बहुत बड़ा खतरा बनकर उभर रहा, बचाव जरूरी

सुखदेव सिंह
स्वतंत्र पत्रकार, नूरपुर

पशु भी जमीन पर बैठने से पहले अपनी पूंछ से उस जमीन को साफ करके अपनी समझदारी का सबूत देता आ रहा है। आजकल का इंसान क्या पशुओं से भी बदत्तर बनता जा रहा है। जो इधर-उधर प्लास्टिक का सूखा कचरा फेंकर अपनी नासमझी का सबूत दे रहा है? प्लास्टिक पानी की बोतल, कोल्ड ड्रिंक, एनर्जी ड्रिंक, चाय, काफी के कप लोग इस्तेमाल कर तदोपरांत सरेआम सड़को, गलियों, बस स्टॉप पर फेंकना अपनी रोजमर्रा की आदत बना चुके हैं। सरकार ने स्वच्छता अभियान केवलमात्र मीडिया में वाहवाही लूटने के लिए नहीं चला रखा है। लोगों में सूखे कचरे से होने वाले नुकसान को लेकर सामाजिक जागरूकता बढ़े इसलिए ही चलाया गया है। स्वच्छता अभियान के तहत गांव स्तर पर कूड़ेदान रखे गए, मगर लोग इनमें सूखा कूड़ा डालने की बजाए उल्टा उनका मजाक बनाने में लगे हुए हैं। नतीजन ऐसे कूड़ेदान सिर्फ शोपीस बनकर ही रह चुके हैं। कंपनियों का कूड़ा-कचरा भी खड्डों, नालों में फेंककर पर्यावरण दूषित किया रहा है। बढ़ता वायु प्रदूषण दिनोंदिन मानवता के लिए बहुत बड़ा खतरा बनकर उभर रहा है। आसमान में उड़ते कचरायुक्त धूल के कणों से इंसान स्वच्छ वायु भी बराबर नहीं ले पा रहा है। दूषित वायु प्रदूषण की वजह से आजकल लोग कई तरह की बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। मौसम की एलर्जी, चमड़ी रोग, खांसी, दमा, ह्रदयघात, हड्डी रोग और खुशक त्वचा की समस्या से हर कोई आहत है। इसी वजह से लोग लंग, किडनी और पनुमोनिया जैसी गंभीर बीमारियों के शिकार बनते जा रहे हैं। वायु प्रदूषण इंसान के दिमाग पर भी ज्यादा असर करके शरीर को निर्जीव बनाकर रख देता है।

बढ़ते वायु प्रदूषण पर रोकथाम लगाने के लिए सरकारें फिलहाल नाकाम चल रही हैं, नतीजन इसका खामियाजा आम जनमानस को भविष्य में भुगतना पड़ सकता है। सर्दियों में खासकर लोग कूड़े-कचरे के ढेरों को आग लगाकर शरीर को तपिश देने की कोशिशें करते आ रहे हैं। ऐसे कचरे के ढेरों से उठने वाला धुआं भी वातावरण को विषैला बनाने का काम करता है। डीजल जनरेटर का धुआं और एयर कंडीशनर प्लांट की गर्म हवा भी पर्यावरण को ज्यादा गर्म बना रही है। फसलों, सब्जियों और फलों पर जहरीली दवाओं और कीटनाशक स्प्रे से भी वातावरण पर विपरीत असर पड़ा है। धान की पराली जलाने से सबसे ज्यादा वातावरण प्रदूषण हो रहा है, मगर जागरूकता बगैर यह सिलसिला सालों से इसी तरह चलता आ रहा है। बढ़ते वायु प्रदूषण की वजह से कुछेक राज्यों समेत महानगर भी खासे प्रभावित हैं। बावजूद इसके कोई सीख लेने को तैयार नहीं है। वायु प्रदूषण खासकर बच्चों को अपनी चपेट में ज्यादा ले रहा है, ऐसा माना गया है। दूषित वायु प्रदूषण से अपने बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए अभिभावकों को जागरूक बनने की जरूरत ज्यादा है। जंगलों में पेड़ों पर लगातार कुल्हाड़ी चली हुई है। पेड़ कटने की तादाद ज्यादा जबकि पौधरोपण भी मात्र दिखावे के लिए ही किया जा रहा है। पेड़ों की कमी की वजह से जमीन का जल स्तर जहां दिनोंदिन गहराता जा रहा है।

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में विकास की नई सुबह

जी किशन रेड्डी
(लेखक, केंद्रीय उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकासमंत्री हैं।)

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के राज्यों के अनूठे एवं खूबसूरत पहाड़ों व घाटियों में बदलाव की बयार बह रही है। दस वर्षों के अथक प्रयासों के बाद यहां शांति और विकास का एक नया युग शुरू हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन आठ राज्यों को भारत की 'अष्टलक्ष्मी', विकास और समृद्धि का अग्रदूत कहा, तो पहली बार इनकी अंतर्निहित क्षमताओं को स्वीकार किया गया। इस क्षेत्र में तेज गति से स्थापित हो रहे सड़क, रेल और हवाई कनेक्टिविटी के जरिए इतिहास रचा जा रहा है।

जहां तक गुणवत्ता का प्रश्न है, तो ये अवसंरचनाएं शेष भारत में उपलब्ध विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे जैसी ही हैं। यहां का युवा अब बंद, चक्काजाम और हड़ताल से परेशान नहीं हैं। अब उनके सपने पहले से कहीं ज्यादा सच हो रहे हैं। व्यापार को आसान बनाया गया है और पर्यटकों के लिए आकर्षण के नए केंद्र बनाए गए हैं। ये सब बेहतर कनेक्टिविटी के कारण संभव हुआ है। उत्तर-पूर्वी क्षेत्र, अपने आप में, अभूतपूर्व राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रेरणादायक समर्पण और प्रत्येक भारतीय के लिए बेहद प्रिय एक लक्ष्य के सामूहिक स्वामित्व की गाथा है और वह लक्ष्य है-भारत के ईशान कोण में प्रगति व विकास की एक नई सुबह की शुरुआत। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हाल ही में संपन्न एनईसी की 71वीं पूर्ण बैठक के दौरान सही ही कहा है कि पिछला दशक उत्तर-पूर्वी भारत के इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय रहा है। इस परिवर्तनकारी दृष्टिकोण ने न केवल इस क्षेत्र में संघर्ष-केंद्रित-प्रशासन के पारंपरिक मॉडल की अवधारणा को तोड़कर शासन के विकास-उन्मुख मॉडल को खड़ा किया है, बल्कि एक मजबूत एवं अपेक्षाकृत अधिक एकजुट भारत को बढ़ावा देते हुए सांस्कृतिक और सामाजिक एकीकरण के बीज बोए हैं।

हाल ही में उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में पहली अंतरराष्ट्रीय रेलवे कनेक्टिविटी, अगरतला-अखौरा रेल लिंक को हरी झंडी दिखाना, इस बात का गौरवपूर्ण उदाहरण है कि कैसे एक समय उपेक्षित रहा भारत का यह 'सुदूरवर्ती इलाका' अब अंतरराष्ट्रीय व्यापार और पर्यटन मानचित्र पर उभर आया है। जीवंत संस्कृतियों और प्रचुर संसाधनों से लैस भारत का उत्तर-पूर्वी क्षेत्र, एक ऐसा इलाका है जिसने काफी लंबे समय तक राजनीतिक उदासीनता का दंश झेला है। वास्तविक प्रतिबद्धता की कमी को छुपाने के लिए अक्सर हिंसा और अस्थिरता को एक सुविधाजनक ओट के रूप में इस्तेमाल किया जाता था और सिद्धांत एवं व्यवहार के बीच की बड़ी खाई बिल्कुल स्पष्ट दिखाई देती थी। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में 'परिवहन से परिवर्तन' के अपने दृष्टिकोण को साझा किया था। आज 10 साल बाद, हम उनके इस दृष्टिकोण को अद्भुत रूप से साकार होते देख रहे हैं।

कनेक्टिविटी अब सबसे गतिशील क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। चाहे वह 75 वर्षों में मणिपुर में पहली माल ढुलाई से संबंधित कनेक्टिविटी हो या 100 वर्षों के बाद नागालैंड में राज्य के दूसरे रेलवे स्टेशन की स्थापना हो या कई राज्यों से पहली बार हवाई सेवाओं का उड़ान भरना हो या 75 वर्षों में पहली मालगाड़ी का 2022 में मणिपुर पहुंचना हो या फिर दुनिया के सबसे ऊंचे गर्डर रेल ब्रिज के साथ जिरीबाम-इंफाल रेलवे लाइन पर 141 मीटर ऊंचे पाए का निर्माण, एनईआर में कनेक्टिविटी में सुधार विस्मय एवं प्रेरणा का विषय रहा है। वर्ष 2014 से पहले, विशाल भारतीय रेलवे कभी भी गुवाहाटी या त्रिपुरा से आगे नहीं बढ़ पाई थी। लेकिन आज इसका नेटवर्क दूर-दूर तक फैला हुआ है और सभी राज्यों की राजधानियों को जोड़ने की योजना लगभग पूरी होने वाली है तथा स्वीकृत किए गए सेक्शनों में 170 प्रतिशत की पर्याप्त वृद्धि हुई है, जो प्रति वर्ष औसत से दोगुने से भी अधिक है (यूपीए-2 अवधि के दौरान 66.6 किलोमीटर प्रति वर्ष से बढ़कर वर्तमान में 179.78 किलोमीटर प्रति वर्ष)। राजनीतिक इच्छाशक्ति और सहयोग के भरोसे आए एक उल्लेखनीय वित्तीय उछाल ने इस बदलाव को संभव बनाया।

यूपीए-2 युग की तुलना में वार्षिक बजट आवंटन में 384 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह वित्तीय वर्ष 2023-24 में बढ़कर 9,970 करोड़ रुपए हो गई। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी का यह प्रसिद्ध कथन कि अमेरिका की सड़कें इसलिए अच्छी नहीं हैं क्योंकि अमेरिका अमीर है, बल्कि अमेरिका अमीर इसलिए है क्योंकि अमेरिका की सड़कें अच्छी हैं, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में बिल्कुल सटीक तरीके से चरितार्थ होता है।

एनईआर के विकास को प्राथमिकता देने के साथ, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग का विकास राष्ट्रीय औसत से भी आगे निकल गया है। इस सरकार के तहत उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में सड़कों का निर्माण कार्य दोगुना से अधिक हो गया है, जो यूपीए सरकार के तहत प्रतिदिन केवल 0.6 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग से बढ़कर 2014 से 2019 के बीच 1.5 किलोमीटर हो गया है। परिणामस्वरूप, आजादी के बाद से 2014 तक, एनईआर में केवल 10,905 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग थे, लेकिन केवल 10 वर्षों की अवधि में, 2023 तक यह आंकड़ा बढ़कर इस क्षेत्र में 16,125 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग हो गया। आज 1.11 लाख करोड़ रुपए की लागत से 5,388 किलोमीटर की विभिन्न परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इसी तरह, 2014 के बाद से आठ नए हवाई अड्डों के निर्माण के साथ हवाई कनेक्टिविटी को एक बड़ा प्रोत्साहन मिला है। क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी योजना एनईआर में हवाई यात्रा की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हुई है, जो चुनौतीपूर्ण मार्गों के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण की पेशकश करती है।

उड़ान योजना के तहत आज 64 नए मार्गों पर परिचालन शुरू किया गया है। पहली बार, प्रत्येक राज्य में एक सक्रिय हवाई अड्डा उपलब्ध है। हाल ही में पाकयोंग, उमरोई और ईटानगर जैसे हवाईअड्डे पर हवाई सेवाएं शुरू हुई हैं। नदियां, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र की जीवनरेखा मानी जाती हैं। चूंकि कनेक्टिविटी के बदलते प्रतिमान आर्थिक परिदृश्य से कहीं आगे तक जाने वाले लाभों के साथ जबरदस्त प्रभाव पैदा करते हैं, यह बिल्कुल स्पष्ट है कि उत्तर-पूर्वी क्षेत्र न केवल बुनियादी ढांचे के मामले में समृद्ध हो रहा है, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभाओं को भी निखार रहा है।

आधुनिकता की चकाचौंध में स्वार्थी व आत्मकेंद्रित होता इंसान ?

ब्लॉगर

लेखक : नरेंद्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार, मंडी, 09459047744

यह कॉलम ब्लॉगर के लिए है। इस व्हाट्सऐप नंबर 9882400808 पर भेजें। ई-मेल editoranantgyaan@gmail.com

आधुनिकता की चकाचौंध में आदमी इतना व्यस्त हो गया है कि उसे दूसरों के बारे मे सोचने का समय ही नहीं है कि कौन मर रहा है और कौन जी रहा है। एक समय था कि आदमी ही आदमी के काम आता था मगर आज इंटरनेट की ऐसी हवा चल पड़ी है कि कोई किसी का नहीं है।

हर इंसान मौकापरस्त हो गया है काम निकल जाने पर पहचानने से इंकार करता है। आज अच्छा करने वाले कम तो बुरा करने वाले अधिक है। जरूरतमंद इंसान की सहायता करना सबसे बड़ा धर्म है मगर आज लोगों के पास अनैतिक व अवैध कार्यों के लिए समय है मगर एक मजबूर व लाचार की सहायता के लिए समय नहीं है। कुछ दोहरे चरित्र के लोग जो समाजसेवक का चोला ओढ़ते हैं और समाज के हितैषी बनने का ढोंग रचते हैं अपने काम के लिए तो साम, दाम, दंड, भेद की नीतियां अपनाते हैं, मगर दूसरों के कामों के लिए समय नहीं है। रिश्वत व अवैध कार्य करके अपने बच्चों काम करवा रहे हैं जबकि एक प्रतिभावान पिछड़ रहा है। आज इंसान स्वार्थी व आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। वह अपने घर तक ही सीमित होकर रह गया है। कहते हैं कि किसी का अच्छा करने के लिए बड़ा दिल होना चाहिए। आज कोई किसी को अच्छी सलाह तक देने से गुरेज करता है। आज का इंसान खुदगर्ज बनता जा रहा है, आज एक गरीब व प्रतिभा संपन्न आदमी की कोई कद्र नहीं है। आज के आधुनिक इंसानों में संवेदनाएं मरती जा रही है और संवेदनहीनताएं बढ़ती जा रही हैं। इंसान माया के जाल में इतना उलझा हुआ है कि उसके आगे इंसान को बौना समझता है। इस माया के तराजू पर रिश्ते तोले जा रहे हैं। माया के लिए न तो समाज की परवाह है और न ही भगवान का डर है।

आज माया के कारण रिश्ते टूटते जा रहे हैं। मगर कहते है कि रिश्ते अगर एक बार टूट जाएं और बाद में मिल भी जाएं तो दरारें कभी नहीं भरती। माया के कारण इंसान अंधा होता जा रहा है और अपना विवेक खो चुका है। माया इकट्ठी करने के चक्कर में आज आदमी इतना व्यस्त है कि रोटी खाने के लिए समय नहीं है। ये घटिया किस्म के माया के भूखे लोग एक दिन भूखे ही मर जाएंगे। पैसे से बड़ा चरित्र होता है, मगर माया के अंधे लोगों को इससे कोई सरोकार नहीं होता। बिडंवना देखिए कि आज मानव माया को ही सब कुछ मान बैठा है। कुछ तथाकथित अमीर आज मजदूरों की कमाई से महल बना रहे हैं, मगर जिस दिन यह मजदूरों का पसीना अपना रंग दिखाएगा, महल धराशायी हो जाएंगे। मजदूरों को उनकी मेहनत का पूरा पैसा नहीं मिलता है। धन्नासेठ बने लोग मजदूरों की गाढ़ी कमाई से ऐश कर रहे हैं, मगर कहते हैं जो मजदूरों का हक मारता है ईश्वर उसे जरूर सजा देता है। मजदूरों के पसीने की कमाई से अपने बच्चों को हाई-फाई स्कूलों में पढ़ा रहे हैं और मजदूरों के बच्चे तरस रहे हैं। आज ऐसे लोग जो कभी रोटियों को तरसते थे, आज यही तथाकथित व माया के कारण अंधे हुए हैं। अमीर लोग ऐसे इतराते हैं जैसे कुबेर के खानदानी हैं। आज मानव इंटरनेट की दुनिया में मस्त है। चौबीस घंटे मोबाइल से खेल रहा है। संवेदनहीनता की हदें पार होती जा रही हैं।

कुछ तथाकथित लोग लक्ष्मण रेखा लांघ रहे हैं। श्मशानघाट पर भी फेसबुक पर व्यस्त रहते हैं। आज शहरों से लेकर गांव की नालियों में जूठन बहती है। आज लोग स्वार्थों के लिए असभ्य व गंदे लोगों का साथ देते हैं। आदमी पैसे के पीछे ऐसे भाग रहा है कि बच्चों के लिए भी समय नहीं है।

अपनी बात

ऐसा नहीं है कि सोशल मीडिया पर जो कुछ परोसा जाता है वह सारा ही खराब या गलत हो। आज सोशल मीडिया पर डॉक्टर, आयुर्वेद और अन्य विभिन्न पेशे के माहिर अपना अपना अनुभव पेश कर रहे हैं और मार्गदर्शन कर रहे हैं। जो किसी के काम भी आ सकता है। सोशल मीडिया पर बहुत सी संस्थाओं, न्यूजपेपर और न्यूज चैनलों ने अपने पेज बनाए है, जहां अफवाहें नहीं हकीकत पोस्ट की जाती है। सोशल मीडिया का प्रयोग करने वालों को उन्हीं पर भरोसा करना चाहिए। हमारे देश में जिस तरह साइबर क्राइम, चोरी, ठगी के मामले बढ़ रहे हैं, उस पर गौर किया जाए तो यह साफ जाहिर है कि हमारे देश में साइबर सुरक्षा व्यवस्था खास उचित नहीं है। आम लोगों का यह दायित्व बनता है कि सोशल मीडिया से अपनी निजता को खतरे में डालने से बचने के लिए सावधानी और सतर्कता बरतें। अपनी कोई भी निजी जानकारी या फोटो इन पर शेयर न करें। खासतौर पर महिलाओं और लड़कियों को अपनी कोई ऐसी फोटो यहां शेयर न करें, जो आपकी बदनामी का कारण बन जाए।

-राजेश चौहान

आपकी डायरी

नदी
हो गई मानव
मानव की तरह
मुखौटे धारण करती
रंग रूप बदलती,
कभी शांत गंभीर भयंकर
कभी मारती दहाड़े तबाही
मचाती
आततायियों की तरह।

कमल के प्यासा
जीरकपुर

अनंत ज्ञान

प्रकाशक एवं मुद्रक विशाल धीमान द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक समरजीत, समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPIN01099
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

न्यूज ब्रीफ

अधूरी पेंशन डालने की आलोचना की

बैठक में मौजूद पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन इंप्लाइज एसोसिएशन के सदस्य।

जोगिंद्रनगर। पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन इंप्लाइज एसोसिएशन की बैठक संगठन के प्रधान रमेश कुमार की अध्यक्षता में जोगिंद्रनगर में हुई। इसमें बोर्ड द्वारा पेंशनर्स को अधूरी पेंशन डालने के कारण पेश आई समस्याओं की आलोचना की गई। रमेश कुमार ने कहा कि संगठन द्वारा विरोध जताने के पश्चात ही बोर्ड द्वारा बची हुई पेंशन जारी की गई। उन्होंने कहा कि भविष्य में बोर्ड द्वारा इस तरह पेंशन डाली गई तो संगठन द्वारा कड़ा संघर्ष किया जाएगा। इस अवसर पर एसोसिएशन द्वारा साधुराम सीआरओ, मेघ सिंह पैटन मेकर, टेक चंद मशीन अटेंडेंट को टोपी व मफलर पहनाकर सम्मानित किया गया। बैठक में संगठन के दुनी चंद, कुलदीप चैहान राकेश,अनिल सूद तथा अन्य संगठन के सदस्यों ने भाग लिया।

मसौली में हुआ गांव चलो अभियान कार्यक्रम

भारतीय जनता पार्टी के गांव चलो अभियान कार्यक्रम में मौजूद लोग।

जोगिंद्रनगर। जोगिंद्रनगर उपमंडल की मसौली पंचायत के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी का गांव चलो अभियान कार्यक्रम रविवार को मसौली बूथ नंबर 108 में दीपन कुमार बूथ अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस मौके पर स्थानीय पंचायत की प्रधान व भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष अंजना शर्मा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रही। भाजपा हाइकमान द्वारा प्रवासी के तौर पर भेजी गई मीरा ठाकुर भी उपस्थित रही। इस मौके पर बूथ 108 के बीएलए देवराज, महिला प्रमुख सोनी ठाकुर, लाभार्थी प्रमुख रक्षा देवी, ओबीसी उपाध्यक्ष व ओबीसी प्रमुख रेवत राम व अन्य गांववासी उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों और कार्यों को लोगों का बताया गया व लोकसभा 2024 के चुनाव को लेकर सभी लोगों से मोदी के पक्ष में वोट करने की अपील की।

राजगढ़ में क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू

क्रिकेट टूर्नामेंट के शुभारंभ पर नौजवान सभा राजगढ़ कमेटी के सदस्य।

मंडी। भारत की जनवादी नौजवान सभा की राजगढ़ कमेटी ने शहीद भगत सिंह मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट की शुरुआत की है। इस क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन नौजवान सभा के राज्य अध्यक्ष सुरेश सरवाल ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि नौजवान सभा हमेशा ही देश भर में नौजवानों को प्रोत्साहित करने के लिए अलग-अलग प्रकार की खेल और संस्कृति गतिविधियां करवाती रहती है, जिससे युवाओं की प्रतिभाओं को निखारा जा सके। आज देश और प्रदेश में युवा नशे की चपेट में आ रहा है, यदि इन युवाओं को नशे से दूर रखना है तो उनका ध्यान खेलों की तरफ करना पड़ेगा। तभी युवाओं को सही दिशा दी जा सकती है। इस तरह के टूर्नामेंट पूरे प्रदेश में किए जा रहे हैं और शहीद भगत सिंह शहादत दिवस के उपलक्ष्य पर सभी जिलों में ब्लड डोनेशन कैंप, फ्री मेडिकल कैंप, कविता गोष्ठी और एथलीट मीट आदि करवाई जाएंगी। तभी हम शहीद भगत सिंह को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इस अवसर पर राजगढ़ नौजवान सभा अध्यक्ष अंकुरदीप ने कहा कि इस टूर्नामेंट में 30 टीमें भाग ले रही है। यह टूर्नामेंट 18 फरवरी को पूर्ण किया जाएगा।

मंडी में होगी डोज बॉल प्रतियोगिता

बैठक में भाग लेते डोज बॉल संघ के पदाधिकारी और सदस्य।

नेरचौक। वर्ष 2024 में होने वाली राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन हिमाचल प्रदेश में होने जा रहा है जिसको लेकर हिमाचल प्रदेश डोज बॉल संघ की बैठक प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल चौहान की अध्यक्षता में धनोटू में हुई। इस बैठक में हिमाचल प्रदेश डोज बॉल संघ द्वारा संबद्धता प्राप्त जिलों के जिला स्तरीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के बारे में विस्तृत चर्चा हुई और इसके साथ ही राष्ट्रीय स्तर की 2024 में होने वाली राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन इस वर्ष हिमाचल प्रदेश के मंडी जिला में होने जा रहा है जो की जून माह में तय की गई है जिसके लिए बैठक में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के आयोजन के बारे में आयोजित समिति का गठन किया गया और इसके बारे में विस्तृत चर्चा की गई। यह जानकारी हिमाचल प्रदेश डोज बॉल संघ के महासचिव राम सिंह चौहान ने दी

छोटी काशी के शिवालयों में घृत शृंगार ने मोह लिया सबका मन

अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सवः भक्तों को आकर्षित करने लगी भोले नाथ की माखन छवि

अनिल शर्मा, मंडी

अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव के कारज का प्रथम अध्याय शुरू होते ही छोटी काशी मंडी के शिवालयों में मक्खन के लेप से भोलेनाथ का शृंगार आरंभ हो गया है।

रविवार को बाबा भूतनाथ में दिल्ली स्थित बनखंडी महादेव का स्वरूप उकेरा गया, तो नीलकंठ महादेव थानेहड़ा मोहल्ला व सिद्ध भैरव मंदिर इंदिरा मार्केट में श्री गणेश भगवान के दर्शन कर श्रद्धालु भाव विभोर हो गए। वहीं अर्धनारीश्वर मंदिर समखेतर, ताम्रपति महादेव, नीलकंठ महादेव

नीलकंठ महादेव विक्टोरिया ब्रिज।

सिद्ध भैरव मंदिर इंदिरा मार्केट।

नीलकंठ महादेव थनेहड़ा मोहल्ला।

अर्द्धनारीश्वर मंदिर समखेतर।

विक्टोरिया ब्रिज व एकादश रूद्र मंदिर सहित सभी शिवालयों में भोलेनाथ को माखन चढ़ाकर उनकी छवि को सफेद कर मनमोहक बना दिया गया। महंत देवानंद सरस्वती ने बताया कि बाबा भूतनाथ मंदिर में दिल्ली स्थित बनखंडी महादेव का स्वरूप उकेरा गया है।

कहा जाता है कि बनखंडी महादेव का इतिहास महाभारत कालीन है। बाबा भूतनाथ भी स्वयंभू शिवलिंग है और शिव पार्वती विवाह के समय से यहां विराजमान हैं। कालांतर से यहां मंडी रियासत के राजा ने 500 वर्ष पूर्व मंदिर बनवाया था। शिव विवाह के समय बनवाए गए मंडप पर जब शिवजी प्रकट हुए थे, तो उसके पश्चात ही यहां का नाम मंडप से मंडी पड़ गया। (अनंत ज्ञान)

शिविर में दिया कुराश खेल का प्रशिक्षण

सुंदरनगर। ईगल स्कूल ऑफ मार्शल आर्ट ने नेहरू पार्क सुंदरनगर में कुराश खेल का एकदिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया। जिसमें लगभग 60 से 70 छात्र व छात्रों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण शिविर को सफल बनाने के लिए राष्ट्रीय कोच वीरेंद्र दौलत विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों को कुराश खेल की बारीकियों से अवगत करवाया और इसका अभ्यास भी करवाया। बच्चों और बच्चों के अभिभावकों ने इस प्रशिक्षण शिविर को खूब सराहा और कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण शिविर समय-समय पर लगते रहने चाहिए। अभिभावकों ने ईगल स्कूल ऑफ मार्शल आर्ट के सचिव व कोच कृष्ण लाल का तहे दिल से इस प्रशिक्षण शिविर को आयोजित करवाने का धन्यवाद किया साथ ही कुराश के अंतरराष्ट्रीय रेफरी देवेंद्र विशिष्ट व ओम प्रकाश ने अपना अहम योगदान दिया।

नशेड़ियों पर की सर्जिकल स्ट्राइक

खिलड़ा पंचायत प्रधान और उनके सहयोगियों ने की कार्रवाई

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर

प्रदेश में चिट्टा और चरस का कारोबार लगातार बढ़ रहा है। पुलिस, प्रशासन और सरकार की लाख कोशिशों के बावजूद इस पर लगाम लगना मुश्किल है। नशे का सबसे ज्यादा प्रभाव युवा वर्ग पर है। जिस कारण कई घर भी बर्बाद चुके हैं। जहां पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ सामाजिक सहभागिता पर जोर दिया जा रहा है, वहीं नशा माफिया के खिलाफ अब जनप्रतिनिधियों सहित लोग भी सामने आ रहे हैं।

ताजा मामले में मंडी जिला के सुंदरनगर विकास खंड की ग्राम पंचायत खिलड़ा के प्रधान और उनके कुछ सहयोगियों ने नशे की लत में पड़े तीन युवकों की गैंग को रंगे हाथों पकड़ा है। रंगे हाथों पकड़े गए इन तीनों युवकों का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल

नशेड़ियों के अड्डे पर तलाशी करते पंचायत प्रधान व अन्य।

वीडियो में पंचायत प्रधान और उनके सहयोगी तीनों युवकों से कड़ी पूछताछ कर रहे हैं। इस दौरान युवकों के कब्जे से नशे की कोई खेप तो बरामद नहीं हो पाई है, लेकिन नशीले पदार्थों को उपयोग लाए जाने वाली सामग्री और नकदी बरामद हुई है। इसके बाद पंचायत प्रधान और उनके सहयोगियों ने मामले की सूचना

तीन युवकों को पुलिस के हवाले किया

सुंदरनगर पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तीनों युवकों को थाने में पूछताछ के लिए तलब किया और मेडिकल करवाया गया है।

इसके साथ ही पुलिस ने तीनों युवकों के खून और पेशाब के सैंपल प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजे है। अब मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही पुलिस मामले में नियमानुसार कार्रवाई करेगी। थाना प्रभारी सुंदरनगर जसवीर सिंह ने बताया की तीनों युवकों को थाने में पूछताछ के लिए लगातार तलब किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तीनों युवकों के खून और पेशाब के सैंपल लेकर प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही पुलिस मामले में नियमानुसार कार्रवाई करेगी।

पंडित दीनदयाल के जीवन से लें प्रेरणा : राजीव कुमार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

संकल्प युवक मंडल छोटा समाहल सरकाघाट के संयोजक राजीव कुमार ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय एक दार्शनिक एवं गहन चिंतक होने के साथ वह एक ऐसे समर्पित संगठनकर्ता और नेता रहे हैं। उन्होंने कहा कि 11 फरवरी 1968 का दिन देश के राजनीतिक इतिहास में काला दिन है।

इसी दिन पंडित दीनदयाल की आकस्मिक मृत्यु हुई थी। मुगलसराय रेलवे स्टेशन के निकट चलती रेलगाड़ी में संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी मौत हो गई। उनके अनुयायी आज भी उस दुर्घटना से आहत हैं।

उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय सन 1953 से 1968 तक भारतीय जनसंघ के नेता रहे। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन में व्यक्तिगत

नशे जैसी बुराई को छोड़कर राष्ट्र निर्माण में दें योगदान

शुचिता एवं गरिमा के उच्चतम आयाम स्थापित किए हैं, जिनसे हमें शिक्षा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का संपूर्ण जीवन देश सेवा के लिए व्यतीत हुआ और संघर्ष करते हुए उन्होंने कई सफलताएं पाई। नई पीढ़ी को उनसे प्रेरणा लेकर नशे जैसी बुराइयों को छोड़कर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए।

पंचवक्त्र के अस्थायी पुल का किया गया पुनः निर्माण

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

पिछले वर्ष आई बरसात में आपदा के कारण सुकेती नदी का जल स्तर बढ़ने से लगभग 40 वर्ष पुराना पंचवक्त्र पुल सुकेत नदी में समा गया और लगभग सात महीने होने पर भी टूटा हुआ पुल नहीं बन पाया। हालांकि इस पुल का काम शुरू हो गया है, लेकिन जिन लोगों का रोज का इस पुल के माध्यम से आना जाना है उनको लंबा रास्ता तय करना पड़ता है।

स्थानीय निवासी वीरेंद्र प्रशाद ने बताया की पुल के ढह जाने से स्थानीय लोगों को भारी परेशानीयों का सामना करना पड़ता है और इसी समस्या को देखते हुए स्थानीय लोगों ने सुकेत नदी पर एक अस्थायी पुल का निर्माण किया था। पिछले दिनों हुई लगातार बारिश के कारण सुकेत नदी का जल स्तर बढ़ने से लोगों द्वारा बनाया गया अस्थायी पुल भी ढह गया और स्थानीय लोग एक बार फिर लंबा

सफर तय करने पर मजबूर हो गए। वहीं जलस्तर कम होने पर मंडी शहर निवासी दीपक वैद्य, हरीश शर्मा और कुछ युवकों ने मिलकर फिर से अस्थायी पुल बना दिया है जो कि लोगों के लिए एक सुविधा जनक बात हुई और स्थानीय लोगों ने भी इस कार्य की सराहना की। बता दें की दीपक पंचवक्त्र मंदिर के समीप चाय की दुकान करते हैं और गन्ने का जूस भी बेचते हैं। वहीं हरीश शर्मा पुरातत्व विभाग के कर्मचारी है। दोनों व्यक्तियों ने घंटो ठंडे पानी में उतर कर लोगों के लिए अस्थायी पुल का निर्माण किया जिसे सभी सराह रहे है।

देव टुंडीवीर के मंदिर की हुई प्राण प्रतिष्ठा

52 से अधिक देवता कमेटियों ने की शिरकत, देवता से लिया आशीर्वाद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

जिला मुख्यालय से 12 किलोमीटर दूर द्रंग सिरा इलाके की कटिंडी पंचायत के गांव साढ़ला में रविवार को मेले जैसा माहौल रहा। मौका था श्री देव टुंडीवीर के नवनिर्मित भंडार के प्रतिष्ठा समारोह का। इस प्रतिष्ठा समारोह में हजारों लोगों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।

पूरे द्रंग क्षेत्र से 52 देवताओं की कमेटियों के गणमान्य सदस्यों ने इसमें भाग लेकर प्राण प्रतिष्ठा समारोह की गरिमा बढ़ाई। विधायक पूर्ण चंद ठाकुर भी इस समारोह में शामिल हुए तथा आशीर्वाद हासिल किया। पराशर के बांधी सुखदेव ऋषि थट्टा, उतरसाल से आदी ब्रहमा समेत चार दर्जन से अधिक कमेटियों के सदस्यों व पदाधिकारियों ने शाढ़ला पहुंच कर नवनिर्मित भंडार में विराजमान श्री देव टुंडीवीर के रथ के आगे शीश नवाकर आशीर्वाद लिया। श्री देव

श्री देव टुंडीवीर का नवनिर्मित भंडार।

टुंडीवीर मंदिर कमेटी के प्रधान नानक चंद, सचिव तेज कुमार, गूर मनोहर लाल व पुजारी गीता राम और बली राम ने सभी आगंतुक श्रद्धालुओं को पटका पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस मौके पर भजन कीर्तनों ने पूरे माहौल को देवमय कर दिया। प्रधान व सचिव ने बताया कि यह देवता का मूल स्थान है। पहले देवता को करंडी में ही रखा जा रहा था अब विधिवत रथ का निर्माण कर दिया गया और नवनिर्मित भंडार में स्थान दिया गया है।

उन्होंने बताया कि इस प्राण प्रतिष्ठा समारोह व भंडार के निर्माण में गांव साढ़ला के अलावा कटिंडरी, तरयामली, भनवाड़ी, बासाधार, कासला, सांगली, खड़ीधार, बड़ीधार, रूंहज, लवांडी, तरांडी, कमांद, मेहड़, टांडू समेत कई गांवों के श्रद्धालुओं का रहा है। श्री देव टुंडीवीर को देव बूढ़ा बिंगल का बजीर माना जाता है। मंदिर कमेटी के अनुसार दस क्विंटल चावल की धाम का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों लोगों ने रविवार को पूरा दिन आनंद उठाया। रविवार को पूरे क्षेत्र में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता था तथा एक मेले जैसा माहौल देखा गया।

जोगिंद्रनगर महाविद्यालय में सात दिवसीय एनएसएस शिविर शुरू

सामाजिक कार्यों के साथ-साथ शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेंगे स्वयंसेवी

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

सात दिवसीय एनएसएस का विशेष शिविर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. श्रवण सिंह और आरती शर्मा के मार्गदर्शन में राजीव गांधी स्मारक राजकीय महाविद्यालय जोगिंद्रनगर की एनएसएस इकाई द्वारा रविवार को शुरू किया गया। इसका उद्घाटन महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर सुनीता सिंह द्वारा किया गया।

सात दिनों के कैंप में स्वयंसेवी सामाजिक कार्यों के साथ-साथ शैक्षणिक गतिविधियों में भी भाग लेंगे। शिविर के दौरान महाविद्यालय परिसर की साफ-सफाई, एनएसएस पार्क के निर्माण के साथ-साथ नगर पंचायत जोगिंद्रनगर के सेरी वार्ड में विभिन्न सामुदायिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर

शिविर के दौरान मुख्य अतिथि का संबोधन सुनते स्वयंसेवी व अन्य।

में 67 स्वयंसेवी भाग ले रहे हैं। मुख्य अतिथि ने स्वयंसेवियों को सात दिवसीय शिविर के लिए बधाई दी और एक स्वयंसेवी में मजबूत इच्छा शक्ति होने के साथ-साथ समग्र व्यक्तित्व में सुधार के लिए अपना बहुमूल्य मार्गदर्शन दिया। स्वयंसेवियों को सात समूहों में बांटा गया है। शिविर के दौरान स्वयंसेवियों को सामुदायिक रसोई का संचालन व विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

पहले दिन स्वयंसेवियों ने कॉलेज परिसर की सफाई की। इस अवसर पर डॉ. धर्मवीर सिंह, राजकुमार, लेखराज व बालक राम व चेतराम विशेष रूप से उपस्थित रहे।

गुहार जोगिंद्रनगर बस अड्डे पर छह फरवरी को बस के नीचे आने से गंवाई एक टांग

कोहरा द्रौवड़ी गांव के रामलाल के लिए मांगी मदद

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

उपमंडल जोगिंद्रनगर की ग्राम पंचायत चौंतड़ा के अंतर्गत कोहरा द्रौवड़ी गांव के 73 वर्षीय रामलाल छह फरवरी मंगलवार दोपहर को जोगिंद्रनगर बस स्टैंड में एचआरटीसी की बस की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इस दौरान उन्हें सिविल अस्पताल जोगिंद्रनगर और वहां से टांडा और फिर पीजीआई रेफर किया गया था।

इस घटना में रामलाल ने अपनी एक टांग खो दी है। रामलाल के परिवार की स्थिति बेहद खराब है। परिवार में इनकी धर्मपत्नी 70 वर्षीय फूला देवी, उनका लड़का राजेश उनकी पत्नी रक्षा देवी और उनके दो छोटे बच्चे हैं।

लड़का दिहाड़ी मजदूरी करके व रामलाल प्लास्टिक और शीशे की बोतलें एकत्रित कर अपने परिवार का पालन पोषण कर रहा

कोहरा द्रौवड़ी गांव के 73 वर्षीय बीमार रामलाल परिजनों के साथ।

था। एकाएक इस घटना से पूरा परिवार चिंतित है वहीं परिवार में कमाने वाला अब सिर्फ उनका लड़का राजेश है। रामलाल की इस दयनीय स्थिति से परिवार बहुत चिंतित है। रविवार को ग्राम पंचायत चौंतड़ा के उपप्रधान रेबत सिंह व सभी महिला मंडल व स्थानीय लोग रामलाल को देखने और परिवार को ढांढस देने के लिए पहुंचे। इस दौरान सभी लोगों ने प्रशासन से अपील की है कि इस परिवार को उचित मुआवजा और सहायता दी जाए।

यह परिवार बेहद गरीब है और कच्चे मकान में ही परिवार का गुजर बसर हो रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि सोमवार को एसडीएम जोगिंद्रनगर और एचआरटीसी के उच्च अधिकारियों से मुलाकात की जाएगी और रामलाल के इलाज के लिए यथासंभव प्रयास किया जाएगा। इस मौके पर उपप्रधान रेवत राम, पूर्व प्रधान किशोरी लाल, अधिवक्ता इंद्र सिंह, हीरामणि, राकेश कुमार,मंगत राम, राजकुमार, मधु, महिला मंडल की महिलाएं व स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

ब्रह्मा-लक्ष्मी टीम ने जीता मेमोरियल टूर्नामेंट कप

चौबे राम साहू विजेता टीम को सम्मानित करते हुए।

सैंज। जिला कुल्लू के सैंज की ग्राम पंचायत कनौन के ढाका स्टेडियम छानीनाल में आयोजित मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मैच में ब्रह्मा-लक्ष्मी आनी और लंका शायर कनौन का मुकाबला हुआ, जिसमें ब्रह्मा-लक्ष्मी आनी विनर रही। इस क्रिकेट मेमोरियल टूर्नामेंट में जिलाभर की 32 टीमो ने भाग लिया। शनिवार को हुए फाइनल मैच में ब्रह्मा-लक्ष्मी आनी और लंका शायर टीम के मध्य खेल गया। जिसमें पहले बेटिंग करते हुए ब्रह्मा-लक्ष्मी टीम ने 15 ओवरो में चार विकट पर 201 रन बनाए। इसके जवाब में लंका शायर टीम नौ विकट पर मात्र 104 रन बनाकर आऊट हो गई। और ब्रह्मा-लक्ष्मी से मैच हार गए। देवराज मैन ऑफ द टूर्नामेंट रहे। यूनियन के कोषाध्यक्ष एवं एग्जीक्यूटिव मेंबर बंजार भाजपा चौबे राम साहू पधारे। खेलकूद समिति के सदस्यों ने यहां पहुंचने पर उनका स्वागत किया। इस मौके पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए चौबे राम ने कहा कि ऐसे ही छोटे-छोटे आयोजनों से एक दिन खिलाड़ी बड़े स्टेडियम तक पहुंचता है। उन्होंने विजेता टीम को ट्रॉफी के साथ 71 हजार और रनरअप टीम को 31 हजार और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। मुख्यतिथि ने आयोजक खेलकूद समिति को अपनी ऐच्छिक निधि से 21 हजार रुपए की राशि भेंट की।

बर्फ की वादियों का राजस्थान के किसानों ने किया भ्रमण

राजस्थान के किसान एक्सपोजर विजिट के दौरान मनाली स्थित पर्यटन स्थल में।

केलांग। राजस्थान के किसान इन दिनों हिमाचल में एक्सपोजर विजिट पर हैं। यहां पहुंचकर कृषि की तकनीक को सीख रहे हैं। केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर मालपुरा जिला टोंक राजस्थान द्वारा केंद्र सरकार की विभिन्न उप-योजनाओं में 80 से ज्यादा चयनित राजस्थान राज्य के विभिन्न जिलों टोंक, बीकानेर, जयपुर, बाड़मेर, दौसा, डूंगरपुर एवं अन्य जिलों के किसान यहां आए हैं। नौ से 11 फरवरी को हिमाचल प्रदेश की उन्नति खेती, ऑफ सीजन वेजिटेबल्स, बागान और उनके विभिन्न उत्पादों के निर्माण से आजीविका अर्जित के बारे में जानकारी हासिल की। संस्थान के मीडिया प्रभारी डॉ. अमर सिंह मीना ने बताया कि भ्रमण कार्यक्रम निदेशक डॉ. अरुण कुमार तोमर के दिशा-निर्देशों से चल रहा है। डॉ. अमर सिंह मीना ने बताया कि किसानों का भ्रमण कार्यक्रम के दौरान अंगोरा खरगोश, भारत मेरिनो, गद्दी भेड़, यॉक, ऑफ सीजन वेजिटेबल्स के साथ प्रदेश की मनाली और मनिकारन स्थान को भ्रमण कराया, जिससे को देखकर सभी किसान बहुत आनंदित हुए और मनाली में बर्फ को देखकर किसान बहुत खुश हुए। सभी भ्रमण में आए किसान हिमाचल की सुंदरता, लोगों का व्यवहार देखकर बहुत खुश दिखे। राजस्थान के किसानों ने इस दौरान हिमाचल प्रदेश सोलन, शिमला, गड़सा कटराईं, मनाली, मणिकर्ण आदि जगह भ्रमण किया।

प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सोलंगनाला में साहसिक खेलों की धूम

हवा में बातें कर रहे सैलानी, बर्फीली खेलों का उठा रहे लुत्फ

कमलेश वर्मा, मनाली

स्कीइंग के लिए दुनिया में मशहूर पर्यटक स्थल सोलंगनाला में इन दिनों साहसिक गतिविधियों की धूम मची हुई है। बर्फ से लदी वादियों में सैलानी पैराग्लाइडिंग सहित माउंटेन बाइक के सुहाने सफर का आनंद उठा रहे हैं। ताजा बर्फबारी के बाद मनाली में सैलानियों की आमद बढ़ी है। साथ ही पर्यटन गतिविधियों में भी बढ़ोतरी हुई है। सोलंगनाला में साहासिक गतिविधियां शुरू होने से घाटी के सैकड़ों युवाओं का रोजगार भी निकला पड़ा है।

सोलंगनाला में स्कीइंग का लुत्फ उठाते पर्यटक।

गौरतलब है कि गर्मियों में पर्यटक स्थल सोलंग नाला में सैलानियों की चहल-पहल कम होती है, जबकि इन दिनों सर्दियों में सैलानी सोलंग का ही रुख कर रहे हैं। वादियों में बर्फबारी होने से बर्फीली खेलों पैराग्लाइडिंग, माउंटेन बाइक जैसी साहसिक खेलों की धूम मची हुई है। रोहतांग व मढी हालांकि इन दिनों सैलानियों के लिए बंद है लेकिन सोलंगनाला दस्तक देकर सैलानी साहसिक खेलो का आनंद ले रहे हैं। (अनंत ज्ञान)

स्की ढलान में आज प्रतिभा के जौहर दिखाएंगे खिलाड़ी

सोलंगनाला की स्की ढलान में सोमवार को प्रदेशभर के 300 स्कीयर अपनी प्रतिभा के जौहर दिखाएंगे। प्रदेश के विभिन्न जिलों से स्कीयर मनाली पहुंच गए हैं। विधायक भुवनेश्वर गौड़ स्की एंड स्नो बोर्ड चैंपियनशिप का विधिवत शुभारंभ करेंगे। स्थानीय स्कीयर पिछले चार पांच दिन से स्की स्लोप में अभ्यास कर रहे हैं। हिमपात न होने से सोलंगनाला की सारी रौनक लाहौल घाटी की ओर चली गई थी, लेकिन अब हिमपात ने रौनक लौटाई है। हिमाचल प्रदेश विंटर गेम्स एसोसिएशन के अध्यक्ष लुदर ठाकुर ने बताया कि स्की एंड स्नो बोर्ड चैंपियनशिप के लिए एसोसिएशन ने सारी तैयारी कर ली है। प्रदेश भर से स्कीयर मनाली पहुंच गए हैं। सोमवार सुबह 11 बजे विधायक भुवनेश्वर गौड़ स्की एंड स्नो बोर्ड चैंपियनशिप का विधिवत शुभारंभ करेंगे।

लला मेमे फाउंडेशन कल देवसदन में लगाएगी रक्तदान शिविर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

हर साल की तरह इस बार भी लला मेमे फाउंडेशन की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। लाहौल के आध्यात्मिक गुरु लला मेमे की स्मृति में जहां पिछले 13 वर्षों से लगातार उनकी पुण्यतिथि मनाने का क्रम अनवरत जारी रखा है। वहीं 12 वर्षों से 13 फरवरी को हर साल रक्तदान शिविर भी आयोजित किया जाता है। इसी कड़ी में लला मेमे फाउंडेशन इस बार भी 13 फरवरी के निश्चित दिन पर रक्तदान शिविर का आयोजन करने जा रही है।

फाउंडेशन के अध्यक्ष मंगल चंद मनेपा एवं संयोजक प्रेम प्रधान ने बताया कि 13 फरवरी को इस रक्तदान शिविर में भारत तिब्बत सीमा पुलिस, सीमा सुरक्षा बल, ग्रेफ के जवानों के साथ हिमाचल पुलिस, हिमाचल पथ परिवहन निगम, आईटीआई शमशी, पतलीकूहल, कुल्लू, सैंज तथा डाइट एजुकेशन एंड ट्रेनिंग, लाहौल-स्पीति छात्र संघ, सहभागिता जैसे संस्थानों के सदस्यों सहित आमजनमानस की बहुत बड़ी भागीदारी रहती है। देवसदन में आयोजित

एडीएम अश्वनी कुमार रक्तदान करके करेंगे कार्यक्रम का शुभारंभ

होने वाले इस एकदिवसीय रक्तदान शिविर का शुभारंभ एडीएम कुल्लू अश्वनी कुमार स्वयं रक्तदान करके समाज में आदर्श स्थापित करके करेंगे। वहीं बतौर विशिष्ठ अतिथि प्रसिद्ध रक्तदानी एवं समाजसेवी ओम प्रकाश आड़ व प्रेम ठाकुर भाग लेंगे।

उन्होंने बताया कि प्रदेश के सबसे बड़े रक्तदान शिविर आयोजित करने का रिकॉर्ड भी लला मेमे फॉउंडेशन के नाम ही है, जिसमें एक ही दिन में साढ़े तीन सौ लोगों ने रक्तदान किया था। उन्होंने बताया कि अश्वनी कुमार लाहौल घाटी के एक युवा प्रशासनिक अधिकारी हैं, जिनसे प्रभावित होकर घाटी के बहुत सारे युवा प्रशासनिक सेवा से जुड़ी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। एडीएम अश्वनी कुमार द्वारा इस रक्तदान शिविर में स्वयं रक्तदान करने से समाज में एक अच्छा संदेश जाएगा और लोग मानवता की सेवा के लिए आगे आएंगे।

पारंपरिक वेशभूषा में की भगवान शिव की अराधना

केलांग। लाहौल घाटी में फागली उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। फागली उत्सव के दूसरे दिन नालड़ा गांव सहित अधिकतर गांव में भूमि पूजन किया गया और आने वाले समय मे अच्छी फसल व खुशहाली को लेकर देवी-देवताओं से प्रार्थना की गई। फागली के दूसरे दिन ऐतिहासिक गांव नालडा में पुनाह उत्सव मनाया गया। नालड़ा के ग्रामीणों ने पारंपरिक वेषभूषा में सुसज्जित होकर निर्धारित स्थल पर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की और आने वाले समय के लिए अच्छी फसल और प्राकृतिक आपदा से गांव की रक्षा की प्रार्थना की।

ऐसी मान्यता है कि नालड़ा गांव के इस उत्सव को देखने के लिए देवलोक से देवता भी सात पौड़ी नीचे उतरते हैं और इस मनोरम दृश्य को निहारते हैं। ऐसी भी जनश्रुति है कि इस घड़ी में सूरज-चांद भी थोड़ी देर के लिए स्थिर हो जाते हैं। समय बीतने के साथ घाटी में त्योहार मनाने के तौर तरीकों में भी बदलाव देखने को मिल रहा है। नालड़ा के ग्रामीण आज भी सदियों पुरानी अपनी इन परंपराओं का संजोए हुए हैं। ग्रामीण दास, लाल चंद व कुंदन ने बताया लाहौल में कुस (फागली) के बाद दूसरे दिन भूमि पूजन की परंपरा है। उन्होंने बताया कि लाहौल के नालड़ा गांव का पुनाह उत्सव मनाया गया। फागली के साथ मनाए जाने वाले इस उत्सव में भूमि पूजन कर खुशहाली व अच्छी फसल की कामना की गई।

रामलला के दर्शन कर अयोध्या से कुल्लू पहुंचे रामभक्त

रामलला के दर्शन कर अयोध्या से कुल्लू पहुंचे रामभक्त सामूहिक चित्र में।

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल

भगवान राम के दिव्य दर्शन करने के उपरांत अयोध्या से कुल्लू 55 राम भक्तों का दल सकुशल देवभूमि कुल्लू पहुंच गया। सात फरवरी को श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा होने के उपरांत कुल्लू जिला के रामभक्तों का दल भगवान राम जी के दिव्य दर्शन हेतु अयोध्या के लिए रवाना हुआ था।

मंदिर प्राण प्रतिष्ठा होने से पूर्व पूरे देश भर में श्रीराम जी की जन्मभूमि अयोध्या से कलश में अक्षत से भरे चावल श्री राम मंदिर ट्रस्ट द्वारा भेजे गए थे। कुल्लू जिला में भी ये कलश भगवान रघुनाथ जी के मंदिर पहुंचे थे। 25 से 31 जनवरी 2023 तक श्रीराम लला मंदिर अभियान टोली द्वारा गांव-गांव के मंदिरों में कलश यात्रा निकली गई। उसके उपरांत एक जनवरी से 15 जनवरी 2024 तक प्रत्येक घर तक अक्षत वितरित किए थे।

प्रैस वार्ता में कुल्लू जिला संघचालक माननीय नरेंद्र ठाकुर ने कहा कि आज से लगभग 497 वर्ष पूर्व जिस मुग़ल आक्रांता बाबर ने श्रीराम के मंदिर को तोड़ कर ध्वस्त किया था, आज उसी स्थान पर एक बार पुनः भव्य मंदिर बनकर तैयार हो चुका है। यह समस्त हिंदुओं के लिए गर्व व सम्मान की बात है। इस यात्रा में मोती लाल ठाकुर, मानचंद आनंद, विमला आनंद, किशन ठाकुर, सुरेश ठाकुर आदि शामिल रहे।

टशीगंग के लोग लोस चुनाव से किनारा करने के मूड में

कमलेश वर्मा, काजा

हर बार विधानसभा व लोकसभा चुनावों में अपनी 100 फीसदी भागीदारी सुनिश्चित करने वाले एशिया के सबसे ऊंचे मतदान केंद्र टशीगंग के गेते और टशीगंग गांव के लोग इस बार लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करेंगे। सरकार से नाराज चल रहे यहां के लोगों ने इस बार लोकसभा चुनाव के वहिष्कार करने का निर्णय लिया है। यहां के लोग सरकार से नाराज चल रहे हैं। ऐसे में लोगों ने इस संबंध में एडीसी काजा के माध्यम से सीएम हिमाचल प्रदेश को एक पत्र लिखकर इसकी जानकारी साझा की है और चुनाव वहिष्कार करने की अनुमति मांगी है।

ग्रामीणों ने सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू को पत्र लिखकर मांगी बहिष्कार की अनुमति

गौर रहे कि लाहुल-स्पीति जिला का टशीगंग मतदान केंद्र समुद्र तल से 15,256 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। गत विधानसभा चुनाव में भी यहां के सभी 52 मतदाताओं ने मतदान किया था, लेकिन इस बार लोकसभा चुनाव से यहां के लोग किनारा करने के पूरे मूड में हैं। चुनाव न करने के निर्णय को लेकर ग्रामीणों का तर्क है कि यहां के लोगों की मांगों पर सरकार गौर नहीं फरमा रही है। दरअसल, गेते और टशीगंग के 12 मजदूर लोक निर्माण विभाग में कार्यरत थे जिन्हें ठीक नियमित होने से पूर्व विभाग से निकाल दिया है। इन मजदूरों को किब्बर से गेते और टशीगंग को जाने वाली 13 किलोमीटर लंबी सड़क को बहाल और रखरखाव के लिए तैनात किया गया था।

इन मजदूरों को हटाने के चलते गांव के लोगों का जहां रोजगार छिन गया, तो वहीं गांव को जाने वाली सड़क भी बदहाल हो गई है। जिससे यहां के लोग सरकार से नाराज चल रहे हैं। ऐसे में ग्रामीणों ने कुछ दिन पहले सीएम को पत्र लिखकर चुनावों का बहिष्कार करने की सूचना दी है और सरकार से इसकी अनुमति मांगी है। गांव के लोगों ने सीएम को लिखे पत्र में कहा है कि वर्ष 1990 (के आसपास) में लोक निमार्ण विभाग काजा ने हिमाचल प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार की हर गांव को सड़क से जोड़ा। 13 किलोमीटर लंबी इस सड़क का रखरखाब करने के लिए वर्ष 1992-93 में सात मजदूरों की नियुक्तियां की गई। (अनंत ज्ञान)

> **मजदूरों** के इस पत्र को मुख्यमंत्री को भेज दिया है। ताकि लोगों की समस्या का समाधान निकल सके और सीएम भी लोगों की समस्या से अवगत हो सकें। -राहुल जैन, एडीसी काजा

12 महीने के लिए किया था तैनात

इतना ही नहीं लंबे अंतराल के बाद इन मजदूरों को वर्ष 2019-20 से वर्ष में छह महीने की जगह 12 महीने के लिए लगाया गया। इस लिहाज से सितम्बर 2023 को सभी 12 मजदूर नियमित होने थे।

नियमित करने के बजाय किया बाहर

मजदूरों और लोगों द्वारा सीएम को लिखे पत्र में जिक्र किया है कि उन्हें लोक निमार्ण विभाग ने बिना पूर्व सूचना और बिना कारण बताए जनवरी, 2023 को कागजी तौर पर निकाल दिया, जबकि उसके बाद भी वह मई तक काम करते रहे पैसे भी नहीं दिए, जबकि मजदूरों को निकालने की सूचना भी मई महीने में दी गई।

इन मजदूरों को दिखाया बाहर का रास्ता

लोक निर्माण विभाग से निकाले गए मजदूरों में तकपा समतन, कलजंग डोलमा, लोवजंग छुलदिम, छेवांग लामों, छेरिंग डोलमा, पदमा दिकिद, लोवजंग, गोएजोर, सोनम दिकिद, टशी दोरजे, लोवजंग देचेन, छुझिन ठिल्ले, सोनम यंगजोम ने सीएम से लोस चुनावों के वहिष्कार करने की अनुमति मांगी है।

सिम्मी अग्निहोत्री के निधन पर जताया शोक

कुल्लू। कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता राजीव किमटा ने उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की धर्मपत्नी प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि स्व. प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री एक नेकदिल और बड़े स्तर की समाज सेविका थी। साथ ही हर समय केवल समाज सेवा के लिए खुद और अन्य महिलाओं को प्रेरित करती रहती थी।

उनके अकस्मात निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए राजीव किमटा ने भगवान से दिवंगत आत्मा की शांति और उपमुख्यमंत्री व उनकी बेटी आस्था अग्निहोत्री को इस दुख को सहन करने की हिम्मत प्रदान करें। उन्होंने परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की है। किमटा ने अपने शोक संदेश में परमपिता परमेश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने तथा शोक संतप्त परिवार को इस अपूरणीय क्षति से उभारने की प्रार्थना की है।

पतलीकूहल बस स्टैंड का आम रास्ता बन गया तालाब

मोहन कपूर, पतलीकूहल

पतलीकूहल बस स्टैंड का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है, लेकिन बस स्टैंड के साथ से पनगां सड़क, बाड़ी, जैंडी, बशकोला और रंखडू गांवो को जाने वाला रास्ता बस स्टैंड के निर्माण के कारण यहां पर पानी का तालाब बन गया है। इस रास्ते पर बस स्टैंड के साथ बहती कूहल का पानी इकट्ठा हो रहा है जिसकी निकासी बंद होने के कारण सारा पानी रास्ते में जमा हो रहा है। रास्ते पर पानी के जमा होने के कारण आम जनता को लगभग छह महीनों से परेशानी उठानी पड़ रही है।

पैदल चलने वाले लोगों को उठानी पड़ रही है परेशानी

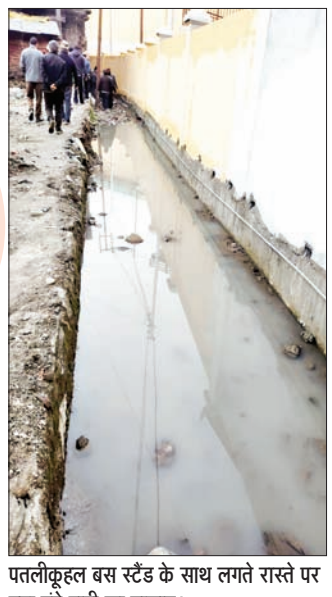

गौर रहे कि इसी रास्ते से बाड़ी व रंखडू गांव के लोग शवों को शमशान घाट ले जाते हैं। आम दिनों में तो लोग लोगों की दुकानें के साथ से वैकल्पिक रास्तों से चल रहे हैं, परंतु शव ले जाने के समय इसी रास्ते का प्रयोग करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में लोगों को इस स्थान पर जूते निकाल कर शव को पानी वाले रास्ते से ले जाना पड़ रहा है। स्थानीय लोग राज कुमार, मोहर सिंह, लोत राम, संजीव, भूपेंद्र, महिंद्र पाल, कृष्ण, रोनी का कहना है कि बस स्टैंड के बनने के बाद से इस रास्ते पर पानी जमा होना शुरू हो गया है। रास्ते के पानी की निकासी के लिए बस स्टैंड के निर्माण के समय बिलकुल भी ध्यान नहीं रखा गया है, जिसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि जनहित में आम रास्ता जो बस स्टैंड के निर्माण से खराब हुआ है उसे शीघ्र बस स्टैंड निर्माण करने वालों से सही करवाया जाए। (अनंत ज्ञान)

पनगां सड़क, बाड़ी, जैंडी, बशकोला और रंखडू गांवों को पतलीकूहल से जोड़ता है रास्ता

पतलीकूहल बस स्टैंड के साथ लगते रास्ते पर बना गंदे पानी का तालाब।

> **पतलीकूहल** बस स्टैंड के साथ लगते आम रास्ते को बस स्टैंड के निर्माण से क्षति पहुंची है और बस स्टैंड की दीवार के कारण पानी की निकासी बाधित हुई है। इस रास्ते को ठीक करने के लिए ग्राम पंचायत ने बस स्टैंड निर्माण करने वाले ठेकेदार को प्रस्ताव भेजा है, परंतु अभी तक उन्होंने इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया है। ठेकेदार को जनहित में इस रास्ते को शीघ्र ठीक करने को कहा जायेगा। -गायत्री दत्त, उपप्रधान ग्राम पंचायत हलाण-दो

चनौन की जनता को सामुदायिक भवन व सामान्य सेवा केंद्र समर्पित

अनंत ज्ञान, बंजार

बंजार विधानसभा क्षेत्र के तहत ग्राम पंचायत चनौन के घर्टगाड़ को सामुदायिक भवन व सामान्य केंद्र की सौगात मिली है। स्थानीय पंचायत के प्रधान चेतराम ने बताया कि पंचायत में बैठक का आयोजन किया गया। इस मौके पर बंजार खंड के प्रधानों के अध्यक्ष विजय ठाकुर ने कहा कि जनता विधायक सुरेंद्र शौरी के कार्यों से संतुष्ट हैं और इस बेहतर कार्य का बेहतर परिणाम जरूर मिलेगा। इसके बाद पंचायत समिति उपाध्यक्ष डूर सिंह ने दनधार की जनता के साथ अपने विचार रखते हुए कहा कि बहुत जल्द ही उनकी निर्माणधीन सड़क का भूमि पूजन करेंगे और उन्होंने आगामी लोकसभा चुनावों में सहयोग मिलने की उम्मीद जताई।

इसके बाद विधायक सुरेंद्र शौरी ने जनसभा को सामुदायिक भवन व सेवा केंद्र की बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधान कुशल हो तो बजट का प्रावधान आसानी से हो सकता है। वहीं, उन्होंने कहा कि सड़कें हमारी भाग्य रेखाएं होती हैं, इसलिए सड़कों को निकालने के लिए हम आगे रहते हैं। उन्होंने मगडूल सड़क का भी जिक्र भी किया और कहा कि हमने ईमानदारी से पूरा काम करने की कोशिश की है।

विधायक शौरी चनौन की जनता को सामुदायिक भवन व सामान्य सेवा केंद्र समर्पित करते हुए।

ग्राम पंचायत चनौन के घर्टगाड़ में सामुदायिक केंद्र का हुआ विधिवत उद्घाटन

इस मौके पर उन्होंने कहा कि हम अधिकतर दुख सुख में जनता के साथ रहने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि बंजार बाईपास जल्द क्यों नहीं बन पा रहा। आज सरकार को बने 14 महीने हो गए, लेकिन एक भी कार्य नहीं हो पा रहा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास हेतु वे हमेशा प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने देउठा सड़क को थनी होते हुए शागड़ पहुंचे जिसके लिए बजट का प्रावधान होना चाहिए ताकि क्षेत्र का विकास हो सके।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि सरकार ने जो संस्थान और स्वास्थ्य केंद्र डीनोटिफाई किए हैं उन्हें सता में आने पर सबसे नोटिफाई करेंगे। इस मौके पर पंचायत समिति उपाध्यक्ष डूर सिंह पूर्व प्रधान जय सिंह पूर्व प्रधान जय सिंह प्रधान चेत राम प्रधान विजय ठाकुर सहित वरिष्ठ प्रतिनिधि व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कैसी सुविधा परिवार नियोजन की घोषणा के तीन-चार महीने बीत जाने के बाद भी कोई नोटिफिकेशन नहीं हुई जारी

एक बेटी के जन्म पर दो लाख देने की घोषणा नहीं उतर पाई सिरे

सुरेंद्र तिबोगपा, कुल्लू

अनंत ज्ञान एक्सक्लूसिव

एक बेटी के जन्म के पश्चात परिवार नियोजन अपनाने वाले परिवार को प्रोत्साहन राशि के रूप में दो लाख रुपए देने की घोषणा जब हुई तो बहुत से परिवार जो परिवार नियोजन अपनाने की मंशा लिए हुए थे और इस घोषणा से गदगद हो गए थे। प्रदेश सरकार की तरफ से बेटियों की सुरक्षा एवं कन्या भ्रूण हत्या जैसे जघन्य अपराध को रोकने के लिए चलाई गई इंदिरा गांधी बालिका सुरक्षा योजना के तहत एक बेटी के जन्म पर परिवार नियोजन अपनाने वाले को दो लाख रुपए और दो बेटियों के जन्म पश्चात परिवार नियोजन अपनाने वाले परिवार को एक-एक लाख देने की घोषणा 2023 के अक्तूबर माह में वर्तमान सरकार के द्वारा की गई थी।

इस घोषणा को किए हुए तीन से चार महीने से ऊपर हो चुका है, मगर हैरानी की बात है कि अब तक संदर्भ में स्वास्थ्य विभाग को कोई नोटिफिकेशन जारी नहीं की गई है और न ही स्वास्थ्य विभाग को इस बारे में किसी तरह की कोई सूचना दी गई है। घोषणा के बाद से लेकर अब कई महीने बीत चुके हैं और इस दौरान बहुत से लोगों ने जिन्होंने भी इस घोषणा के बारे सुना वे अब तक उसी आस में बैठे हैं कि उन्हें भी अब दो लाख रुपए मिलेंगे। कुल्लू के क्षेत्रीय अस्पताल में एक बेटी या दो बेटी के जन्म पर परिवार नियोजन अपनाने वाले बहुत से लोग जिनको भी इस घोषणा के बारे में जानकारी है वे विभाग में आकर पहले प्रदेश सरकार की इस घोषणा के बारे में पूछताछ कर रहे हैं और जब लोगों को पता चलता है बेटी के जन्म पश्चात परिवार नियोजन अपनाने की चाहत रखने वाले लोग अस्पताल से निराश हो कर जा रहे हैं। (अनंत ज्ञान)

परिवार नियोजन पर मिल रही है वही प्रोत्साहन राशि

पूरे प्रदेश के अंदर इंदिरा गांधी बालिका सुरक्षा योजना के तहत एक बेटी के जन्म के बाद परिवार नियोजन अपना रहे परिवार को अभी तक वही प्रोत्साहन राशि दी जा रही है जो नई घोषणा के पहले दी जाती थी, हालांकि इस बारे में की गई नई घोषणा के तीन-चार महीने बीत चुके हैं मगर घोषणा को अब तक धरातल पर उतारा नहीं जा सका है।

बिना ऑपरेशन किए लौटने लगे हैं लोग

नई घोषणा से उत्साहित कुछ परिवार जब परिवार नियोजन को अपनाने के लिए कुल्लू के क्षेत्रीय अस्पताल में पहुंचे तो उन्हें पता चला कि घोषणा के बारे में अभी तक संबंधित विभाग को कोई नोटिफिकेशन जारी नहीं हुई है। ऐसे में उक्त परिवार के लोगों ने फिलहाल परिवार नियोजन के तहत ऑपरेशन करने के निर्णय को बदल कर घर वापस लौटना बेहतर समझा और सरकार की तरफ से नोटिफिकेशन जारी होने का इंतजार करना मुनासिब समझा है।

इंदिरा गांधी बालिका सुरक्षा योजना का कितनी बेटियों को मिला लाभ

इंदिरा गांधी बालिका सुरक्षा योजना के तहत वर्ष 2018 से लेकर 2023 तक पूरे जिले से करीब 80 बेटियों को इस योजना का लाभ दिया गया। वर्ष 2019 से 2023 तक जन्मी बेटियों में से एक बेटी को 35 हजार तथा बाकी 79 बेटियों में सभी को 12500 रुपए की एफडी बनवाकर सरकार द्वारा प्रोत्साहन राशि दी जा चुकी है।

> **क्षेत्रीय** अस्पताल कुल्लू में अभी तक एकल बेटी के तहत परिवार नियोजन अपना रहे लोगों के लिए नई प्रोत्साहन राशि के बारे में कोई सूचना अभी तक नहीं मिल पाई है। -डॉ. नागराज पवार, सीएमओ कुल्लू

न्यूज ब्रीफ

एपीएमसी के अध्यक्ष अजय आज संभालेंगे कार्यभार

सुनील शर्मा बिट्टू से भेंट करते हुए अजय शर्मा और सुमन भारती ।

हमीरपुर। कृषि उपज मंडी समिति (एपीएमसी) के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अजय शर्मा सोमवार को अपना पदभार ग्रहण करेंगे। उन्हें तीन दिन पहले अध्यक्ष चुना गया था। रविवार को से मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू से उनके आवास पर मिले और उनका आभार भी जताया। उनके साथ कहीं और कांग्रेसी नेता भी थे, लेकिन मुख्य रूप से जिला कांग्रेस के अध्यक्ष सुमन भारती भी रहे। दोनों नेताओं ने कहा कि वे प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं एवं नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। बिट्टू ने बताया कि मुख्यमंत्री जिला हमीरपुर के लिए कई बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान कर रहे हैं। इनमें लगभग 55 करोड़ रुपए की लागत से आधुनिक बस अड्डे का निर्माण भी शामिल है। बस अड्डे का कार्य शुरू करने के लिए सभी आवश्यक औपचारिकताएं तेजी से पूरी की जा रही हैं। इस अवसर पर कांग्रेस की शहरी इकाई के अध्यक्ष देवीदास शर्मा शहनशाह, जिला सचिव राजेश ठाकुर, डॉ. शशि शर्मा, राज्य खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम के निदेशक मंडल के सदस्य विक्रम शर्मा, नगर परिषद हमीरपुर के मनोनीत पार्षद डॉ. हर्ष कालिया आदि उपस्थित थे।

एएसएसडी स्कूल में वार्षिक समारोह मनाया

सम्मानित बच्चे मुख्यातिथि अर्चना गुलेरिया के साथ।

धनेटा। एएसएसडी पब्लिक स्कूल ग्वालपथर में आज वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह मनाया गया। जिसमें पूर्व प्रधान अर्चना गुलेरिया ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर व सरस्वती वंदना से की। मुख्याध्यापिका सपना कुमारी व स्कूल स्टाफ ने मुख्यातिथि को शाल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।इस समारोह पर नन्हे-मुन्ने बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करके सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्याध्यापिका ने वार्षिक रिपोर्ट पढ़ी व वर्ष भर की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। समारोह के अंत में मुख्यातिथि ने बच्चों को इनाम देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपप्रधान विपन शर्मा, कर्म चंद, सतीश, गगन, विपन, बबली आदि उपस्थित रहे।

गांव चलो अभियान में गिनाई केंद्र की उपलब्धियां

गांव चलो अभियान के तहत भेरड़ा बूथ में उपस्थित विनोद ठाकुर व अन्य।

सुजानपुर। गांव चलो अभियान के तहत भेरड़ा बूथ में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भाजपा सचिव विनोद ठाकुर ने बताया कि कार्यकारिणी के सभी सदस्यों ने हर घर द्वार जाकर इस अभियान के बारे में लोगों को जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों में मोदी सरकार के साथ तीसरी बार कंधे से कंधा मिलाकर चलने के लिए के लिए लोग तैयार है। उन्होंने कहा कि गांव चलो अभियान के तहत हर घर द्वार जाकर जनता को मोदी सरकार की उपलब्धियां को गिनाया जा रहा है। लाभार्थियों के साथ मिलकर उनके जीवन शैली में जो परिवर्तन आए हैं उसको समझने के साथ नवनिर्वाचित मतदाताओं की भाजपा सरकार से अपेक्षित आशाओं को समझने के साथ-साथ हर जनमानस की समस्याओं का निवारण किया जा सकता है, उस पर विचार-विमर्श किया। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के कार्यकर्ताओं में जोश भरने के साथ मोदी सरकार 400 के पार का नारा बुलंद किया गया। इस अवसर पर बूथ अध्यक्ष कैप्टन रमेश चंद गुलेरिया, मुंशी राम, अश्विनी कुमार, सुरजीत सिंह, किशन चंद, कंचन कुमारी आदि मौजूद रहे।

सरकार की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाना प्राथमिकता

गांव चलो अभियान कार्यक्रम के तहत बूथ अध्यक्ष पीतांबर दत्त व अन्य।

बंजार। भाजपा बंजार मंडल द्वारा रविवार को ग्राम पंचायत बनोगी के बूथ नंबर-64 देहुरी में गांव चलो अभियान कार्यक्रम का आयोजन बूथ अध्यक्ष पीतांबर दत्त की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। बंजार मंडल के संयोजक गोपाल शर्मा ने लोगों को केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे विस्तृत जानकारी दी, जिसमें प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के बारे विशेष रूप से जानकारी दी गई। गोपाल शर्मा ने बताया कि केंद्र सरकार की योजना को जन-जन तक पहुंचाना हर एक कार्यकर्ता का कर्तव्य है। वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के बारे एकजुट होकर कार्य करने के बारे जागरूक किया, ताकि केंद्र में तीसरी बार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनाई जा सके।

आलराउंडर टीचर ही दे सकता है बेहतर शिक्षा : राजेश धर्माणी

तकनीकी शिक्षा मंत्री ने किया इंटर-डाइट स्पोर्ट्स मीट का समापन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर

हिमाचल के तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने कहा है कि एक आलराउंडर एवं सर्वगुण संपन्न टीचर ही स्टूडेंट्स को बेहतर शिक्षा प्रदान कर सकता है, इसलिए भावी अध्यापकों के शिक्षण एवं प्रशिक्षण के दौरान उनके व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास पर विशेष बल दिया जाना चाहिए।

रविवार को अणु के सिंथेटिक ट्रैक ग्राउंड में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (डाइट) की राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के समापन अवसर पर प्रतिभागियों और शिक्षक प्रभारियों को संबोधित करते हुए राजेश धर्माणी ने कहा कि अच्छे शिक्षक तैयार करना अपने आपमें एक चुनौती है। शिक्षण-प्रशिक्षण के साथ-साथ प्रशिक्षु अध्यापकों को खेलकूद, सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों में भी अधिक से अधिक भाग लेना चाहिए। क्योंकि, ये गतिविधियां प्रशिक्षु अध्यापकों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करेंगी और वे भविष्य में आदर्श एवं ऑल-राउंडर शिक्षक बनकर देश के लिए अच्छे नागरिक तैयार करने में सक्षम होंगे।

खिलाड़ियों से रू-ब-रू होते हुए मंत्री राजेश धर्माणी।

राजेश धर्माणी ने कहा कि इंटर डाइट स्पोर्ट्स मीट का मकसद केवल ट्रॉफियां या मेडल जीतना नहीं है, बल्कि इस तरह की प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य आदर्श शिक्षक तैयार करना है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यवश, आज के दौर में हमने शिक्षा को केवल प्रतिस्पर्धी बनाकर रख दिया है। धर्माणी ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत भी किया। इससे पहले डाइट प्रिंसिपल धर्मपाल चौधरी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रदेशभर के 11 डाइट संस्थानों के लगभग 330 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। समारोह में कांगड़ा केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुमन भारती, पार्टी के अन्य पदाधिकारी, प्रतियोगिता की प्रदेश समन्वयक सुमन धीमान, विभिन्न जिलों के डाइट संस्थानों के प्रधानाचार्य एवं शिक्षक, शिक्षा विभाग के अधिकारी और अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।

जिला स्तरीय युवा संसद के आवेदन 13 को

हमीरपुर। जिला स्तरीय युवा संसद के लिए नेहरू युवा केंद्र हमीरपुर द्वारा आवेदन मांगे गए हैं। जिला स्तरीय युवा संसद में 18 से 25 वर्ष की आयु के बीच (एक फरवरी 2024) के युवा इसमें भाग ले सकते है। आवेदन की अंतिम तिथि 13 फरवरी है।

विजेता को मिलेगा दो लाख का इनाम

जिला युवा अधिकारी दीपमाला ठाकुर द्वारा बताया गया कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव का आयोजन प्रारंभ किया गया है। विगत वर्षों में लाखों युवा इस कार्यक्रम से जुड़े और उन्होंने अपनी बात राष्ट्रीय मंच पर रखी। जिला स्तर पर विजेता प्रतिभागियों को प्रशंसा पत्र प्रदान किए जाएंगे। प्रथम एवं द्वितीय आने वाले प्रतिभागी राज्य स्तर पर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। वहीं राज्य स्तर पर प्रथम प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाएगा एवं द्वितीय व तृतीय आने वाले प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर पर श्रोता की तरह हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। राष्ट्रीय युवा संसद का आयोजन दिल्ली में किया एगा। राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम आने वाले प्रतिभागी को दो लाख द्वितीय को 1,50,000 एवं तीसरा स्थान हासिल करने वाले को एक लाख का पुरस्कार दिया जाएगा, वही 50-50 हजार के दो सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता के लिए 13 फरवरी तक आवेदन किया जा सकता है। किसी भी अन्य जानकारी के लिए कार्यालय के दूरभाष संख्या 01972-222271, 85804-56082 पर संपर्क किया जा सकता है।

महिला पहाड़ी संगीत में बदलाऊं महिला मंडल प्रथम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर द्वारा आयोजित की जा रही महिला पहाड़ी संगीत प्रतियोगिता रविवार को बिझड़ी में में हुई, जिसमें 20 महिला मंडलों से लगभग 500 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष बंदना योगी पूर्व विधायक बलदेव शर्मा और माया शर्मा ने भी इसमें हिस्सा लिया।

महिलाओं ने मोदी सरकार की उपलब्धियों को लोकगीतों के जरिए प्रस्तुत किया

मंडल की टीम का कहना था सभी प्रस्तुतियां बहुत ही सुंदर थी परंतु महिला मंडल बदलाऊं प्रथम स्थान पर वह गारली महिला मंडल द्वितीय स्थान पर रहा। महिलाओं ने बहुत ही प्रस्तुतियां इस प्रतियोगिता में भी साथ ही महिलाओं ने मोदी सरकार के उपलब्धियां को लोकगीतों के जरिए प्रस्तुत किया और महिला पहाड़ी संगीत प्रतियोगिता का यह कार्यक्रम पूरे जिला हमीरपुर की महिलाओं में एक अलग-सा जोश और माहौल बना दिया है वह महिलाओं ने गानों के जरिए इस बार 400 पार का संकल्प लिया। इस दौरान जिला महामंत्री राकेश ठाकुर, महिला मोर्चा के जिला अध्यक्ष अर्चना चौहान, जिला उपाध्यक्ष उषा बिरला, मंडल अध्यक्ष यशवीर पटियाल आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के बाद सामूहिक क्षेत्र में प्रतिभागी और मुख्यातिथि।

जनता पूछ रही कहां हैं गारांटियां : विनोद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर

विनोद ठाकुर।

हिमाचल भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता विनोद ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की सभी गारांटियां पूरी तरह से फेल हैं। सरकार को बने 14 महीने हो गए हैं, लेकिन सरकार के किए गए वादे हवा हवाई होते ही दिखाई दे रहे हैं।

ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को झूठ बोलकर जनता को गुमराह करने की पुरानी आदत है। हम सरकार और कांग्रेस के नेताओ से पूछना चाहते है कि युवाओं के लिए 5 लाख रोजगार कहां गए? महिलाओं को हर महीने मिलने वाले 1500 रुपए कहां गए, 300 यूनिट बिजली फ्री कहां गई, बागवान तय करेंगे, फलों की कीमत वाली गारंटी कहां गई, मोबाइल क्लीनिक से हर गांव में होगा मुफ्त इलाज वाली गारंटी कहां गई, पशुपालकों से हर दिन खरीदेंगे 10 लीटर दूध कहां गया, दो रुपए किलो में होगी गोबर खरीद का वादा कहां गया?

उन्होंने कहा हिमाचल में सभी वर्ग परेशान है जैसे हिमाचल सचिवालय के बाहर को दृष्टिहीन (दिव्यांग) बेरोजगारों ने लगभग सवा तीन घंटे चक्का-जाम किया। ऐसा हिमाचल में कभी नहीं हुआ। सरकारी विभागों में बैकलॉग बहाल करने की मांग को लेकर दृष्टिहीनों ने जमकर नारेबाजी की।

सचिवालय के बाहर कई घंटों तक दृष्टिहीनों ने चक्का जाम किया। इस दौरान सचिवालय के बाहर लंबा ट्रैफिक जाम भी लग गया। बता दें कि प्रदेशभर से शिमला पहुंचे दृष्टिबाधित बेरोजगार सड़क पर बैठ रहे थे तो पुलिस ने इन पर हल्का बल प्रयोग भी किया, जिससे कुछ बेरोजगारों के कपड़े तक फट गए। इसके बाद कुछ बेरोजगार सड़क पर लेट गए। जिस प्रदेश में कर्मचारी, युवा, किसान, महिला परेशान हो इस प्रदेश में खुशहाली कहां से आएगी।

बाइक स्टंटबाजों पर पुलिस का शिकंजा

गलोड़ पुलिस ने जब्त की बाइक व ट्रैक्टर-ट्रॉली।

अनंत ज्ञान, गलोड़

गलोड क्षेत्र में पिछले एक माह से युवाओं द्वारा अपनी बाइकों पर स्टंटबाजी करने की घटनाओं पर पुलिस ने शिकंजा कस दिया है। पिछले एक सप्ताह में एक बाइक व एक ट्रैक्टर को जब्त किया है और हर रोज यातायात नियमों के उल्लंघन पर पुलिस का रवैया सख्त हो गया है। पुलिस की इस कार्रवाई का आम जनमानस ने स्वागत किया है। निजी गाड़ियों में सवारियां ढोने वालों पर भी पुलिस चौकन्नी हो गई है।

गत दिवस भी गलोड़ पुलिस के प्रभारी द्वारा जब एक जीप को पुलिस चौकी के पास रुकने का इशारा किया तो वह रफू-चक्कर होने लगा, मगर सामने से गाड़ी आ गई और उसे रुकना पड़ा जब पुलिस ने इस गाड़ी नंबर एचपी 6121 की जानकारी जुटाई तो यह निजी गाड़ी सवारियां भरकर ले जा रही थी। पुलिस ने इस गाड़ी का 11000 का चालान काटा। मान और कुनाह खडड में ट्रैक्टर चालक भी ट्रैक्टर की नंबर प्लेट खोलकर अवैध खनन कर रहे हैं ताकि किसी को ट्रैक्टर के बारे में जानकारी न लगे ऐसे ही ट्रैक्टरों को भी गलोड़ पुलिस ने जब्त किया है। बाइक सवार युवा भी रात के समय बाइक पर स्टंटबाजी करते हैं ऐसे एक बाइक सवार की बाइक को जब्त किया और विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

अभी हाल ही में गलोड़ जय गुग्गा टैक्सी यूनियन के चुनाव हुए हैं और नवनियुक्त कमेटी का गठन हुआ है जिसकी कमान विष्णु शर्मा को सौंपी गई है। उन्होंने भी गलोड़ पुलिस की निजी गाड़ियों में सवारियां ढोने की इस कार्रवाई का स्वागत किया है।

गलोड़ पुलिस चौकी के प्रभारी विनय कुमार अत्री ने बताया कि पुलिस यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ समय-समय पर अपना अभियान चलाती है और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा किसी को भी कानून का उल्लंघन करने पर बक्शा नहीं जाएगा।

शहीद अंकेश की दूसरी पुण्यतिथि पर प्रशासन ने की अनदेखी : वर्मा

हमीरपुर। आओ झुक कर करें सलाम उन्हें, जिनके हिस्से में यह मुकाम आता है, कितने खुश नसीब हैं वह, जिनका खून वतन के काम आता है, इस प्रकार के देशभक्ति के स्लोगन जब भी शहीदों के लिए श्रद्धांजलि समारोहों में किए जाते हैं, उन पर बोले जाते हैं, लेकिन बहुत ही जल्दी इन स्लोगनों व शहीदों को भुला दिया जाता है। इसका जीता जागता उदाहरण नौ फरवरी को घुमारवीं के सेऊ गांव में शहीद राइफलमैन अंकेश भारद्वाज की दूसरी पुण्यतिथि के समारोह में देखने को मिला। जहां प्रशासन व पुलिस का कोई भी प्रतिनिधि पुष्पांजलि देने के लिए नहीं पहुंचा।

संयुक्त मोर्चा ऑफ एक्स सर्विसमैन के प्रदेश अध्यक्ष सेवानिवृत्त कैप्टन जगदीश वर्मा, कैप्टन बालक राम शर्मा, कैप्टन संजय कुमार, सुबेदार मेजर नानक चंद, नायब सुबेदार रामानंद तथा अन्य एक संयुक्त प्रेस बयान में कही।

इन सदस्यों का कहना था कि इस समारोह के देखने से ऐसा लगता था कि यह सिर्फ पूर्व सैनिक, उनके परिवार व वीर नारियों का ही है तथा स्थानीय प्रशासन, पुलिस तथा दूसरे गांव वालों का इससे कोई लेना-देना नहीं था। राइफलमैन अंकेश भारद्वाज ने अपने परिवार या पूर्व सैनिकों के लिए ही अपने जीवन का बलिदान 22 वर्ष की उम्र में नहीं दिया था, बल्कि उसने कुर्बानी पूरे देश के लिए दी है। उन्होंने बताया कि वह 19 जैक राइफल बटालियन से एक कंटिजेंट 15 सेवार्थ सैनिकों का शहीद को सलामी देने व श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए अपनी यूनिट से सेऊ गांव में भेजा था। इस यूनिट के कमान अधिकारी का वे संगठन की तरफ से धन्यवाद का पत्र लिखकर करेंगे।

सुजानपुर क्षेत्र की बेटियां बढ़ा रही प्रदेश का मान : राणा

कृतिका जंवाल को सम्मानित करते विधायक राजेंद्र राणा, साथ हैं अन्य।

अनंत ज्ञान, सुजानपुर

अपनी बेटियों पर गर्व ही नहीं अभिमान है हमें

सुजानपुर की ग्राम पंचायत मति टिहरा की बेटी कृतिका जंवाल ने पुणे महाराष्ट्र में आयोजित राष्ट्र स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में कांस्य पदक हासिल किया है। छात्रा की इस शानदार उपलब्धि पर सुजानपुर के विधायक राजेंद्र राणा ने उसे अपने निवास स्थान पर सम्मानित किया। इस मौके पर सुजानपुर महाविद्यालय में तैनात शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रोफेसर संदीप शर्मा उपस्थित रहे।

छात्रा को सम्मानित करने के बाद विधायक ने कहा कि बेटियां सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र के साथ-साथ पूरे प्रदेश एवं अपने परिजनों का नाम रोशन कर रही हैं। हमें अपनी बेटियों पर गर्व ही नहीं अभिमान है। उन्होंने कहा कि दो दिन पहले राजकीय महाविद्यालय प्रशासन द्वारा बेटी को सम्मानित किया गया, उसके सम्मान में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। बेटी का वेलकम करने के लिए पूरा महाविद्यालय और उसके छात्र सड़कों पर उतर आए। बहुत ही अच्छी बात है। उन्होंने कहा कि जब कोई भी छात्र छात्रा किसी भी तरह की कोई उपलब्धि हासिल करते हैं उसे इसी तरह सम्मानित किया जाना चाहिए।

प्रोफेसर संदीप शर्मा ने विधायक को बताया कि कृतिका जंवाल ने पुणे महाराष्ट्र में आयोजित राष्ट्र स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में भाग लिया और कांस्य पदक प्राप्त कर सुजानपुर टिहरा महाविद्यालय का नाम रोशन किया।

योग्यता स्कॉलरशिप में 1280 बच्चों ने दी परीक्षा

ग्रीन वैली पब्लिक स्कूल जाहू में स्कॉलरशिप परीक्षा के लिए उपस्थित बच्चे।

एसके शर्मा, जाहू

ग्रीन वैली पब्लिक स्कूल जाहू में योग्यता स्कॉलरशिप का आयोजन किया गया। योग्यता स्कॉलरशिप में 1280 बच्चों ने भाग लिया, जो कि पहली कक्षा से लेकर 12वीं कक्षा के स्टूडेंट्स हैं।

स्कॉलरशिप उन स्टूडेंट्स को दी जाएगी जिनके 80 प्रतिशत से ऊपर मार्क्स होंगे। ग्रीन वैली स्कूल जाहू की चेयरमैन सावित्री चौहान ने बताया की बच्चों की दिमागी योग्यता को चेक करने के लिए स्कूल में स्कॉलरशिप प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

उन्होंने बताया कि स्कॉलरशिप लिखित परीक्षा का परिणाम 17 फरवरी को घोषित कर दिया जाएगा। लिखित परीक्षा के आधार पर स्कॉलरशिप प्राप्त करने वाले स्कॉलरशिप को स्कूल में स्कॉलरशिप आवंटित की जाएगी। उन्होंने सभी बच्चों के अभिभावकों से आह्वान किया कि 17 फरवरी को अपने बच्चों के स्कॉलरशिप परीक्षा परिणाम के लिए स्कूल कैंपस में उपस्थित रहें। इस मौके पर प्रधानाचार्य वंदना व अन्य स्कूल स्टाफ भी उपस्थिति रहा। (अनंत ज्ञान)

राइजिंग-डे रेजिमेंट से सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों ने इकट्ठे होकर अपना दुख-सुख किया साझा

21 ग्रेनेडियर ने हमीरपुर में मनाया 40वां स्थापना दिवस

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर

21 ग्रेनेडियर रेजीमेंट ने 40वां स्थापना दिवस हमीरपुर में काफी उत्साह के साथ मनाया। रेजिमेंट से सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों ने इकट्ठे होकर अपना दुख-सुख किया वह हर साल इकट्ठे होते हैं। पिछली बार उन्होंने यह समझ मुकेरियां में आयोजित किया था, लेकिन हमीरपुर में काफी तादाद में इस वर्ग के पेंशनर्स इकट्ठे हुए।

हिमाचल सहित पंजाब राज्य के पेंशनर भी पहुंचे

हिमाचल के अलग-अलग हिस्सों से यहां पहुंचे पेंशनर्स के अलावा पड़ोसी राज्य पंजाब से भी कई पेंशनर्स इस कार्यक्रम में पहुंचे हुए थे वर्ष 1984 से यह रेजिमेंट अपना स्थापना दिवस मना रही है। कार्यक्रम में पहुंचकर मुख्य रूप से कर्नल सरवन सिंह राणा ने कहा कि कई पेंशनर्स को ईसीएचएस के लाभों के संदर्भ में जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी पेंशनर को यदि रेफर किया जाता है तो वह तीन स्पेशलिस्ट चिकित्सकों को दिखा सकता है। दो लाख से अधिक खर्च पर उसे रीजनल ऑफिस की परमिशन लेनी पड़ती है। हालांकि यह प्रक्रिया सुलभ है और परमिशन लेकर इलाज करवाया जा सकता है। (अनंत ज्ञान)

40वें स्थापना दिवस पर मौजूद पूर्व सैनिक। स्थापना दिवस पर सेवानिवृत्त कर्मचारी इकट्ठे होकर दुख-सुख करते हैं साझा।

वन रैंक वन पेंशन बहाल होना जरूरी

उन्होंने वन रैंक वन पेंशन के मुद्दे पर कहा कि यह मुद्दा काफी समय से चला आ रहा है, जो कि हल होना चाहिए। वन रैंक वन पेंशन देने को लेकर सरकार को अपनी वचनबद्धता दिखानी चाहिए। कर्नल सरवन सिंह राणा ने कहा कि पूर्व सैनिकों को कई योजनाओं का पता नहीं होता। जिस कारण वे योजना के लाभ से वंचित हो जाते हैं। इसलिए पेंशनर को अपने हितों से संबंधित योजनाओं के लाभ की जानकारी होना बेहद जरूरी है।

लेक व्यू कैफे में छापामारी, अचानक पहुंचे एचपीटीडीसी के एमडी

अधिकारियों को बिना बताए पहुंचे, किचन एरिया और कमरों में जांची साफ-सफाई, एस्टीमेट बनाने के दिए निर्देश, कहा-रेनोवेट करवाया जाएगा लेक व्यू कैफे

शुभम राही, बिलासपुर

रविवार को अचानक बिलासपुर नगर के लेक व्यू कैफे में पर्यटन विकास निगम (एचपीटीडीसी) के एमडी डॉ. राजीव कुमार पहुंचे। अचानक पहुंचे एमडी राजीव कुमार के आने की जानकारी अधिकारियों व कर्मचारियों को नहीं थी।

ऐसे में यहां पहुंचने पर उन्होंने लेक व्यू कैफे का किचन एरिया का निरीक्षण किया। किचन एरिया में पहुंचने पर उन्होंने यहां पर सारी साफ-सफाई की व्यवस्था जांची। मौके पर उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों को कई विशेष दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आपको बता दें कि इस अवसर पर उन्होंने होटल के रूम भी चेक किए। यहां पर उन्होंने होटल के पर्दे से लेकर हर एक बेडशीट तक खुद चेक की। उन्होंने अधिकारियों को होटल व रेस्टोरेंट एरिया में सफाई का विशेष ध्यान रखने के लिए दिशा-निर्देश भी जारी किए। एमडी डॉ. राजीव कुमार ने बताया कि उन्होंने लेक व्यू कैफे का निरीक्षण किया है। यहां पर अधिकतर व्यवस्थाएं सही पाई गई। सफाई को लेकर कर्मचारियों को सख्त निर्देश जारी किए गए हैं।

एचपीटीडीसी के एमडी डॉ. राजीव कुमार लेक व्यू कैफे में किचन एरिया को जांचते हुए।

उन्होंने बताया कि निरीक्षण करने के दौरान यहां पर अधिकारियों ने कुछ अपनी व्यवस्थाओं में बदलाव को लेकर भी उन्हें अवगत करवाया है। लेक व्यू कैफे को जल्द ही रिनोवेट किया जाएगा। इसके लिए अधिकारियों को जल्द ही एस्टीमेट बनाने के निर्देश दे दिए गए हैं। हिमाचल प्रदेश के टूरिज्म होटल में पर्यटकों को बेहतर सुविधा देने के लिए कार्य किए जा रहे हैं। (अनंत ज्ञान)

लेक व्यू कैफे को किया जाएगा रेनोवेट : राजीव

एमडी ने कहा कि बिलासपुर के इस कैफे की व्यवस्थाएं काफी अच्छी हैं, लेकिन फोरलेन के शुरू होने से कैफे के राजस्व में काफी कमी भी दर्ज की गई है, जिसके लिए भी कुछ विचार-विमर्श किया जाएगा, ताकि निगम को किसी भी तरह से कोई घाटा न हो। आपको बता दें कि इस अवसर पर एचपीटीडीसी के एमडी डॉ. राजीव कुमार ने कैफे को रिनोवेट करने की भी बात कही है। कुछ एरिया में बदलाव करने की संभावना है, जिसको लेकर अधिकारियों को जल्द ही एस्टीमेट बनाने के निर्देश दिए हैं।

पर्यटन विकास निगम (एचपीटीडीसी) के एमडी डॉ. राजीव कुमार लेक व्यू कैफे में किचन एरिया को जांचते हुए।

सफाई कर्मचारी यूनियन झडूंता के अध्यक्ष बने बाबू राम

झंडूता। सफाई कर्मचारी यूनियन (स्वास्थ्य विभाग) का गठन रविवार को एटक के राज्य सचिव प्रवेश चंदेल की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में सर्व सम्मति से बाबू राम को अध्यक्ष, सुमन कुमारी को महासचिव रविंद्र कुमार को कोषाध्यक्ष, सुनील कुमार सोशल मीडिया प्रभारी एवं सोमा देवी को कार्यालय सचिव चुना गया। बैठक में झंडूता ब्लॉक के सभी स्वास्थ्य केंद्रों के सफाई कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। बैठक समस्त सफाई कर्मचारियों को सरकारी कर्मचारी घोषित करने की मांग की गई। सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रधान बाबू राम ने बताया कई कर्मचारी रोगी कल्याण समिति के बनने से पहले से स्वास्थ्य विभाग में सेवाएं दे रहे थे बाद में उन्हें चालाकी से रोगी कल्याण समिति के अधीनस्थ कर दिया गया।

सतलुज आरती में लोगों ने भाग लेकर भाईचारे का दिया संदेश

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

रेनबो स्टार क्लब एवं भाषा संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एतिहासिक लूहणू घाट पर सर्वधर्म एकता का प्रतीक सतलुज आरती का आयोजन किया गया, जिसमें बतौर मुख्यातिथि बिलासपुर के एसडीएम अभिषेक कुमार गर्ग (आईएएस) ने शिरकत की।

बिलासपुर के एसडीएम अभिषेक कुमार गर्ग हवन यज्ञ करते हुए।

रेनबो स्टार क्लब के संस्थापक अध्यक्ष एवं सतलुज आरती के संयोजक इशान अख्तर, रेनबो स्टार क्लब के प्रधान अजय कौशल, मुख्य सलाहकार निर्मला राजपूत, सत्यदेव शर्मा ने माता श्री वैष्णो देवी जी से लाई चुनरी एवं हिमाचली टोपी, शाल एवं स्मृति चिन्ह से मुख्यातिथि एसडीएम अभिषेक कुमार गर्ग को सम्मानित किया। सतलुज आरती में सभी धर्मों के लोगों ने भाग लेकर आपसी भाईचारे का संदेश पूरी दुनिया में दिया। रेनबो स्टार क्लब के संस्थापक अध्यक्ष इशान अख्तर ने बताया कि सदियों पहले भी राजाओं के समय बिलासपुर में आरती होती रहती थी, जिसमें सभी धर्मों के लोग सिख, ईसाई मुस्लिम, हिंदू वर्ग बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे, लेकिन समय बदलने के साथ-साथ पूरी तरह से लुप्त हो गई, जिसका सुचारु रुप से सतलुज आरती करने का बीड़ा रेनबो स्टार क्लब ने भाषा एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वाधान में पिछले कई वर्षों से उठाया हुआ है। सतलुज आरती के अवसर पर संबोधित करते हुए एसडीएम ने कहा कि सभी धर्मों के वर्गों से आए लोगों द्वारा सतलुज आरती में भाग लेकर आपसी भाईचारे का संदेश दिया गया है।

प्रदेश सरकार ने अन्य वर्गों के साथ युवाओं को दिया धोखा : जम्वाल

मिशन-2024 की तैयारियों के मद्देनजर भाजयुमो सदर मंडल की बैठक में मौजूद कार्यकर्ता।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

सदर के विधायक त्रिलोक जम्वाल ने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं। आने वाले समय में देश की बागडोर उन्हीं के हाथों में होगी।

इसी के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल एवं गतिशील नेतृत्व में केंद्र सरकार ने युवाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए कई कारगर कदम उठाए हैं व कई महत्वाकांक्षी योजनाएं भी शुरू की गई हैं। भाजपा में भी युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हुए भरपूर अवसर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। लोकसभा चुनाव के लिए अब अधिक समय बाकी नहीं बचा है। उन्होंने भाजयुमो कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे मिशन-2024 के लिए कमर कस लें। अनुशासन में रहकर काम करते हुए वे अधिक से अधिक युवाओं को संगठन से जोड़ने का कार्य करें।

मिशन-2024 की तैयारियों के मद्देनजर रविवार को भाजयुमो सदर मंडल अध्यक्ष अक्षय ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए त्रिलोक जम्वाल ने कहा कि भाजपा एक राष्ट्रवादी पार्टी होने के साथ ही विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल भी है। भाजपा के विस्तार में युवा मोर्चा की अहम भूमिका है। भाजपा ने 'चलो गांव की ओर' अभियान शुरू किया है। उन्होंने युवाओं को टिप्स देते हुए कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में अधिक से अधिक युवाओं को भाजयुमो से जोड़ें। इसके लिए युवा मोर्चा के पदाधिकारी गांव व बूथ स्तर पर पहुंचें। 2019 में 300 से अधिक सीटों पर जीत हासिल करने वाली भाजपा ने इस बार 400 प्लस का लक्ष्य रखा है।

बेटे की दोनों किडनियां खराब, मां ने लोगों से मदद की लगाई गुहार

अनंत ज्ञान, बरठीं

झंडूता विस क्षेत्र की बड़गाव पंचायत का रहने वाला कमल कुमार उम्र 21 वर्ष पुत्र रमन कुमार की दोनों किडनी खराब हो चुकी हैं, जिसका उपचार पीजीआई चंडीगढ़ में वर्ष 2022 से चल रहा है।

कमल कुमार बिलासपुर की सरकारी आईटीआई से कारपेंटर का कोर्स कर रहा था व अचानक ही बीमार हो गया और जिले के अस्पताल मे उपचार करवाने के बाद डॉक्टरों ने पीजीआई चंडीगढ़ को रेफर वर्ष 2022 में ही कर दिया गया था। पीजीआई चंडीगढ़ के डॉक्टरों ने दोनों किडनियों को ट्रांसप्लांट के लिए कहा है, जिसका खर्चा दस और बारह लाख रुपए बताया गया है, जब तक दोनों किडनियों को ट्रांसप्लांट नहीं करवा पाते हैं, तब तक सलाह दी है कि डायलसिस करवाते रहे, जिनका

डायलिसिस एम्स कोठीपुरा बिलासपुर से चल रहा है। पीड़ित की माता उर्मिला देवी ने बताया कि वह एक गरीब परिवार से संबंध रखती हैं। आय का कोई साधन नही हैं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि उनकी मदद की जाए।

अत उन्होंने इस संदर्भ में अपना खाता नंबर अपने बेटे कमल कुमार 41506478727 एसबीआई घुमारवीं और उर्मिला देवी का खाता न. 0802011003755 शाखा यूको बैंक बरठी में कोई भी व्यक्ति अपनी सहयोग राशि भेज सकता है।

राजस्थान में संपन्न हुई 38वीं कनिष्ठ महिला वर्ग हैंडबाल प्रतियोगिता

मोरसिंघी ने स्वर्ण पदक किया हासिल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

देश व विदेश में हैंडबाल में बेहतरीन प्रदर्शन कर अपनी अकादमी व कोच के साथ जिला, राज्य का नाम रोशन करने वाली मोरसिंघी हैंडबाल नर्सरी ने एक ओर स्वर्ण पदक हासिल कर लिया है।

इस बार इस अकादमी की कनिष्ठ महिला हैंडबाल टीम ने चितौड़गढ़ राजस्थान में संपन्न हुई 38वीं कनिष्ठ महिला वर्ग में सभी टीमों को पछाड़ते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया है। टीम की कोच व अकादमी की वरिष्ठ अंतरराष्ट्रीय महिला हैंडबाल खिलाड़ी हेमलता ने यह जानकारी दी। आर्यव्रत हैंडबाल अकादमी मोरसिंघी की कनिष्ठ महिला टीम अपनी वरिष्ठ महिला टीम की तरह कनिष्ठ महिला टीम भी दिन-प्रतिदिन बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। विभिन्न प्रतियोगिताओं में टीम मेडल जीत कर अपनी अकादमी व कोच का नाम रोशन कर रही है व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी खेल कर मेडल जीत रही है, जिससे अकादमी की संचालिका व कोच स्नेहलता खुश है व इन खिलाड़ियों के अभिभावक भी खुश हैं।

कनिष्ठ महिला वर्ग हैंडबाल प्रतियोगिता में मोरसिंघी हैंडबाल नर्सरी की विजेता टीम।

टीम की कोच हेमलता व मैनेजर पल्लवी ने बताया कि चितौड़गढ़ राज्यस्थान में संपन्न हुई 38वीं कनिष्ठ महिला वर्ग की हैंडबाल प्रतियोगिता में बिलासपुर के आर्यव्रत खेल अकादमी की खिलाड़ियों ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन जारी रखते हुए अपना सेमीफाइनल मैच व फाइनल मैच भी जीत लिया व स्वर्ण पदक हासिल किया। टीम ने सेमीफायनल मैच हरियाणा से 24-15 से जीता व फाइनल मैच आर्यव्रत खेल अकादमी ने उत्तर प्रदेश को 23-20 से पराजित कर स्वर्ण पदक हासिल किया, बता दें कि फाइनल मुकाबला बड़ा ही रोमांचकारी रहा कभी आर्यव्रत खेल अकादमी की टीम एक गोल से आगे व कभी उत्तर प्रदेश की टीम। अंत मे दोनों टीमों के स्कोर बराबर रहने पर 5-5 मिनट का समय दिया गया, जिसमें आर्यव्रत खेल अकादमी ने बाजी मार कर उत्तर प्रदेश को 23-20 से पराजित कर स्वर्ण पदक हासिल किया।

एनसीसी कैडेट अस्मिता को किया सम्मानित

गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रम में भाग लेना गर्व की बात : जम्वाल

एनसीसी कैडेट अस्मिता को विधायक त्रिलोक जम्वाल सम्मानित करते हुए।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में दिल्ली में आयोजित समारोह में कर्तव्य पथ पर परेड में हिमाचल का प्रतिनिधित्व करने वाली बिलासपुर कॉलेज की होनहार बिटिया एनसीसी कैडेट अस्मिता को सदर के विधायक त्रिलोक जम्वाल ने सम्मानित किया।

उन्होंने अस्मिता को बधाई देने के साथ ही उसे उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। 26 जनवरी को दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह में कर्तव्य पथ पर परेड में बिलासपुर की अस्मिता ने हिमाचल की एनसीसी टीम का प्रतिनिधित्व किया था। घागस के साथ लगते कुड्डी-भराथू की रहने वाली अस्मिता इस परेड के लिए चयनित बिलासपुर कॉलेज की इकलौती छात्रा थी। अस्मिता ने परेड में अपने अनुभव भी सांझा किए। त्रिलोक जम्वाल ने कहा कि गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रम में भाग लेना गर्व और सौभाग्य की बात है। इसके लिए अस्मिता के साथ ही उसके परिजन, अध्यापक और एनसीसी अधिकारी बधाई के पात्र हैं।

युवाओं ने लगाया खीर का भंडारा

घुमारवीं उपमंडल की उपतहसील भराड़ी के अंतर्गत आने वाले लढयानी गांव में युवा खीर वितरित करते हुए।

अनंत ज्ञान, घुमारवीं

घुमारवीं उपमंडल की उपतहसील भराड़ी के अंतर्गत आने वाले लढयानी गांव में युवाओं ने खीर के भंडारे का आयोजन किया। गुप्त नवरात्र के चलते इस भंडारे में खीर बनाई गई।

खीर को आते-जाते राहगीरों और वाहनों से यात्रा कर रहे लोगों को प्रसाद के रूप में वितरित किया गया। स्थानीय युवाओं की ओर से बड़े प्यार से लोगों को खीर का प्रसाद वितरित किया। इन दिनों माता के गुप्त नवरात्र के चलते खीर का बहुत ही महत्व माना जाता है। इसी कड़ी में युवाओं ने रविवार को खीर के भंडारे का आयोजन किया। इस भंडारे में 105 किलो दूध से खीर बनाई गई और लोगों को बांटी गई।

आयोजन समिति सदस्यों अजय शर्मा, रजनीश धीमान ने कहा कि गुप्त नवरात्र में खीर का प्रसाद खिलाना बहुत शुभ माना जाता है। इन नवरात्र में लोग माता रानी के मंदिरों में जाकर पूजा-अर्चना करते हैं। इस अवसर पर संजीव कुमार, बोटी सुरेश कुमार सूबेदार संजीव अक्षय, साहिल, अमन, मंगल सिंह, आशीष, सन्नी, ओम प्रकाश, पवन, नवीन कुमार, हेम राज, तिलक राज, यशपाल, विपिन, , विवेक शर्मा, सुरेंद्र कुमार, अनमोल शर्मा, अजीत सिंह, रंजीव चौधरी, पुष्पा, शिला देवी, कमलादेवी, प्रोमिला देवी सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

जिम्मेदारी का बखूबी करूंगा निर्वहन : राजेंद्र गर्ग

घुमारवीं। भाजपा अनुशासन समिति के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री राजेंद्र गर्ग ने कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है, उसे वह बखूबी निभाएंगे। राजेंद्र गर्ग ने भाजपा अनुशासन समिति का प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त करने पर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया है। उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग ठाकुर तथा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल का आभार जताया है।

गर्ग ने कहा कि वह भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की हर कसौटी पर खरा उतरेंगे। 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनाएगी। प्रदेश में भाजपा चारों सीटों पर जीत का परचम लहराएगी। प्रदेश में कांग्रेस सरकार ने झूठी गारंटियों से लोगों को छला है। सरकार बनने के 14 माह में ही कांग्रेस ने अपना जनाधार खो दिया है। आज हर वर्ग के व्यक्ति को अपने हकों के लिए सड़कों पर उतरना पड़ रहा है।

बागी बिनौला गांव में युवक ने फंदा लगाकर दी जान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

सदर थाना के तहत आने वाले बागी बिनौला गांव में एक युवक ने फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। युवक ने फंदा अपने घर में लगाया, इसकी जानकारी परिजनों को तब मिली जब युवक अपना दरवाजा नहीं खोल रहा था।

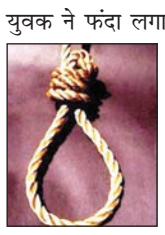

इस मौके पर पुलिस की टीम ने पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पूरी जांच की जा रही है। मृतक युवक की पहचान विक्कू उम्र 26 साल बिनौला गांव जिला बिलासपुर के रूप में हुई है। उधर, बिलासपुर एएसपी शिव कुमार चौधरी का कहना है कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और छानबीन जारी है।

जकातखाना के पास बल्ली-भटेड़ पर मिला शव

श्री नयना देवी जी। स्वारघाट थाना के तहत जकातखाना के पास बल्ली-भटेड़ नामक जगह पर सड़ा गला शव मिला है।

शव की पहचान नहीं हो पाई है। शव के एक माह पुराने होने का अंदाजा लगाया जा रहा है। फिलहाल फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया। जानकारी के अनुसार कुछ लोगों ने किरतपुर-नेरचौक फोरलेन किनारे करीब 100 फुट नीचे एक शव पड़ा हुआ दिखाई दिया। सूचना स्वारघाट थाना को दी गई। पुलिस ने नीचे उतर कर देखा तो शव सड़ी गली अवस्था में था। उधर, थाना प्रभारी राजेश वर्मा ने बताया कि एफएसएल टीम को बुलाया गया है। शव करीब एक माह पुराना लग रहा है आगामी कार्रवाई फोरेंसिक विशेषज्ञ के निरीक्षण के बाद लाई जाएगी।

आयोजन नगर परिषद घुमारवीं वार्ड दो में 'घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा' के तहत बैठक का किया आयोजन

चिट्टे के सप्लायरों को जेल भेजो, सरकार बनाए कानून

अनंत ज्ञान, घुमारवीं

नगर परिषद घुमारवीं वार्ड दो में 'घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा' कार्यक्रम में संस्कार संस्था के संस्थापक महेंद्र धर्माणी ने कहा कि पुलिस चिट्टे के सप्लायरों के खिलाफ शक्ति के साथ कानून का पालन करें और चिट्टे के सप्लायरों को जेल भेजे तथा सरकार चिट्टे के खिलाफ सख्त कानून बनाएं, ताकि हमारी युवा पीढ़ी और बच्चे सुरक्षित रहे सके और देश के निर्माण में अपना योगदान कर सकें।

संस्था को अब हर गांव में महिलाओं, बच्चो और बजुर्गों का इस अभियान के लिए भरपूर साथ मिल रहा है। महेंद्र धर्माणी ने कहा कि अब 'घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा' के तहत घुमारवीं के शिक्षण संस्थानों में बच्चों के बीच एक सर्वेक्षण करवाएगी, जिसके माध्यम से स्टूडेंट्स को इस अभियान के साथ जुड़ने तथा अपने आप को नशे से बचाने के लिए जागरूकता अभियान प्रारंभ किया जाएगा। दिसंबर और जनवरी माह में घुमारवीं विकास खंड की 40 पंचायतों में संपर्क अभियान के अंतर्गत पंचायत प्रतिनिधियों के साथ मिलकर छोटी-छोटी बैठकों से इस अभियान की शुरुआत की थी, जो निरंतर चल रही है।

नगर परिषद घुमारवीं वार्ड दो में 'घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा' के तहत आयोजित बैठक में मौजूद लोग।

50000 फॉर्म के मध्यान से चलाएगी अभियान

संस्कार सोसायटी घुमारवीं उपमंडल के सभी शिक्षण संस्थानों में छात्रों के बीच में जागरूकता करने के लिए 50000 फॉर्म के मध्यान से अभियान चलाएगी। संस्था के लोग इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न संस्थानों में जाकर अध्यापकों के मध्यान से छात्रों को जोड़ने का काम करेंगे तथा इस अभियान को आगे बढ़ाएंगे। इस मौके पर संजय शर्मा, सतीश गौतम, चंद्र शेखरगुप्त, जगदीश गुप्ता, डॉ. तिलक राज, सुरेश, राजेश ठाकुर, आशु, अरविंद, नंद लाल, नीरज, गनु आदि उपस्थिति रहे।

जनहित के कार्यों की पूर्ति में अधिकारी तेजी लाने का करें प्रयास : एडीसी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

ग्रामीण विकास एंव पंचायतीराज व योजना विभाग के अंतर्गत जनहित के कार्यों की पूर्ति में अधिकारी तेजी लाने का प्रयास करें, ताकि पात्र लोगों को इसका लाभ तुरंत मिल सके। अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. निधि पटेल ने बचत भवन में ग्रामीण विकास एंव पंचायतीराज व योजना विभाग के अंतर्गत चल रही विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह विचार व्यक्त किए।

पंचायतीराज के अंतर्गत स्वीकृत 81 सामुदायिक सेवा केंद्रों में से जिले के विभिन्न क्षत्रों में 37 केंद्रों का निर्माण कार्य पुर्ण कर लिया गया है, जबकि 30 केंद्रों का कार्य प्रगति पर है, जो जल्द बनकर तैयार हो जाएंगे। 14 केंद्रों का निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जा रहा है। 25 बनी नई पंचायतें में निर्माण के लिए, 16 पंचायतों के लिए जमीन चिन्हित कर पैसा आंवटित कर दिया गया है, जबकि नौ पंचायतों में जमीन तलाश की जा रही है। 15वें वित योग के तहत पंचायतीराज सस्थाओं को मिली अनुदान की राशि 43 प्रतिशत व्यय की जा चुकी है।

लखपति दीदी योजना के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा

उन्होंनें विभिन्न पंचायतों के विरूद्ध लंबित 22 शिकायतों को 15 दिन के भीतर निपटारा करने के निर्देश दिए। जिले में मनरेगा के अंतर्गत निर्मित 35 आंगनबाडी भवनों के निर्माण को कार्य जल्द आरंभ करने के अधिकारियों को निर्देश दिए। इस संबंध में सभी प्रकिया को पूर्ण करने के लिए तत्परता बरते, ताकि यह निर्माण कार्य किया जा सके। ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत मनरेगा में शतप्रतिशत रोजगार दिवस सृजित किए गए तथा मनरेगा श्रमिकों को मानदेय प्रदान करने में बिलासपुर की भूमिका प्रदेश में आग्रिणी है। आपदा प्रभावित 147 घरों को निर्माण करने के लिए प्रथम किस्त जारी कर दी गई है। आपदा में मनरेगा के अंतर्गत 500 डंगे लगाने के कार्य पूर्ण कर दिए गए हैं। लखपति दीदी योजना के लिए प्रशिक्षण जल्द आरंभ कर दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त शाक्षी पार्टल आरंभ किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

भागवत श्रवण से जीवन होता है सार्थक : शास्त्री

ऊना। बाबा बाल आश्रम कोटला कलां में चल रहे वार्षिक धार्मिक महोत्सव में भागवत कथा में व्यास ठाकुर कृष्ण चंद शास्त्री ने कहा कि भागवत श्रवण मनुष्य के जीवन को सार्थक करता है। जीवन को सही कार्यों की ओर प्रभावित करने वाला ही सच्चा संत होता है। सनातन धर्म से जुड़े सभी पवित्र ग्रंथों का सार भी यही कहता है कि मनुष्य का जीवन बहुत तपस्या का फल ा है तभी इस जन्म को सदमार्ग पर लगाने से ही जीवन सार्थक होता है। इस अवसर पर बाबा बाल जी महाराज ने भी अपने संक्षिप्त संबोधन में कहा कि मोह माया के संसार में मनुष्य को धर्म और सत्संग में भी शामिल रहना चाहिए। मन और आत्मा तभी संतुलित रहते हैं, जब उनको भगवान और उनकी लीलाओं से भी जोड़कर रखें। इस अवसर पर वृंदावन से पधारे कलाकारों द्वारा रासलीला का मंचन भी किया जा रहा है।

स्टूडेंट्स का हुआ साइंस एप्टीट्यूड टेस्ट

ऊना। सामाजिक कल्याण संस्था उड़ान समूह द्वारा रविवार को 10+1 तथा 10+2 में पढ़ रहे स्टूडेंट्स के लिए साइंस एप्टीट्यूड टेस्ट 2024 का सफल आयोजन किया गया। संस्था के मुख्य संरक्षक योगराज भारद्वाज ने बताया कि यह एग्जाम ऊना, बंगाणा तथा अंब में आयोजित किया गया। इस प्रतिष्ठित एग्जाम में लगभग 150 स्टूडेंट्स ने भाग लिया और अपनी मेहनत को परखा। इस एग्जाम का उद्देश्य स्टूडेंट्स की अब तक हासिल की गई शिक्षा को परख कर भविष्य में आने वाले प्रतिष्ठित एग्जाम जैसे नीट, जेई मैंस, एनडीए इत्यादि की तैयारी को नई दिशा देना है। संस्था के मुख्य संरक्षक योगराज भारद्वाज ने बताया कि प्रतियोगी परीक्षा में 60 प्रतिशत अंक की अनिवार्यता को पूर्ण कर मेरिट में स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी स्टूडेंट्स को संस्था द्वारा अपने वार्षिक समारोह में विशेष रूप से छात्रवृत्ति तथा उत्कृष्टता प्रमाण पत्र दे कर सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता में चयनित स्टूडेंट्स को छात्रवृत्ति के रूप में 54600 रुपए की राशि डिजिटल माध्यम से प्रदान की जाएगी। एग्जाम को सफल बनाने के लिए संस्था के मुख्य संरक्षक योगराज भारद्वाज द्वारा प्रधानाचार्य ऊना, प्रधानाचार्य बंगाणा सुरजीत, प्रधानाचार्य अंब, सुखराम शर्मा, राममूर्ति शर्मा, विपिन सोहेल, संजीव भारद्वाज, मनोज कुमार, प्यारे लाल शर्मा, पंकज शर्मा, रजत शर्मा, मनीष शर्मा, सुनील शर्मा, बबिता चंदेल, मनोज शर्मा, अनु ठाकुर, दीपक पठानिया, अनुपम शर्मा, रजनीश कुमार का विशेष रूप से धन्यवाद किया।

आरटीओ ऑफिस सड़क की हालत दयनीय

ऊना। स्थानीय डीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल से कुठार खुर्द वाया आरटीओ ऑफिस सड़क की हालत खराब हो चुकी है। सैंकड़ों वाहन और सैंकड़ों छात्र छात्राएं इस सड़क का रोजाना इस्तेमाल करते हैं। स्थानीय लोगों अरुण, गगन, राम पाल और शक्ति सिंह ने बताया कि मामूली बारिश से इस सड़क में गड्ढे पड़ जाते हैं और उसमें पानी जमा हो जाता है। लोगों को पैदल चलना भी कठिन हो जाता है। उन्होंने लोक निर्माण विभाग और स्थानीय नेताओं से इस समस्या का स्थाई समाधान करने की मांग की है।

रामभक्तों का अंब में किया स्वागत

अंब। हिमाचल प्रांत के रामभक्त स्वयंसेवकों का अंब अंदौरा रेलवे स्टेशन पर स्वागत एवं चायपान करवाया गया। श्री अयोध्या धाम श्रीरामलला विराजमान दर्शनार्थ गई आस्था ट्रेन राम भक्तों को लेकर श्री अयोध्या तीर्थ सात फरवरी को गई थी और आज सुबह 6:40 बजे वापस अंब अंदौरा स्टेशन पर पहुंचने पर चिंतपूर्णी विकास समिति प्रताप नगर अंब द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इसकी जानकारी देते हुए चिंतपूर्णी विकास समिति के संयोजक अश्वनी कुमार धीमान (संयोजक) चिंतपूर्णी विकास समिति ने बताया कि इस आस्था ट्रेन में पूरे हिमाचल प्रदेश से लगभग 1076 रामसेवक श्री अयोध्या धाम दर्शनार्थ गए हुए थे और यह यात्रा पूरी तरह से सफल रही स्वागत करताओं में प्रमुख रूप से शादी लाल अध्यक्ष, रतन चंद, राकेश कुमार, प्रेमलाल, अजय कुमार, ताराचंद, संदीप कुमार, दिनेश कुमार, अरविंद शर्मा, प्रवीण आदि उपस्थित रहे ।

डोहकेश्वर धाम में 15 को होगी मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा

कार्यक्रम में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला, सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर करेंगे शिरकत

आज निकलेगी कलश यात्रा, 13 और 14 होगा हवनयज्ञ

12 फरवरी को कलश यात्रा निकाली जाएगी। 13 और 14 फरवरी को क्षेत्र के विद्वानों द्वारा पूजा-पाठ एवं हवनयज्ञ होगा। 15 फरवरी को सुबह नो बजे राज्य के महामुहिम राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला, सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू एवं केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर शिरकत करके मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा एवं अवलोकन करेंगे। देसराज मोदगिल ने बताया कि डोहकेश्वर ट्रस्ट में तीन दर्जन मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा पर भारत के 54 धार्मिक स्थलों एवं नेपाल से यानी 56 धार्मिक स्थलों से अक्षत एवं निर्मत्रण दल लाकर करीब दस हजार परिवारों को निमंत्रण के तौर पर बांटे गए हैं।

अनंत ज्ञान, बंगाणा

कुटलैहड़ के कोहडरा के गांव डोहक से भव्य झांकी का आयोजन किया गया। इस झांकी में प्रभु श्री राम दरबार भोलेनाथ,राधा कृष्ण बाबा बालक नाथ एवम माता दुर्गा की सुंदर झांकी लाठियानी से होते हुए बड़सर शाहतलाई से होते हुए डोहक पहुंची। झांकी का हर जगह भव्य स्वागत हुआ। और करीब 200 गाड़ियों के साथ झांकी प्रस्थान हुई।

ज्ञात रहे कि कुटलैहड़ विस क्षेत्र की सीमा पर स्थित गांव डोहक में 15 फरवरी को डोहकेश्वर धाम मैनेजमेंट ट्रस्ट में 36 मूर्तियों को प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। इस कार्यक्रम में राज्य के महामुहिम राज्य पाल शिव प्रताप शुक्ला, सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू एवं केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर के अलावा राज्य के कई बड़ी हस्तियां शिरकत करेंगी। मैनेजमेंट ट्रस्ट के संस्थापक देसराज मोदगिल ने जानकारी देते हुए बताया कि 15 फरवरी को होने जा रही प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम 11 फरवरी से शुरू हो चुका है।

रविवार को डोहक मंदिर से प्रभु श्रीरामजी की झांकी साथ में राधा कृष्ण बाबा बालक नाथ और भोलेनाथ की झांकी मंदिर से 200 गाड़ियों सहित प्रस्थान होकर वुधान लाठीयाणी, बड़सर शाहतलाई वाशेरटू से होते हुए मंदिर तक पहुंची। इस शोभायात्रा में सैकड़ों गाड़ियां एवं गायक साथ रहे।

डोहकेश्वर धाम मैनेजमेंट ट्रस्ट बनेगा पहला ट्रस्ट

ऊना-हमीरपुर-बिलासपुर को जोड़ने वाले डोहकेश्वर धाम मैनेजमेंट ट्रस्ट यह पहला ट्रस्ट बनने जा रहा हैं, जो अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण एवं प्रभु श्री रामलला मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा पर कार्यक्रम किया था। ट्रस्ट को फाउंडर नंदलाल शर्मा जो भारत सरकार से सतलुज जल विद्युत परियोजना के सीएमडी पद से सेवानिवृत्त होकर वर्तमान में भारत सरकार के हरियाणा राज्य के विद्युत न्यामिक आयोग के चेयरमैन हैं। उन्होंने यह बीड़ा उठाया था। उनकी सोच थी कि पैतृक गांव डोहक के जो पौराणिक मंदिर हैं। उनका जीर्णोद्धार करके नई और बेहतर मूर्तियों की स्थापना करके उनमें प्राण प्रतिष्ठा करवा कर स्थापित की जाए, जिससे बाहरी राज्य के सैलानी जिस प्रकार माता चिंतपूर्णी, नैनादेवी, ज्वालाजी आकर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। उसी प्रकार डोहक गांव में भी मंदिर में आकर आशीर्वाद प्राप्त कर सकें।

जय सियाराम बोलो या जय श्रीराम सबके आराध्य हैं प्रभु राम : वशिष्ठ

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना

शिव सेवा बाल ठाकरे हिमाचल के प्रांतीय अध्यक्ष शिव दत्त वशिष्ठ ने कहा कि अयोध्या में विवादित ढांचा गिराए जाने की जिम्मेदारी लेने वाले सबसे पहले शेरे हिंद बाल साहेब ठाकरे थे। अगर अयोध्या में आज भव्य मंदिर का निर्माण हुआ है तो यह सब कारसेवकों के त्याग और बलिदान का फल है। अब सम्मान भी उनको मिलना चाहिए। इसका किसी राजनीतिक दल को राजनीतीकरण नहीं किया जाना चाहिए।

रविवार को ऊना में वशिष्ठ ने कहा कि जय सिया राम बोलो या जय श्री राम प्रभु श्री राम सबके आराध्य हैं। सी दौरान सम्मानित होने के उपरांत अपने अनुभव सांझा करते हुए मैहतपुर से युवा कारसेवक विजय भारद्वाज ने बताया कि उस समय मुलायम सिंह की सरकार थी और कार सेवकों को पुलिस की लाठियां, डंडों से पीटा जा रहा था, ऐसे में भी कार सेवकों का जोश कम नहीं हुआ और उस विवादित ढांचे पर चढ़कर उसे गिराने का जज्बा लिए सब लोग आगे बढ़े जा रहे थे। अपने साथी कार सेवकों के साथ कई दिनों तक टेंट में रातें गुजारी। ऊना के लमलेहडा निवासी पंडित सोहन लाल सहोड़ जी ने हमें हौसला देते हुए कहा था कि उन्होंने सपने में देखा कि एक विशाल बंदर ने ढांचे को गिरा दिया है। शाम तक उनका कथन सत्य ही गया। संतोषगढ़ के कार सेवक प्रेम अग्निहोत्री ने कहा कि उस समय की सरकार के अत्याचारों के चलते हम सभी कार्यकर्ता बहुत भयभीत थे हमारे सामने ही कोठारी बंधुओं को बड़ी बेदर्दी के साथ मौत के घाट उतार दिया गया था।

कारसेवकों का सम्मान करते हिमाचल के प्रांतीय अध्यक्ष शिव दत्त वशिष्ठ।

अयोध्या के कारसेवकों का किया सम्मान

ऊना। शिव सेना (बाल ठाकरे) हिमाचल प्रांतीय इकाई की ओर से अयोध्या के कारसेवकों के सम्मान कार्यक्रम में वर्ष 1990 और वर्ष 1992 में अयोध्या में राम मंदिर जन्म भूमि को लेकर कारसेवा के लिए गए कारसेवकों अथवा उनके परिजनों को सम्मानित किया गया। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष शिव दत्त वशिष्ठ ने यह सम्मान ऊना जिला से संबंधित 14 कारसेवकों अथवा उनके परिजनों को प्रभु राम के चित्र वाला स्मृति चिन्ह और पटका पहनाकर सम्मानित किया। सम्मान पाने वालों में प्रेम अग्निहोत्री वार्ड नंबर 3 संतोषगढ़, प्रभात शर्मा वार्ड नंबर 1 संतोषगढ़, सतीश कौशल वार्ड नंबर 7 संतोषगढ़, स्व. हुक्म चन्द सैनी (पुत्र हरवंस सैनी वार्ड नंबर 7 संतोषगढ़, सुमन वार्ड नंबर 5 संतोषगढ़, अश्विनी सच्चर वार्ड नंबर 8 संतोषगढ़, सुदर्शन पुरी वार्ड नंबर 7 संतोषगढ़, सतीश कौशल वार्ड नंबर 7 संतोषगढ़, राम गोपाल भारद्वाज वार्ड 2 नजदीक ट्रक युनियन ऑफिस मैहतपुर, विजय कुमार भारद्वाज वार्ड 2 नजदीक ट्रक युनियन ऑफिस मैहतपुर, सरोज बत्रा प ी स्व.श्री प्रेम चन्द बत्रा वार्ड 2 प्रोफैसर क्लोनी मैहतपुर, दीपाली पुत्री स्व. राम सिंह वार्ड 6 नजदीक पवन तूड़ी टाल बसदेहडा, रवि कुमार पुत्र स्व. मनोहर लाल बूड्डा गांव रायेपुर सहोडां, स्व परमेश्वरी दास गांव रायेपुर सहोडां सोहन लाल सहोड गांव लमलेहड़ा डाकघर चडतगढ़ और डोहक बंगाणा से सुभाष चंद शर्मा पुत्र अमृत लाल शामिल थे।

इंदिरा स्टेडियम में सीनियर जिला स्तरीय टूर्नामेंट के लिए ट्रायल

ऊना। ऊना जिला की सीनियर टीम के लिए रविवार को स्थानीय इंदिरा स्टेडियम में ट्रायल करवाया गया। ट्रायल में 45 खिलाड़ियों ने भाग लिया। कुछ खिलाड़ी नेशनल खेल रहे हैं और कुछ खिलाड़ी रणजी टीम में भी शामिल हैं। उन खिलाड़ियों को सीधा सेलेक्ट कर लिया जाएगा। ट्रायल के बाद कैंप के लिए 25 सदस्य टीम बनाई जाएगी। सलेक्शन कमेटी के सदस्य अशोक ठाकुर ने बताया कि कैंप के बाद टीम का चयन किया जाएगा। कैंप में खिलाड़ियों के मैच करवाए जाएंगे उसके बाद टीम का चयन किया जाएगा। कैंप के बाद टीम राज्य स्तरीय टूर्नामेंट मै भाग लेगी। टूर्नामेंट 24 फरवरी से चार स्थानों पर खेला जाएगा। सिलेक्शन कमेटी में अशोक ठाकुर, राहुल शर्मा और जोगिंदर पुरी को शामिल किया गया था।

क्रिकेट टीम के लिए 25 खिलाड़ियों का हुआ चायन

जिला ऊना सीनियर क्रिकेट टीम के लिए रविवार को चयनित 25 खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी गई है। इसमें अमित कुमार, अंकित कलसी, गौरव, राघव आंगरा, अमनप्रीत, पृथ्वी, नितिन, अंकुश बैंस, अंकुश बेदी, राघव बाली, आर्यन राय, महेश ठाकुर, पंकज, ऋतिक कालिया, पूर्व राज, विनय, अनिरुद्ध शारदा, अभिनव शर्मा, दीप सिंह, विनायक, मेहरदीप सिंह, रितिक चौधरी, अनुज कंवर, विनय, अनिकेत, संदीप सैनी, सुनंदन शर्मा अनीश शर्मा को शामिल किया गया है।

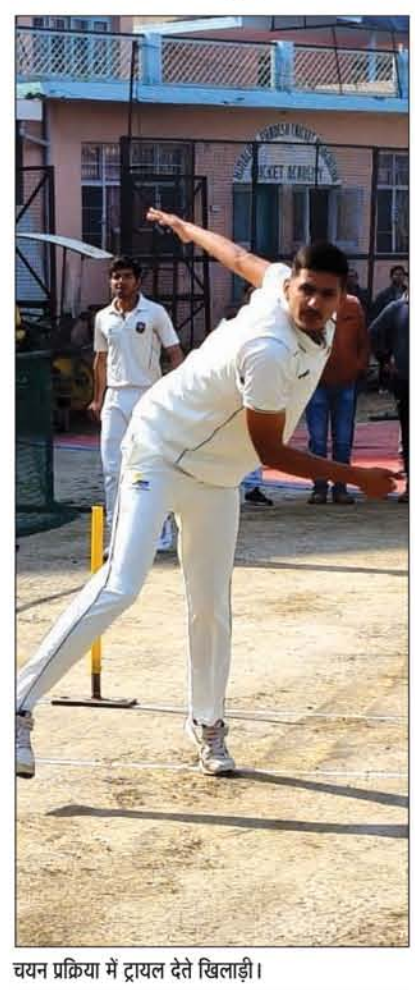

चयन प्रक्रिया में ट्रायल देते खिलाड़ी।

गगरेट के लोगों ने जताया विधायक चैतन्य शर्मा का आभार

गोंदपुर बनेहड़ा। घनारी में तहसील कल्याण अधिकारी का कार्यालय खुलने से इलाके की जनता में खुशी की लहर है, कई सरकारें आईं, कई गईं, लेकिन तहसील वेलफेयर अधिकारी की वर्षों पुरानी मांग अब पूरी हुई है, विधानसभा गगरेट को अपना तहसील वेलफेयर कार्यालय मिल गया है। इसकी विधिवत शुरुआत घनारी में गगरेट क्षेत्र के विधायक चैतन्य शर्मा ने कर दी है, इस से पहले विधानसभा गगरेट के लोग अंब तहसील वेलफेयर कार्यालय पर ही निर्भर थे। विधायक चैतन्य शर्मा ने मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान इस मांग को रखा था, जिसे मुख्यमंत्री ने तत्काल मंजूरी दे दी थी। गगरेट ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के प्रधान सुरेंद्र ठाकुर महासचिव वेद पाराशर, रमन जसवाल अश्विनी ठाकुर राजेंद्र ठाकुर गोगा कंवर, मान सिंह, दीपक जसवाल, विभिन्न पंचायतों के प्रतिनिधियों, आम जनमानस ने तहसील कल्याण अधिकारी का कार्यालय खोलने के लिए विधायक चैतन्य शर्मा और प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का आभार व्यक्त किया है।

डंगोली की कंचन लोक शिकायत निवारण समिति की सदस्य नियुक्त

ऊना । कुटलैहड़ विस क्षेत्र के गांव डंगोली की प्रधान कांग्रेस युवा नेत्री कंचन को सरकार ने लोक शिकायत निवारण समिति के सदस्य नियुक्त किया है। कंचन ने अपनी नियुक्ति के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, विधायक देवेंद्र कुमार भुट्टो और प्रदेश कांग्रेस महासचिव विवेक शर्मा का धन्यवाद किया है। कंचन ने कहा कि लोगों की समस्याओं और शिकायतों के निपटारे के लिए प्रशासन के साथ मिलकर कार्य किया जाएगा। प्रदेश सरकार द्वारा लोकहित में चलाई जा रही योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का कार्य भी किया जाएगा, जिससे प्रदेश वासियों को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। कंचन ने लोक शिकायत निवारण समिति में अपनी नियुक्ति को प्रदेश सरकार और संगठन द्वारा महिलाओं को मान सम्मान देने वाला बताया है।

जनमानस को भूलने से भी नहीं भूल रहे सिम्मी के संस्मरण

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना

राज्य के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की धर्मपत्नी प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री के निधन के बाद लगातार सोशल मीडिया से लेकर सार्वजनिक स्थलों पर यह दुखद ख़बर ही चर्चा में बनी हुई है।

हरोली में लगभग हर समय सक्रिय रहने वाली प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री के असमय स्वर्ग वास और उनके संस्मरणों को सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा है। मुकेश अग्निहोत्री के पॉलिटिकल करियर को बुलंदियों तक पहुंचाने में उनकी परदे के पीछे से और सार्वजनिक मंचों से कितनी बेहतरीन भूमिका होती थी उसको लेकर भी संस्मरण सांझा किए जा रहे हैं।

प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री की अपने सामाजिक जीवन में कितनी मजबूत पकड़ थी, यह सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों से उनकी यादों को साझा करने वाले लोगों की भावनाओं से पता चलता है। उनके बिल्कुल शांत और सौम्य स्वभाव के हरोली के तमाम लोग कायल थे। हरोली के जनमानस से ऐसा मजबूत रिश्ता उनका गत 25 वर्षों से था, जिसके कारण व्यक्तिगत तौर पर वे सभी गांवों मोहल्ले के लोगों को नाम से पुकारती थीं। उस रिश्ते की वजह से देखा जा रहा है कि उनके स्वर्गवास होने के तीसरे दिन भी लोग अपने दिल का गम भुला नहीं पा रहे हैं। लगातार सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके अपने दुख को बयां किया जा रहा है। प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री एक अच्छी पत्नी, अच्छी माता के साथ उम्दा प्रबंधक भी थीं। पूरे क्षेत्र को एक परिवार के रूप में अपनाकर उनका बेहतर प्रबंधन और हर जरूरतमंद पात्र तक सेवाएं प्रदान करने की खूब काबलियत थी। प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री के स्वर्गवास के बाद हरोली के जनमानस को जो कमी महसूस हो रही है, वह तो पूरी नहीं हो पाएगी, लेकिन मुकेश अग्निहोत्री का अपनी जनता के प्रति अपार स्नेह काफी हद तक लोगों के दर्द को समय के साथ कम करने में सहायक होगा। रविवार को जिला मुख्यालय के समीप जहां भी सार्वजनिक कार्यक्रम थे, वहां प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री को जरूर याद किया जा रहा था। भले वे धार्मिक आयोजन हो अथवा सामाजिक सब जगह प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री के असमय हृदय गति रुक जाने से निधन को लेकर दुख जरूर व्यक्त किया जा रहा था। स्वयं बाबा बाल जी महाराज पंडाल में भागवत कथा के दौरान भी इस दुखदाई घटना को लेकर दुख व्यक्त कर रहे थे।

हिमोत्कर्ष परिषद ने निधन पर किया शोक व्यक्त

ऊना। हिमोत्कर्ष परिषद ने डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री की पत्नि प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री के निधन पर शोक व्यक्त किया है। हिमोत्कर्ष परिषद के प्रदेशाध्यक्ष जतिंद्र कंवर, महासचिव डॉ. रविंद्र सूद, नरेश सैनी, यशपाल ठाकुर, कर्णपाल मनकोटिया, दीपशिखा कौशल, योगेश कौशल, मनोज कंवर, कृष्णपाल शर्मा, रमा कंवर, पूजा कपिला, अशोक ऐरी, सतपाल शर्मा, राजीव भनोट,मुनिंद्र अरोड़ा, राजकुमार पठानिया, निशांत, मनमीत सिंह, सुमन पूरी आदि ने उनके निधन पर शोक व्यक्ति किया और दिवंगत की आत्मिक शांति के लिए भगवान से प्रार्थना की। प्रदेश अध्यक्ष जतिंद्र कंवर ने कहा कि प्रो. सिम्मी अग्रिहोत्री गरीब व जरुरतमंद व्यक्तियों की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहती थीं। समाजसेवा कार्यों के चलते समाज में उनकी एक अलग पहचान थी। उन्होंने कहा कि उनके निधन से जो क्षति हुई है, उसे कभी पूरा नहीं किया जा सकता।

साहित्यकारों ने सिम्मी अग्निहोत्री के निधन पर दुख प्रकट किया

ऊना। जिला के साहित्य से जुड़े साहित्यकारों ने रविवार को जारी संयुक्त बयान के माध्यम से प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री के आकस्मिक निधन पर दुख प्रकट किया है। जिला भाषा अधिकारी ऊना नीलम चंदेल व ज़िला से संबंधित साहित्यकारों अशोक कालिया, जाहिद अबरोल, कुंदन लाल भारद्वाज, कुलदीप शर्मा, डॉ. सत्येंद्र शर्मा, डॉ . कृष्ण मोहन पांडेय, ओम प्रकाश शर्मा, डॉ. किशोरी लाल बैंस, प्रकाश चंद महरम, डॉ. सुदर्शन वर्मी, कृष्ण कुमार लद्दाखी, रामपाल शर्मा, राजीव शर्मन, राजेंद्र कौशल, देव राज हीरा, राजपाल कुटलैहड़िया, अंबिका दत्त, एमआर प्रेमी, डॉ. योगेश चंद्र सूद, अनिल जसवाल, त्रिविक्रम शर्मा, नरेश हिमाचली, राज सिंह, राम किशन भट्टी, विश्वदीप शर्मा, चन्नी बिस्मिल, मनोहर भट्टी, अंकुश शर्मा, राम प्रकाश हिमाचली, धर्मपाल डोगरा मिंटू, भूप राम, मलकीत सिंह, ओम देवी सैनी, अलका चावला, डेजी एस शर्मा, संतोष शर्मा, मनजीत कौर, डॉ. सुरेश सौंखले, मृदुला शर्मा, दीपक शर्मा, प्रो. देव कला, साक्षी शर्मा, सुधा पाराशर, सुनिधि शर्मा, रचना रानी, स्वप्ना जसवाल, निशा, हरसिमरन सैनी, शिवानी, सुलेखा आदि ने हिमाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, जिनके पास जलशक्ति तथा परिवहन के अतिरिक्त भाषा एवं संस्कृति विभाग भी है, की धर्मपत्नी प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री के आक्समिक निधन पर शोक-संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि वे दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा मुकेश अग्निहोत्री व उनकी पुत्री आस्था अग्निहोत्री को इस अपरिमित दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

न्यूज ब्रीफ

मंडी ने जीती ओवरऑल ट्रॉफी, कांगड़ा के रोहित और हमीरपुर की परीक्षा बने बेस्ट एथलीट

हमीरपुर। तीन दिवसीय इंटर डाइट स्पोर्ट्स मीट में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मंडी की टीम ने ओवरऑल ट्राफी जीती। महिलाओं में हमीरपुर की परीक्षा राणा और पुरुषों में कांगड़ा के रोहित कुमार को बेस्ट एथलीट घोषित किया गया। एथलेटिक्स में चंबा की टीम प्रथम रही। पुरुष कबड्डी में चंबा विजेता और कुल्लू उपविजेता, महिला कबड्डी में सिरमौर विजेता और मंडी की टीम उपविजेता रही। महिला वॉलीबाल में सोलन और पुरुष वर्ग में कांगड़ा चैंपियन रहा, जबकि मंडी की टीमें दोनों वर्गों में उपविजेता रही। बैडमिंटन पुरुष एकल वर्ग में कुल्लू के मनोज प्रथम, सिरमौर के अमित द्वितीय, महिला एकल वर्ग में हमीरपुर की परीक्षा राणा प्रथम और कांगड़ा की राखी द्वितीय रही। पुरुषों के डबल्स में मंडी विजेता, चंबा उपविजेता, महिला डबल्स में हमीरपुर विजेता, कांगड़ा उपविजेता, मिक्स डबल्स में हमीरपुर विजेता और मंडी की टीम उपविजेता रही। पुरुष टेबल टेनिस में कांगड़ा के अक्षय प्रथम, ऊना के मनीष द्वितीय, महिला एकल में ऊना प्रथम, शिमला द्वितीय, पुरुष डबल्स में किन्नौर प्रथम, शिमला द्वितीय, महिला डबल्स में ऊना प्रथम और बिलासपुर द्वितीय रहा। पुरुष शतरंज में सोलन प्रथम, बिलासपुर द्वितीय, महिला शतरंज में ऊना की श्वेता प्रथम और बिलासपुर की खिलाड़ी द्वितीय रही। सर्वश्रेष्ठ मार्चपास्ट की ट्रॉफी शिमला ने जीती।

नागल और रामकुमार बेंगलुरु ओपन के पहले दौर में फ्रांस के प्रतिद्वंद्वियों से भिड़ेंगे

बेंगलुरु। भारतीय खिलाड़ी सुमित नागल सोमवार से शुरु होने वाले बेंगलुरु ओपन के पुरुष एकल मुख्य ड्रॉ में ज्योफ्रे ब्लांकानॉक्स से भिड़ेंगे, जबकि वाइल्ड कार्ड से प्रवेश करने वाले रामकुमार रामनाथन का सामना मैक्सिम जानवियर से होगा। विश्व रैंकिंग में 121वें स्थान पर काबिज नागल फ्रांस के ब्लांकानॉक्स को तीन बार हरा चुके हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलियाई ओपन क्वालीफायर में उन्हें पराजित करना भी शामिल है। भारत के दूसरे नंबर के खिलाड़ी रामकुमार का फ्रांस के जानवियर के खिलाफ जीत का रिकॉर्ड 1-1 की बराबरी का है और अगर वह पहले दौर की बाधा पार कर लेते हैं तो उनके इटली के शीर्ष वरीय लुका नार्डी से भिड़ने की उम्मीद है, जिन्हें पहले दौर में क्वालीफायर से भिड़ना है। ऑस्ट्रेलिया के एडम वॉल्टन को तीसरी वरीयता मिली है और वह अपने अभियान की शुरूआत भारतीय वाइल्ड कार्डधारी प्रज्वल देव के सामने होंगे। युगल के मुख्य ड्रॉ में नौ भारतीय हैं। एन श्रीराम बालाजी और जर्मनी के आंद्रे बेजेमान का सामना जर्मनी के मार्क वॉल्चर और जैकब श्नेटर से होगा। क्वालीफाइंग दौर रविवार से शुरू होंगे, जबकि फाइनल 18 फरवरी को खेला जाएगा।

45वीं सीनियर नेशनल थ्रोबॉल चैंपियनशिप

दिल्ली ने जीते दोनों वर्गों के खिताब

नई दिल्ली। दिल्ली की टीम 45वीं सीनियर नेशनल थ्रोबॉल चैंपियनशिप के दोनों वर्गों के खिताब अपने नाम किए। महिला वर्ग के फाइनल में दिल्ली ने तमिलनाडु को 15-11, 16-15 से हराया। पुरुष वर्ग के फाइनल में दिल्ली ने मध्यप्रदेश को 15-9, 15-6 से हराया। फाइनल मैच और पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर बीजेपी विधायक वीजेंद्र गुप्ता, आम आदमी पार्टी के विधायक जय भगवान उपकार, निगम पार्षद रिमता कौशिक, धर्मेंद्र कौशिक, संजय अम्बष्ट समेत गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर थ्रोबाल फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव नरेश मान और थ्रोबॉल एसोसिएशन ऑफ दिल्ली के सचिव कर्म सिंह कर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर थ्रोबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त सचिव नीरज कुमार पप्पू, स्कूल के प्राचार्या कविता हुडेजा, पवन राणा, टी बाला विनायक, प्रेम राणा, रमेश मान, कुशल प्रजापति समेत कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने लगातार दूसरी बार जीता एसए20 खिताब

केपटाउन। मार्को यानसेन के पांच विकेट के दम पर सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने

डरबन सुपर जाइंट्स को 89 रन से हराकर लगातार दूसरी बार साउथ अफ्रीका 20 खिताब अपने नाम कर लिया लीग के पहले सत्र में भी सनराइजर्स विजयी रहे थे। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 204 रन बनाए। जवाब में डरबन टीम कल देर रात हुए इस मैच में 17 ओवर में 115 रन पर आउट हो गई। तेज गेंदबाज यानसेन ने चार ओवर में 30 रन देकर पांच विकेट लिए। उन्होंने लीग में सर्वाधिक 20 विकेट अपने नाम किए। खचाखच भरे न्यूलैंड्स स्टेडियम पर पहले सनराइजर्स के बल्लेबाजों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। कप्तान एडेन मार्कराम ने 26 गेंद में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 42 रन बनाए। वहीं प्लेयर आफ द मैच बने टॉम एबेल ने 34 गेंद में 55 रन का योगदान दिया, जिसमें आठ चौके और दो छक्के शामिल थे।

अंडर-19 वर्ल्ड कप में कंगारुओं के आगे युवा ब्रिगेड ने टेके घुटने

ऑस्ट्रेलिया ने 254 रन का दिया टारगेट, 43.5 ओवर में भारत 174 रन पर ऑलआउट

एजेंसी, बेनोनी (दक्षिण अफ्रीका)

ऑस्ट्रेलिया ने अंडर-19 वर्ल्ड कप जीत लिया है। 254 रन का टारगेट चेज करते हुए भारत 43.5 ओवर में 174 रन बना ऑलआउट हो गया। ऑस्ट्रेलिया फाइनल में 79 रन से जीता।

भारत की तरफ अदर्श सिंह ने सबसे अधिक 47 रन और अभिषेक ने 42 रन बनाए। नमन तिवारी 14 और सौम्य पांडेय 13 गेंदों में दो रन ही बना पाए। मुरुगन अभिषेक 42 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें कैलम विडलर ने कप्तान ह्यूज वीबजेन के हाथों कैच कराया।

राज लिम्बानी जीरो पर आउट हुए। उन्हें रफ मैकमिलन ने बोल्ड किया। यह उनका तीसरा विकेट है। उन्होंने अरावेली अवनीश (0 रन) और सचिन धास (9 रन) के विकेट लिए। माहली बीयर्डमैन ने आदर्श सिंह (47 रन), कप्तान उदय सहारन (8 रन) और मुशीर खान (22 रन) के विकेट लिए। 25वें ओवर में प्रियांशु मोलिया (9 रन) को चार्ली एंडरसन ने पवेलियन भेजा।

अर्शिन कुलकर्णी (3 रन) को कैलम विडलर ने विकेटकीपर रयान हिक्स के हाथों कैच कराया। इससे पहले, बेनोनी में कंगारू टीम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 7 विकेट पर 253 रन बनाए। हरजस सिंह ने सबसे ज्यादा 55 रन बनाए, जबकि कप्तान ह्यूज वीबजेन 48 और हैरी डिक्सन 42 रन बनाकर आउट हुए। राज लिम्बानी को 3 विकेट मिले, जबकि नमन तिवारी को 2 सफलताएं मिलीं।

अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में विकेट लेने के बाद खुशी मनाते ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी।

अद्भुत थी 'बूमबॉल'

भारत के सीनियर ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने की जसप्रीत बुमराह की प्रशंसा

चेन्नई। भारत के सीनियर ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने साथी जसप्रीत बुमराह की प्रशंसा करते हुए कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में उनकी 'बूमबॉल' ने कमाल कर दिया और इस तेज गेंदबाज का तीनों प्रारूप की आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचना बहुत बड़ी उपलब्धि है।

इस तेज गेंदबाज ने इंग्लैंड की पहली पारी में 'रिवर्स स्विंग' से बेहतरीन प्रदर्शन किया और 45 रन देकर छह विकेट झटके। इसके बाद दूसरी पारी में तीन विकेट से मैच में 91 रन देकर कुल नौ विकेट प्राप्त किए।

इस प्रदर्शन की बदौलत बुमराह टेस्ट रैंकिंग सूची में शीर्ष पर पहुंच गए और वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज भी बने। बुमराह ने इससे पहले वनडे और टी-20 में भी शीर्ष स्थान हासिल किया था।

अश्विन ने अपने 'यूट्यूब चैनल' पर कहा कि सबसे शानदार प्रदर्शन 'बूमबॉल' था। जसप्रीत बुमराह ने असाधारण गेंदबाजी की।

मैं जसप्रीत का सबसे बड़ा प्रशंसक हूं

अश्विन ने कहा कि वह 14 विकेट लेकर सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे और साथ ही नंबर एक टेस्ट गेंदबाज बन गए। सभी प्रारूपों में नंबर एक रैंकिंग हासिल करने वाले भारत के पहले तेज गेंदबाज। मैं उनका बड़ा प्रशंसक हूं और यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि हम चौथे दिन बराबरी पर थे, लेकिन टीम के खिलाड़ियों में शानदार उत्साह, ऊर्जा और प्रदर्शन से शृंखला 1-1 से बराबर करने में मदद मिली। पांच मैच की शृंखला हैदराबाद, विशाखापत्तनम, राजकोट, रांची और धर्मशाला में खेली जा रही है। अश्विन ने कहा कि ज्यादातर भारतीय खिलाड़ियों ने इन स्थानों पर टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है।

भारत में हैं ऐसे कई टेस्ट स्थल

इस अनुभवी स्पिनर ने कहा कि 2017 में हम ऑस्ट्रेलिया से धर्मशाला, रांची, पुणे और बेंगलुरु में खेले थे। आमतौर पर अगर 4-5 मैच की टेस्ट शृंखला होती है, तो कम से कम एक या दो बड़े शहरों में होती है। उन्होंने कहा कि लेकिन इस बार यह उन स्थान पर हो रही है, जो विश्व कप मैच का हिस्सा नहीं थे। ज्यादातर भारतीय खिलाड़ियों के लिए ये स्थान नए हैं। हमारी टीम में काफी खिलाड़ी हैं, जो विशाखापत्तनम में प्रथम श्रेणी या टेस्ट मैच नहीं खेले हैं। अश्विन ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि यह किसी अन्य देश में संभव है, लेकिन भारत में ऐसा संभव है, क्योंकि यहां कई टेस्ट स्थल हैं। इसलिए खिलाड़ी घरेलू मैदान से परिचित नहीं होते। वे भले ही आईपीएल, टी-20 या वनडे खेले हों, लेकिन लाल गेंद से खेलने से निश्चित रूप से अंतर पड़ता है।

हिमाचल को मिला 327 रन का लक्ष्य

अनंत ज्ञान, धर्मशाला

स्थानीय अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में रणजी ट्रॉफी के तहत दिल्ली और हिमाचल के बीच में खेले जा रहे चार दिवसीय मुकाबला निर्णायक मोड़ पर आ गया है।

हिमाचल को हार से बचने के लिए अपने विकेट बचाने होंगे। हिमाचल को जीत के लिए दिल्ली ने पारी घोषित करके 327 रनों का कठिन लक्ष्य रखा है।

हिमाचल ने 30 रनों पर ही एक विकेट गंवा दिया है। हिमाचल की टीम ने रविवार को पिछले कल के स्कोर से आगे खेलते हुए अपनी पहली पारी में 319 रन बनाए। दिल्ली ने पहली पारी में 264 रन बनाए थे।

दिल्ली की टीम ने दूसरी पारी 61.3 ओवर में 6 विकेट खोकर 381 रन बनाकर पारी को घोषित कर दिया। इसमें आयुष बडोनी का आतिशी शतक भी शामिल रहा। हिमाचल के गेंदबाजों का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। हिमाचल के गेंदबाज दिल्ली के बल्लेबाजों को तेज गति से रन बनाने पर रोक नहीं लगा सके। हिमाचल की शुरुआत

जवाब में हिमाचल ने एक विकेट पर 31 रन बना लिए हैं

अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज प्रशांत चोपड़ा पांच रन बनाकर आउट हो गए। शुभम अरोड़ा 15 रन बनाकर खेल रहे हैं। उसके बाद बल्लेबाजी करने आए अंकित कलसी 7 रन बनाकर खेल रहे हैं। हिमाचल की टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक एक विकेट खोकर 31 रन बनाए हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को हराकर जीती शृंखला

एडीलेड। आल राउंडर ग्लेन मैक्सवेल (नाबाद 120 रन) के रिकॉर्ड बराबरी वाले शतक से ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को दूसरे ट्वेंटी-20 मैच में वेस्टइंडीज को 34 रन से हराकर तीन मैच की शृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त हासिल की। मैक्सवेल ने 55 गेंद की पारी के दौरान आठ छक्के और 12 चौके जमाए। उन्होंने टिम डेविड (14 गेंद में 31 रन) के साथ 92 रन की साझेदारी करके ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट पर 241 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने में मदद की। यह मैक्सवेल का पांचवां टी-20 अंतरराष्ट्रीय शतक है, जिससे उन्होंने भारतीय स्टार रोहित शर्मा के रिकॉर्ड की बराबरी की। इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज ने पहले सात ओवर में पांच विकेट गंवा दिए। कप्तान रोवमैन पावेल और आंद्रे रसेल ने उम्मीद जगाई, लेकिन लक्ष्य इतना पड़ा था कि टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 207 रन ही बना सकी।

80 वर्ष के नथा ने जैवनिल थ्रो में जीता स्वर्ण

शिमला। नेशनल मास्टर्स गेम्स में प्रदेश के खिलाड़ियों का पदक जीतने का सिलसिला जारी है। इस प्रतियोगिता में रविवार को 80 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में नथा ने जैवनिल थ्रो में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके अलावा हैमर थ्रो में डॉ. अश्वनी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यह प्रतियोगिता गोवा में चल रही हैं। सुपर मास्टर गेम्स फेडरेशन डायरैक्टी-कम-सीईओ विनोद कुमार, डायरेक्टर बशी चंद, महासचिव तेजस्वी शर्मा, प्रेस सचिव मनोज कुमार ने प्रतियोगिता के पदक विजेताओं को शुभकामनाएं दी हैं।

तेजस्विन शंकर ने सत्र के शुरुआत में स्वर्ण जीता

नई दिल्ली। भारत के ऊंची कूद के राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी एथलीट तेजस्विन शंकर ने बेल्जियम के हेस्ट-ऑप-डेन-बर्ग में 'इंटरनेशनल हाई जंप गाला एल्मोस 2024 एथलेटिक्स' प्रतियोगिता में 2.23 मीटर की कूद लगाकर स्वर्ण पदक जीता। प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे अन्य भारतीयों में जेसे संदेश 2.09 मीटर की कूद से संयुक्त 10वें स्थान पर रहे। शंकर अब 20 फरवरी को चेक गणराज्य में होने वाली एथलेटिक्स प्रतियोगिता में शिरकत करेंगे।

भारत के खिलाफ बचे तीन टेस्ट से बाहर हुए लीच

लंदन। इंग्लैंड के बाएं हाथ के स्पिनर जैक लीच घुटने की चोट के कारण भारत के खिलाफ बचे हुए तीन टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने यह घोषणा की। लीच के स्थान पर किसी और खिलाड़ी को अभी शामिल नहीं किया गया है। इससे संकेत मिलता है कि टॉम हार्टले, रेहान अहमद और शोएब बशीर की स्पिन तिकड़ी ही बचे हुए दौरे में जारी रहेगी। जो रूट इंग्लैंड के चौथे स्पिन विकल्प हैं। लीच को हैदराबाद में इंग्लैंड के पहले टेस्ट दौरान बाएं पैर के घुटने में चोट लगी थी, जिससे वह विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाए थे। ईसीबी ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा कि वह अगले 24 घंटे में अबुधाबी से घर के लिए रवाना होगा, जहां इंग्लैंड की टीम 15 फरवरी से राजकोट में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट से पहले रुकी हुई है। इसके अनुसार लीच अपने 'रिहैबिलिटेशन' के लिए इंग्लैंड और समरसेट की चिकित्सा टीम के साथ काम करेंगे।

32 वर्षीय लीच के नाम 36 टेस्ट में 126 विकेट हैं और वह निचले क्रम में बल्लेबाजी भी कर लेते हैं।

पॉल-गिरोन के बीच होगा डलास ओपन फाइनल

डलास। अमेरिका के दूसरे वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल ने बेन शेल्टन को हराकर डलास ओपन के फाइनल में प्रवेश किया, जिसमें उनका सामना गैर वरीय हमवतन खिलाड़ी मार्कोस गिरोन से होगा। पॉल ने सेमीफाइनल में तीसरे वरीय हमवतन बेन शेल्टन को 6-2, 6-4 से शिकस्त दी, जबकि गिरोन ने फिर एक वरीय खिलाड़ी को हराया। तीस वर्षीय गिरोन ने चौथे वरीय फ्रांस के एड्रियन मानारिनो को 6-1, 6-3 से पराजित किया और उनकी कोशिश रविवार को पहला एटीपी टूअर खिताब जीतने की होगी। वह दो साल पहले डलास में सेमीफाइनल में पहुंचे थे।

अफ्रीका कप में तीसरे स्थान पर रहा दक्षिण अफ्रीका

अबिदजान (आइवरी कोस्ट)। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान रोनवेन विलियम्स ने शूटआउट में दो पेनल्टी बचाकर कोंगो पर 6-5 की जीत से अपनी टीम को 'अफ्रीका कप ऑफ नेशन्स' में तीसरा स्थान दिलाने में मदद की। निर्धारित समय में दोनों टीम कोई गोल नहीं कर सकी थीं, जिसके बाद कोई 'एक्स्ट्रा टाइम' नहीं खेला गया। विलियम्स ने क्वार्टरफाइनल में भी चार पेनल्टी बचाई थी। दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में नाईजीरिया से हार गया था, जबकि कोंगो को आइवरी कोस्ट से पराजय मिली थी। मेजबान देश आइवरी कोस्ट रविवार को होने वाले फाइनल में तीन बार की चैंपियन नाईजीरिया से भिड़ेगा।

चैंपियन | फाइनल में अकरम अफीफ की हैट्रिक से जोर्डन को 3-1 से दी शिकस्त

कतर ने लगातार एशियाई कप खिताब जीता

एजेंसी, लुसैल (कतर)

कतर ने अकरम अफीफ की पेनल्टी पर की गई हैट्रिक की बदौलत शनिवार को जोर्डन को 3-1 से हराकर लगातार एशियाई कप खिताब अपनी झोली में डाला।

टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और आठ गोल से शीर्ष स्कोरर अफीफ ने शनिवार को लुसैल स्टेडियम में तीनों स्पॉट किक को गोल में तबदील करने में जरा भी गलती नहीं की।

पिछले साल इसी स्टेडियम में विश्व कप का फाइनल खेला गया था, जिसमें लियोनल मेस्सी और किलियान एमबापे ने इसे रोमांचक बना दिया था, लेकिन शनिवार को अफीफ आकर्षण का केंद्र रहे और वह एशियाई कप फाइनल में हैट्रिक लगाने वाले पहले फुटबॉलर बने।

जापान ने 2000 और 2004 में लगातार एशियाई कप खिताब जीता था। इसके बाद से कतर लगातार खिताब जीतने वाला पहला देश बन गया।

स्टेडियम में 86,000 से ज्यादा दर्शक मौजूद थे। अफीफ ने 22वें मिनट में पहली पेनल्टी को गोल में बदला, जिसके बाद यजान अल नेमत ने 67वें मिनट में गोल कर जोर्डन को बराबरी पर ला दिया।

अफीफ ने फिर 73वें मिनट में स्पॉट किक से और 'स्टॉपेज टाइम' (95वें मिनट) मिनट में स्पॉट किक से गोल कर अपनी टीम को जीत दिलाई।

पेनल्टी को गोल में बदल सका, क्योंकि साथियों को मुझ पर विश्वास था : अफीक

कतर ने अकरम अफीफ ने कहा कि मैं इन पेनल्टी को गोल में बदल सका, क्योंकि मेरे साथियों को मुझ पर पूरा विश्वास था। यह तकनीक के बारे में नहीं, बल्कि उस अहसास के बारे में है कि लोग यानी मेरी टीम मेरे पीछे समर्थन के लिए खड़ी है। टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और आठ गोल से शीर्ष स्कोरर अफीफ ने शनिवार को लुसैल स्टेडियम में तीनों स्पॉट किक को गोल में तबदील करने में जरा भी गलती नहीं की। जोर्डन की टीम अपना पहला एशियाई कप फाइनल खेल रही थी।